सुविचार

अंधविश्वास का सबसे बड़ा कारण शिक्षा की कमी है।

-ईश्वरचंद्र विद्यासागर

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Malaika Arora Goes Bols In Fiery...

12

Ranchi ● Sunday, 27 April 2025 ● Year : 03 ● Issue : 102 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SARAFA

सोना	:	9,180
चांदी	:	112.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

51 हजार से अधिक युवाओं को मिला नियुक्ति पत्र

NEW DELHI : शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत का युवा आज अपने परिश्रम और नवाचार से दुनिया को यह दिखा रहा है कि हममें कितना सामर्थ्य है। वहीं हमारी सरकार हर कदम पर यह सुनिश्चित कर रही है कि देश के युवाओं के लिए रोजगार और स्व-रोजगार के अवसर निरंतर बढ़ें। प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नई नियुक्ति पाने वाले 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न स्थानों से जुड़े जनसमूह को संबोधित भी किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2025-26 के बजट में सरकार ने मैन्युफैक्चरिंग मिशन की घोषणा की है। इसका उद्देश्य है- मेक इन इंडिया को बढ़ावा देना और भारत के युवाओं को ग्लोबल स्टैंडर्ड वाले प्रॉडक्ट बनाने का मौका देना है। इससे ना केवल देश के लाखों छोटे उद्योंगो और लघु उद्यमियों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि पूरे देश में रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे।

पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहा तहव्वुर राणा

MUMBAI : मुंबई पुलिस के मुताबिक, 2008 मुंबई आतंकी हमले का मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहा है। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 23 अप्रैल को दिल्ली में एनआईए दफ्तर में आरोपी राणा से करीब 8 घंटे पूछताछ, जिसमें उसने घुमा-फिराकर जवाब दिए थे। दिल्ली में एनआईए भी राणा से पूछताछ कर रही है। यह पता लगाने की कोशिश जारी है कि लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने 26/11 हमले के लिए 3 साल से ज्यादा समय तक क्या तैयारी की और क्या योजना बनाई थी। राणा से उन लोगों के बारे में भी सवाल पूछे जा रहे हैं, जिनके नाम हमले के दौरान आतंकियों और उनके हैंडलर्स के बीच इंटरसेप्ट की गई बातचीत में सामने आए थे। इनमें अब्दुर रहमान हाशिम सईद, साजिद मजीद, इलियास कश्मीरी और जकी-उर-रहमान लखवी जैसे बड़े आतंकी शामिल हैं। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने राणा को 28 अप्रैल तक 18 दिन की एनआईए कस्टडी में भेजा है।

आज से निकाले जाएंगे सिक्किम में फंसे पर्यटक

GANGTOK : सिक्किम के उत्तरी जिले लाचेन में फंसे पर्यटकों को निकालने का काम रविवार सुबह से शुरू किया जाएगा जबकि लाचुंग में फंसे पर्यटकों को निकालने का काम जारी है। मंगन के जिलापाल अनंत जैन ने आज लाचुंग सड़क साफ करने की प्रगति का आकलन करने के लिए स्थलगत दौरा किया। यात्रा के दौरान जिलापाल के साथ चुंगथांग के एसडीएम, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण मंगन के प्रतिनिधि, लाचुंग जुम्सा के पिपन, ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन आफ सिक्किम और ड्राइवर्स एसोसिएशन के सदस्य भी थे। भ्रमण टोली ने ट्विन फॉल्स से अपना निरीक्षण शुरू किया, जहां जिलापाल ने मशीन ऑपरेटरों को सड़क साफ करने के काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके बाद टीम खिदुम चेकपॉइंट के लिए रवाना हुई और वहां चल रहे पुनर्स्थापना प्रयासों की निगरानी की।

कार्रवाई : धनबाद में वासेपुर सहित 15 ठिकानों पर एंटी टेररिस्ट स्क्वाड ने दी दस्तक

अलकायदा व आईएसआईएस कनेक्शन को लेकर छापेमारी, महिला सहित 4 अरेस्ट

PHOTON NEWS TEAM : शनिवार की सुबह झारखंड की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) की टीम धनबाद पहुंची। टीम ने वासेपुर की नूरी मस्जिद के आसपास दबिश दी। एटीएस ने आतंकी संगठन हिज्ब-उत-ताहिर (एचयूटी) अलकायदा, आईएसआईएस व अन्य आतंकी कनेक्शन को लेकर धनबाद में छापेमारी की। एटीएस की टीम ने धनबाद में वासेपुर सहित 15 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। वासेपुर की नूर मस्जिद वाले इलाके में छापेमारी के दौरान दो उम्दा किस्म के पिस्तौल, कारतूस के साथ-साथ भारी मात्रा में प्रतिबंधित लिटरेचर, डायरी, लैपटॉप और स्मार्टफोन बरामद किए गए। झारखंड एटीएस से मिली जानकारी के अनुसार, अब तक छापेमारी में कुल चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए लोगों में गुलफाम हसन, आयान जावेद, मो. शहजाद आलम और शबनम प्रवीण शामिल हैं। गिरफ्तार सभी लोग आतंकी संगठन से डार्क वेब के जरिए जुड़े हुए थे। एटीएस एसपी ऋषभ झा और उनकी पूरी टीम गिरफ्तार लोगों से पूछताछ कर रही है। जानकारी के मुताबिक, जिनको पकड़ा गया है, वे अलकायदा इंडियन सबकॉन्टिनेंट से भी जुड़े हैं। बता दें कि बीते साल अगस्त में झारखंड एटीएस ने दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर रांची, हजारीबाग और लोहरदगा के कुल 16 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इसके बाद एटीएस की टीम ने नौ संदिग्धों को पकड़ा था। इसमें रांची के मेडिका अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट के पद पर कार्यरत डॉ. इश्तियाक अहमद भी शामिल है। डॉ. इश्तियाक अहमद को रांची के जोड़ा तालाब स्थित अपार्टमेंट से पकड़ा गया था।

दो पिस्तौल, कारतूस, भारी मात्रा में प्रतिबंधित लिटरेचर, डायरी, लैपटॉप और स्मार्टफोन बरामद

- अरेस्ट सभी लोग संदिग्ध आतंकी संगठन से डार्क वेब के जरिए थे जुड़े हुए
- जिन लोगों को पकड़ा गया है, उनका अलकायदा इंडियन सबकॉन्टिनेंट से भी जुड़ाव
- **ये संदिग्ध हुए गिरफ्तार:** गुलफाम हसन, आयान जावेद, मो. शहजाद आलम और शबनम प्रवीण
- शहर के बैंक मोड़ और भूली थाना क्षेत्र में भी कार्रवाई
- वासेपुर के पांडरापाला, आजाद नगर के साथ-साथ भूली ए ब्लॉक में भी रेड

शमशेर नगर से टीम ने पति-पत्नी को दबोचा

वासेपुर स्थित शमशेर नगर में एटीएस की टीम ने छापेमारी करते हुए पति-पत्नी को गिरफ्तार किया। छापेमारी के दौरान दंपती के घर से कई धार्मिक किताबें और अन्य दस्तावेज भी बरामद हुए हैं। एटीएस की टीम ने आयान और उसकी पत्नी शबनम को गिरफ्तार लिया है। इसके बाद टीम गफ्फार कॉलोनी के अमन सोसाइटी, वासेपुर बाईपास रोड पहुंची। शहर के बैंक मोड़ और भूली थाना क्षेत्र में भी एटीएस टीम न कार्रवाई की। जबकि भूली ओपी में डीएसपी लॉ एंड आर्डर नौशाद आलम कैंप किए हुए थे। एटीएस की टीम ने वासेपुर के पांडरापाला, आजाद नगर के साथ-साथ भूली ए ब्लॉक में छापेमारी की है। झारखंड एटीएस के एसपी ऋषभ झा खुद टीम को लीड कर रहे थे। छापेमारी में हथियार के साथ-साथ कई गैजेट्स भी बरामद हुए हैं।

हिज्ब-उत-ताहिर का कई आतंकवादी गतिविधियों में रहा हाथ

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 1953 में यरूशलम में बने वैश्विक इस्लामी कट्टरपंथी संगठन हिज्ब-उत-ताहिर को आतंकवादी संगठन घोषित कर इस पर प्रतिबंध लगा दिया है। सरकार का कहना है कि यह संगठन आतंकवादी गतिविधियों में शामिल है, जो कि देश के भोले-भाले नागरिकों को जिहाद की आड़ में लेकर बैन आतंकवादी संगठन आईएसआईएस में शामिल करने के लिए उकसाता है। यह संगठन आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन जुटाने का भी काम कर रहा है। देश में कई आतंकवादी गतिविधियों में इसका हाथ रहा है। झारखंड एटीएस से मिली जानकारी के अनुसार, संदिग्ध आतंकी संगठन से धनबाद के कुछ युवकों के संबंध सामने आने के बाद झारखंड एटीएस की एक बड़ी टीम ने धनबाद में वासेपुर सहित 15 लोकेशन पर एक साथ छापेमारी की।

जम्मू-कश्मीर में अब तक ब्लास्ट से ध्वस्त किए गए आतंकवादियों के 6 घर

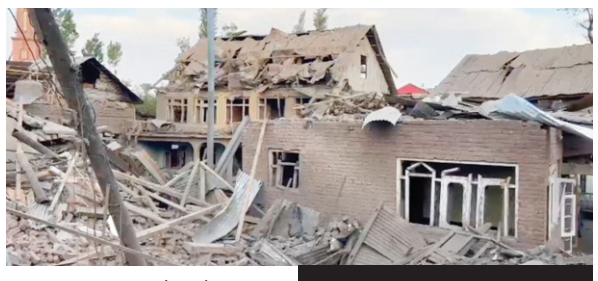

SRINAGAR : 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद अब तक भिन्न-भिन्न जगह पर भारतीय जवानों ने ब्लास्ट से आतंकियों के छह घर ध्वस्त कर दिए हैं। केंद्र सरकार ने सभी मीडिया हाउस से अपील की है कि डिफेंस ऑपरेशन और फोर्स के मूवमेंट की कवरेज न करें। इस बीच सेना ने त्राल, अनंतनाग, पुलवामा, कुलगाम और शोपियां में सर्च ऑपरेशन के दौरान यह एक्शन लिया। द कश्मीर रेजिस्टेंस फ्रंट ने पहलगाम हमले के 3 दिन बाद अटैक की जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया है। हमले के बाद सबसे पहले टीआरएफ ने ही इसकी जिम्मेदारी ली थी। बता दें कि गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को मुख्यमंत्रियों से अपील की थी कि घुसपैठियों की जल्द से जल्द पहचान करें और उन्हें वापस उनके देश भेजें।

- त्राल, अनंतनाग, पुलवामा, कुलगाम और शोपियां में चलाया गया सर्च ऑपरेशन
- डिफेंस ऑपरेशन और फोर्स के मूवमेंट को कवर नहीं करने की सरकार ने की अपील
- कुलगाम जिले के गिद्दर गांव में आतंकियों और जवानों के बीच हुई मुठभेड़
- सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेरा, भागने के सभी रास्तों को कर दिया बंद
- सेना ने सेदोरी नाले के जंगलों में तबाह किया आतंकियों का ठिकाना

72 घंटों में घाटी में पांचवां एनकाउंटर

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के गिद्दर गांव में शनिवार सुबह सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। जानकारी के मुताबिक, सुरक्षाबल इलाके में तलाशी ले रहे थे, तभी आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेर लिया और आतंकियों के भागने के सभी रास्तों को बंद कर दिया है। तलाशी अभियान जारी है। यह पिछले 72 घंटों में घाटी में हुई पांचवीं मुठभेड़ है।

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद विदेशी नागरिकों के खिलाफ एक्शन शुरू

गुजरात में हिरासत में लिए गए एक हजार से ज्यादा बांग्लादेशी

SURAT : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद देशभर में विदेशी नागरिकों के खिलाफ एक्शन शुरू हो गया है। इस कड़ी में शनिवार को गुजरात के अहमदाबाद (890) और सूरत (134) में पुलिस ने महिलाओं और बच्चों सहित करीब एक हजार अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को हिरासत में लिया। वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर उन्हें भारत से निकाला जाएगा। गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने कहा, इनमें से कई लोग ड्रग्स और मानव तस्करी में शामिल हैं और हाल ही में गिरफ्तार किए गए चार बांग्लादेशियों में से दो अलकायदा के स्लीपर सेल में काम करते थे।

हरियाणा में 460 पाकिस्तानियों को निकालने का आदेश जारी

हरियाणा में राज्य सरकार ने 460 पाकिस्तानियों को निकालने का आदेश जारी किया है। अभी इन्हें हिरासत में लेने की कोई सूचना नहीं है। सीएम नायब सैनी ने पाकिस्तानियों को वापस भेजने के लिए गृह विभाग से प्लानिंग मांगी है। पंजाब के अटारी बॉर्डर पर पाकिस्तानी नागरिकों के भारत से जाने का सिलसिला जारी है।

आतंकी हमले की निष्पक्ष जांच को तैयार : पाक पीएम

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि वे पहलगाम अटैक की हर निष्पक्ष जांच में शामिल होने को तैयार हैं। शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान को बदनाम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पर हर बार आरोप लगते हैं और यह बर्दाश्त नहीं है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री एक ओर जांच की बात कर रहे हैं, तो दूसरी ओर पाकिस्तान की फौज ने लगातार दूसरे दिन एलओसी पर गोलीबारी की। भारतीय फौज ने इसका जवाब दिया।

नौकरशाही

काले पत्थर की खोज

ब्रजेश मिश्र

> झारखंड की नौकरशाही में बड़े-बड़े पदों पर बैठे कई लोगों की कार्यप्रणाली कई बार कारनामे में बदल जाती है। ऐसा ही एक नया मामला इन दिनों प्रशासनिक गलियारे में चर्चा का विषय बना हुआ है। जानें क्या है अंदर की बात, द फोटोन न्यूज के एग्जीक्यूटिव एडिटर की कलम से।

कमरे के बाहर अमिताभ बच्चन की आवाज सुनाई दे रही थी। अंदर पहुंचा तो देखा गुरु टीवी पर नजरें गड़ाए हुए हैं। आहट का अहसास होने पर वह पीछे मुड़े। सिर उठाकर देखा और फिर उनकी नजरें स्क्रीन पर टिक गईं। गुरु का अभिवादन करते हुए अपनी तरफ से पूछा- इतने ध्यान से कौन सी फिल्म देख रहे हैं ? गुरु ने उत्तर में उल्टा सवाल दाग दिया। कहा- अगर फिल्म का नाम तुम बता दो तो बदले में अच्छी चाय मैं पिला देता हूं। थोड़ी देर फिल्म देखने के बाद आखिरकार हार मान ली। जवाब दिया- गुरु फिल्म तो पहले देखी है, लेकिन नाम याद नहीं आ रहा है। गुरु शायद ऐसे ही प्रतिउत्तर का इंतजार कर रहे थे। कुर्सी से उठे और किचन की तरफ बढ़ते हुए बोले- अरे यार, बड़ी चर्चित फिल्म है 'काला पत्थर।' इस बीच गुरु आंखों से ओझल हो गए थे, लेकिन उनकी आवाज कानों तक साफ-साफ आ रही थी। बोलना जारी था- वर्ष 1979 में आई इस फिल्म का निर्देशन यश चोपड़ा ने किया था। वनांचल में रहते हुए तुम इसे कैसे भूल सकते हो? यहां तो सारा खेल ही काले पत्थर का है। गुरु की बात बिल्कुल जायज थी, लेकिन इसमें छिपा संदेश समझ नहीं आ रहा था। इसी उधेड़बुन के बीच गुरु हाथ में पानी का ग्लास लेकर एक बार फिर कमरे में प्रकट हो गए थे। गुरु की पहेली को समझने के लिए सीधे सवाल की जरूरत थी। लिहाजा, बेझिझक सीधा पूछ लिया। गुरु! काले पत्थर का कोई नया खेल आया है क्या मार्केट में? प्रश्न पूरा होते ही गुरु का चेहरा कुटिल मुस्कान से भर गया। बोले- तुम हमेशा अपने मतलब की बात खोजने में लगे रहते हो। बहरहाल, अब तुमने पूछ ही लिया है तो सुनो, इस बार खबर लौह अयस्क की खान वाले मंडल से है। पता चला है कि लंबे समय से इलाके में हरि गान कर रहे एक बड़े साहब अपना आशियाना बनवा रहे हैं। निर्माण के लिए उन्हें काले पत्थर की जरूरत है। सूत्र दावा करते हैं कि साहब पद पर रहते हुए पत्थर खरीद का खर्च वहन नहीं करना चाहते। लिहाजा, अपने मातहतों से अलग-अलग मालिकों तक संदेश भिजवा रहे हैं। सुना है, हुकूम बजाते हुए कुछ गाड़ियां मुकाम तक भी पहुंचाई गई हैं। अब बताने वाले कह रहे हैं कि पर्याप्त सप्लाई के बावजूद डिमांड कम नहीं हो रही। लिहाजा पत्थर उद्योग में लगे कुछ पूंजीपतियों के पसीने छूट रहे हैं। मौसम गर्मी का है, लिहाजा करीबियों को पसीने का कारण भी नहीं बता पा रहे। बात पूरी करते हुए गुरु फिर किचन की ओर बढ़ चले, शायद गर्मी में चाय पिलाए बगैर वह अतिथि को विदा नहीं करना चाहते थे।

भीषण गर्मी के बीच फिर बदलेगा मौसम, आज-कल ओलावृष्टि का अलर्ट

- मौसम विभाग ने 10 जिलों के लिए जारी की चेतावनी
- 40 से 50 किलोमीटर की गति से तेज हवा चलने की जताई गई है आशंका
- बंगाल की खाड़ी से झारखंड में नमी के प्रवेश करने से बनी है यह स्थिति
- गर्मी से मिलेगी राहत, तापमान में 5 से 10 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट संभव

PHOTON NEWS RANCHI : पिछले कई दिनों से झारखंड में राजधानी रांची सहित विभिन्न जिलों में भीषण गर्मी का पड़ना जारी है। झारखंड के 10 जिलों में रविवार और सोमवार को ओलावृष्टि, वज्रपात और 40 से 50 किलोमीटर की गति से तेज हवा चलने की आशंका है। इसे लेकर मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार, 28 अप्रैल से दो तीन मई तक राज्य भर में तेज हवा, गर्जन, वज्रपात और ओलावृष्टि होने की आशंका है। शनिवार को रांची सहित पूरे राज्य भर में प्रचंड गर्मी महसूस की गई। सुबह होते ही कड़ी धूप से लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। शनिवार को रांची में तापमान 39.3 डिग्री, जमशेदपुर में 42.9, डाल्टेनगंज में 43.5, बोकारो में 42.1 और चाईबासा में अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग की ओर से बताया गया है कि यह स्थिति बंगाल की खाड़ी से झारखंड में नमी के प्रवेश करने से बनी है। मौसम में होनेवाले इस बदलाव की वजह से झारखंड के अधिकांश जिलों में लोगों को प्रचंड गर्मी से राहत मिलेगी और तापमान में 5 से 10 डिग्री तक की गिरावट होगी। मौसम विभाग ने गर्जन और वज्रपात की स्थिती में लोगों से बिजली के खंभों के पास नही रहने, ऊंचे स्थानों पर चढ़ने से बचने, टूटे- फूटे मकान के पास नहीं रहने तथा पेड़ के नीचे खड़ा नहीं रहने की अपील की है।

सेहत की चिंता आईसीआरआईईआर की रिपोर्ट में किया गया है बड़ा खुलासा

एक छिपी महामारी के रूप में फैल रही विटामिन डी की कमी

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : सेहत को बुलंद रखने के लिए संतुलित भोजन की आवश्यकता होती है। पोषण विशेषज्ञों के अनुसार, संतुलित भोजन का मतलब यह होता है कि उसमें भोजन के सभी अवयवों का आवश्यकता के अनुसार समावेश हो। भोजन के प्रमुख अवयवों में प्रोटीन, कार्बोहाईड्रेट, वसा, जल, विटामिन और खनिज लवण हैं। विटामिन ऐसे पोषक तत्व हैं, जिनकी शरीर को बहुत कम मात्रा में आवश्यकता होती है, लेकिन उनकी कमी से जैव क्रियाएं प्रभावित होती हैं और इससे सेहत पर बड़ा नकारात्मक असर हो सकता है। विटामिन डी एक ऐसा विटामिन है, जिसकी आवश्यकता बचपन से लेकर बुढ़ापे तक होती है। हड्डियों के निर्माण और उसकी मजबूती को बनाए रखने में इसकी अहम भूमिका होती है। इसकी कमी बचपन से लेकर बुढ़ापे तक को प्रभावित करती है। हाल में आई एक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है कि भारत में हर पांचवां आदमी इस विटामिन की कमी से पीड़ित है। वास्तव में यह कमी एक छिपी हुई महामारी के रूप में फैल रही है।

हड्डियों के विकास और मजबूती बनाए रखने में विटामिन डी का योगदान महत्वपूर्ण

सूरज की भरपूर रोशनी मिलने के बावजूद भारत का हर पांचवां व्यक्ति झेल रहा परेशानी

- विटामिन डी के निर्माण की प्रक्रिया में सनलाइट की होती है खास भूमिका
- देश के विभिन्न क्षेत्रों में इस विटामिन की कमी का स्तर काफी भिन्न

विटामिन डी की कमी का असर सिर्फ हड्डियों तक सीमित नहीं, इम्युनिटी सिस्टम को करती है कमजोर

- उत्तर भारत की तुलना में पूर्वी भारत में अधिक ऊंचा देखा जा रहा कमी का स्तर
- शहरीकरण, बढ़ता प्रदूषण और आधुनिक जीवनशैली के कारण बढ़ रही मुसीबत

सूर्य के प्रकाश से संपर्क आवश्यक

लोगों में इस कमी को दूर करने के लिए सरकार ने कुछ कदम उठाए हैं। जैसे दूध और तेल में विटामिन डी का फोर्टिफिकेशन और इसे आवश्यक दवाओं की सूची में शामिल किया गया है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने भी भारतीयों के लिए आहार संबंधी दिशा निर्देश जारी किए हैं, जिसमें सूर्य के संपर्क में रहने पर जोर दिया गया है। साइंस जर्नल नेचर की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में भारत के लगभग 49 करोड़ लोग विटामिन-डी की कमी से ग्रस्त थे।

36 घंटे की रिमांड पर भेजा गया नीट पेपर लीक का मास्टरमाइंड संजीव मुखिया

PATNA : नीट पेपर लीक का मास्टरमाइंड संजीव मुखिया को शुक्रवार को पटना के दानापुर से गिरफ्तार किया था। शनिवार को ईओयू की तरफ से संजीव मुखिया को 5 दिनों के लिए रिमांड पर लेने की अपील की गई थी, जिसपर कोर्ट ने सुनवाई करते हुए 36 घंटे की रिमांड स्वीकार की है। शुक्रवार को ईओयू ने संजीव मुखिया से करीब 3 घंटे तक पूछताछ की थी। सिपाही बहाली, बीपीएससी शिक्षक भर्ती और नीट यूजी जैसी कई परीक्षाओं के पेपर लीक में संजीव मुखिया का हाथ रहा है। जानकारी के अनुसार, संजीव पटना के सगुना मोड़ के पास आरएन हाइट्स अपार्टमेंट में अपनी गर्लफ्रेंड के साथ छिपकर रह रहा था। उसने 3 महीने पहले एक फ्लैट किराए पर लिया था। जिस मोबाइल नंबर को पुलिस ट्रैस कर रही थी, वह मोबाइल मुखिया ने किसी और के नाम पर ले रखा था, जिसकी वजह से लोकेशन सही नहीं मिल पा रहा थी।

गंगटोक की एक हरे-नीले सपने की यात्रा

घुमक्कड़ की पाती

गंगटोक बौद्ध संस्कृति का भी प्रमुख केंद्र है। यहां का रुमटेक मठ, एंचे मठ और त्सोम्गो झील जैसे स्थल पर्यटकों को खास आकर्षित करते हैं। गंगटोक की साफ-सफाई, अनुशासन और पर्यावरण के प्रति सजगता इसे भारत के सबसे अच्छे हिल स्टेशनों में शामिल करती है। गर्मियों में यह शहर ठंडक और सुकून देने वाला स्थल बन जाता है, जबकि सर्दियों में यहां बर्फबारी का मजा लिया जा सकता है। गंगटोक, सचमुच एक अलहदा अनुभव है। मेरी यात्रा दिल्ली से शुरू हुई। मैंने नई दिल्ली से न्यू जलपाईगुड़ी तक की ट्रेन यात्रा चुनी। राजधानी एक्सप्रेस और नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस जैसे विकल्प उपलब्ध थे। मैंने नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस को चुना जो लगभग 24 घंटे में जलपाईगुड़ी पहुंचाती है। ट्रेन से बाहर झांकते हुए मैं उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल की बदलती भौगोलिक तस्वीरें देखता रहा।

यात्राएं हमेशा से मेरे जीवन का अहम हिस्सा रही हैं। इस बार मैंने सोचा कि क्यों न दिल्ली की भीड़-भाड़ और गर्मी से दूर कहीं शांति की तलाश की जाए। इसी खोज ने मुझे पूर्वोत्तर भारत के एक स्वप्निल शहर गंगटोक तक पहुंचा दिया। सिक्किम की राजधानी गंगटोक न सिर्फ.सुंदरता में अद्वितीय है, बल्कि वहां की संस्कृति, लोग और पर्वतीय ठंडक कुछ ऐसा अहसास कराते हैं, जैसे समय थम गया हो। यह पूर्वोत्तर भारत का एक बेहद खूबसूरत और स्वच्छ शहर है। समुद्र तल से लगभग 1,650 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शहर हिमालय की गोद में बसा है और अपने प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और सांस्कृतिक विविधता के लिए प्रसिद्ध है।

यहां की हरी-भरी घाटियां, बर्फ से ढके पहाड़ और नीली आकाश की छांव में बहती तीस्ता नदी का दृश्य मंत्रमुग्ध कर देता है। गंगटोक बौद्ध संस्कृति का भी प्रमुख केंद्र है। यहां का रुमटेक मठ, एंचे मठ और त्सोम्गो झील जैसे स्थल पर्यटकों को खास आकर्षित करते हैं। गंगटोक की साफ-सफाई, अनुशासन और पर्यावरण के प्रति सजगता इसे भारत के सबसे अच्छे हिल स्टेशनों में शामिल करती है। गर्मियों में यह शहर ठंडक और सुकून देने वाला स्थल बन जाता है, जबकि सर्दियों में यहां बर्फबारी का मजा लिया जा सकता है। गंगटोक, सचमुच एक अलहदा अनुभव है। मेरी यात्रा दिल्ली से शुरू हुई। मैंने नई दिल्ली से न्यू जलपाईगुड़ी तक की ट्रेन यात्रा चुनी। राजधानी एक्सप्रेस और नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस जैसे विकल्प उपलब्ध थे। मैंने नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस को चुना जो लगभग 24 घंटे में जलपाईगुड़ी पहुंचाती है। ट्रेन से बाहर झांकते हुए मैं उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल की बदलती भौगोलिक तस्वीरें देखता रहा। खेत, नदियां, गांव सब एक चलते फिरते चलचित्र की तरह मेरे सामने आते रहे।

न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन पर उतरते ही पहाड़ों की हवा और हरियाली ने स्वागत किया। यहाँ से गंगटोक लगभग 125 किलोमीटर की दूरी पर है, जिसे टैक्सी या शेयर में सूमो से तय किया जा सकता है। मैंने एक शेयर टैक्सी ली और यात्रा शुरू हुई। रास्ते में तीस्ता नदी का नीला पानी और घुमावदार सड़कें मन को रोमांच से भर देती हैं। चार घंटे की इस यात्रा के दौरान कई जगहें ऐसी आईं, जहां मन किया कि यहीं रुक जाऊं।

गंगटोक पहुंचते ही जो पहली चीज महसूस हुई, वो थी साफ-सुथरी हवा और शांत वातावरण। यहां की सड़कों पर न तो शोर है, न प्रदूषण। होटल की बुकिंग मैंने पहले ही कर रखी थी। एमजी रोड के पास एक छोटा सा होमस्टे, बेहद गर्मजोशी से स्वागत करता है। चाय की प्याली और लोगों के नम्र व्यवहार ने यात्रा की थकान को कुछ ही मिनटों में मिटा दिया। मुझे गंगटोक और यहां के लोग, दोनों ही बेहद पसंद आए।

गंगटोक का दिल है एमजी रोड। यहां की शामें बिल्कुल यूरोपीय गलियों जैसी लगती हैं। पैदल चलने वालों के लिए बना यह रास्ता दोनों ओर रंगीन दुकानों और कैफे से सजा होता है। सड़क पर न थूकना, न शोर मचाना–ये नियम यहां सख्ती से पालन किए जाते हैं। मैंने एक स्थानीय मोमो शॉप से स्टीम मोमोज खाए और सिक्किमी चाय की चुस्की ली।

अगले दिन मैंने त्सोम्गो झील और बाबा हरभजन सिंह मंदिर की योजना बनाई। ये दोनों स्थल गंगटोक से लगभग 40 किलोमीटर दूर हैं और परमिट की जरूरत होती है। एक दिन पहले ही मैंने टैक्सी और परमिट का इंतजाम कर लिया था। सुबह 7 बजे हम निकल पड़े। रास्ते में बर्फ से ढके पहाड़, धुंध से घिरी सड़कें और सैनिकों की चहल-पहल देखी। त्सोम्गो झील अप्रैल-मई में भी कभी-कभी जमी हुई मिलती है। झील की पारदर्शिता और नीलेपन ने मन मोह लिया।

बाबा मंदिर एक सैनिक की याद में बना है, जिसे स्थानीय लोग आज भी जीवित मानते हैं। यहां की शांति और श्रद्धा का माहौल अद्वितीय था। मैं नाथू ला पास भी जाना चाहता था, जो भारत-चीन सीमा पर स्थित है, लेकिन मौसम खराब होने की वजह से सेना ने उस दिन पर्यटकों की एंट्री बंद कर दी थी। थोड़ी निराशा जरूर हुई, लेकिन सिक्किम का हर कोना ऐसा है, जो किसी एक जगह की कमी पूरी कर देता है। चार दिनों की यह यात्रा कब बीत गई पता ही नहीं चला। गंगटोक ने मुझे सिखाया कि जीवन की दौड़-भाग से दूर शांति कैसे महसूस की जाती है। वापसी में वही टैक्सी पकड़ी और जलपाईगुड़ी से ट्रेन लेकर दिल्ली लौट आया। यदि आप इस जगह पर जाने का विचार बना रहे हैं तो जरुरी नहीं कि ट्रेन से ही जाएं। इस जगह पर आप फ़्लाइट से भी जा सकते हैं। इससे आपका समय बचेगा, जिसे आप घूमने में लगा सकते हैं।

पहाड़ी फूलों का अद्भुत संग्रह

गंगटोक शहर में ही दो प्रमुख स्थल हैं। हनुमान टोक और गणेश टोक। दोनों ही मंदिर ऊंचाई पर स्थित हैं और यहां से पूरे शहर का अद्भुत दृश्य दिखाई देता है। सुबह-सुबह यहां जाना और शहर को बादलों में लिपटा हुआ देखना आत्मा को शांति देता है। गंगटोक में एक छोटा सा, लेकिन सुंदर स्थान है, फ्लॉवर एक्जीबिशन सेंटर, जहां सिक्किम के खास ऑर्किड और अन्य पहाड़ी फूलों का अद्भुत संग्रह देखने को मिलता है। यहां की रंग-बिरंगी दुनिया ने मेरी आँखों को सुकून दिया।

थुकपा व फर्न टोड़ा का भाएगा स्वाद

गंगटोक में खाने का अनुभव भी अद्भुत रहा। स्थानीय थाली जिसमें चावल, दाल, सब्जी और गुंडरुक शामिल था। यह व्यंजन कुछ नया और स्वादिष्ट था। मैंने यहाँ थुकपा और फर्न टोड़ा जैसे पारंपरिक व्यंजन भी चखे। कैफे में बैठकर कॉफी पीते हुए पहाड़ों को देखना अपने आप में एक ध्यान जैसा अनुभव था।

एक पर्यटन नहीं बल्कि आत्मिक विश्राम का अनुभव : इस जगह पर रहने के लिए भी हर तरह के होटल और रिजॉर्ट मिल जाते हैं। यदि आपको स्थानीय संस्कृति को जानना है, तो होमस्टे में ठहरना ज्यादा अच्छा रहेगा। गंगटोक की यह यात्रा मेरे लिए केवल एक पर्यटन नहीं बल्कि आत्मिक विश्राम का अनुभव था। यहाँ की स्वच्छता, अनुशासन, संस्कृति और प्राकृतिक सुंदरता दिल को छू गई। नाथू ला पास की यात्रा अधूरी रह गई लेकिन शायद यही अधूरापन मुझे फिर एक बार गंगटोक की ओर बुलाएगा। अगर आप भी अपने व्यस्त जीवन से कुछ पल निकाल कर किसी शांत और सुंदर जगह जाना चाहते हैं तो गंगटोक जरूर जाएं। यकीन मानिए, यह शहर आपको बदल देगा।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

SCAN ME

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

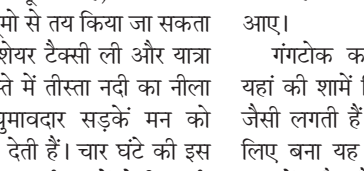

राघवेश त्रिपाठी
महराजगंज
उत्तर प्रदेश

अधूरी चाहत

तमाम चेहरों में
नजर आए तुम
पर अपना चेहरा लिए
कभी न आए तुम

कभी चिट्ठी
कभी फूलों की महक में
पाबंद तुम
घर की देहरी के भीतर
सुगंध बन नहीं आए तुम

तेरा गुस्सा,तेरी उदासियां
और ये जिंदगी की घुटन
बन गई गजल
पर गीत का वो पुरसुकून
राग बन नहीं आए तुम

अब किससे बयां करूं
अपना दर्द -ए -दिल 'राघव'
जब मेरी ज़िंदगी की
पटकथा में
नहीं आए तुम

कहानी ■ पार्ट-1

सोच

'दरअसल यह जो तुम्हारी तरह सोच रखने वाली नस्ल है, इसका यही चरित्र है कि यह देश को देश नहीं बाजार मानता है और अपने माता-पिता को जन्म देने वाली मशीन मानता है, घर को घर नहीं होटल मानता है। जब मन आए, चेकआउट कर लो। दरअसल, तुम्हारे नस्ल की यह जो सोच है, वह किस परिवार, स्कूल या कॉलेज की देन है?'

आर रवि कांत मिश्र
जमशेदपुर
KRAVIMISHRA@GMAIL.COM

वो बीस-पच्चीस साल का लड़का था, जो अपने शब्दों से कॉमेडी के नाम पर रिश्तों को नंगा कर रहा था। मंच पर हाथ में माइक लेकर खड़ा हो गया था और सामने बैठे दर्शकों से चीख-चीख कर कह रहा था- मां कसम मैं नंगा नहीं हूं। भगवान कसम मैं झूठ नहीं बोलता, मैंने कभी झूठ बोला ही नही, विश्वास करें, मुझे झूठ बोलने की जरूरत क्या है? 'जब इतने सारे लोग मेरे सामने नंगे बैठे हुए हैं' वह लडका हंस-हंस कर बोल रहा था कि मैं नंगा नहीं हूं। उसके सामने युवा भारत के युवा दर्शक बैठे थे, जो जोर-जोर से ताली पीट कर बोल रहे थे- सचमुच तुम नंगे नहीं हो। दरअसल हम नंगे नहीं हैं, हम तो आधुनिक सभ्यता संस्कृति की फसल हैं, जिसने आउटडेटेड सभ्यता-संस्कृति के लिबास को उतार कर फेक दिया है, इसलिए हमारे लहराने की कोई सरहद नहीं है। हम कुछ भी, कहीं भी, कैसे भी लहरा सकते हैं, कॉमेडी के नाम पर किसी के निजी पलों का पोस्टमार्टम सार्वजनिक तौर पर कर सकते हैं। यह बात, यह सोच, यह घटना किसी साहित्यिक लेखक की कल्पना नहीं है। इस वेबसीरीज के युग में जो लोग अभिनय के नाम पर भर-भर कर मां, बहन, बेटी के नाम पर गालियां देते हैं और श्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार उनको दिया जाता है। यह एक ऐसे युग का सच है, जहां अवसाद, गाली, अपमान, घृणा, प्रतिरोध, हिंसा, सेक्स आदि मनोरंजन के विषय वस्तु हैं। जहां गंभीर से गंभीर बात को चुटकुला बना देना, मजाक बना देना, यह इस युग का संस्कार है। यह किस तरह की सोच है? यह कौन सी नस्ल है? यह कौन सी सोच है? इस सोच को जन्म कौन दे रहा है? यह कैसी सोच है? जो सबसे पहले आंखों का पानी सोख लेती है। तब यह विशेष नस्ल अपने को विशेष समझती है और यह विशेष नस्ल का एक सपना है, एक ऐसे समाज का सपना है, जहां हर इंसान की आंखों में जो पानी है, उसका गर्भपात हो जाए। इसलिए यह नस्ल रोज अपनी आंखों की पानी का गर्भपात करता है। कला और मनोरंजन के नाम पर दूसरे को छोटा कर उसे अपमानित कर, उसके दर्द पर हंसता है।

चार्ली चैपलिन ने कहा था- मेरा दर्द किसी के हंसने की वजह जरूर बन सकता है, लेकिन मेरी हंसी कभी किसी दर्द की वजह नहीं बननी चाहिए। यह सोच हमें कहां ले जाती है और, आज की सोच हमें कहां ले जाती है? दूसरे के दर्द पर, दूसरे की मानसिक, भावनात्मक कमजोरी पर हंसना उस इंसान को छोटा बना देना और अपने को श्रेष्ठ बनाकर उसके माथे पर बैठ जाना। यह सोच कहां से आई है? इस नस्ल के मन में यह सोच कौन डाल रहा है? मंच पर बैठ कर अपने फूहड़ शब्दों से हास्य उत्पन्न कर रहा है और उनके द्वारा ब्लैक कॉमेडी पर एक आधुनिक समूह बड़ा सा मुंह खोल कर हंस रहा हैं। वह भी बिलकुल आंखों से, कानों से नंगे होकर। 'तन से नंगा होने से पहले, यह नस्ल अपनी चेतना से नंगा हो गया है'। तब

नंगापन अपनी सरहद को पार कर अश्लीलता में बदल जाता है। इस सदी का यह उत्पाद है, जिसे मनोरंजन का साधन मान लिया है। जहां समाज अवसाद के इतने दबाव में आ चुका है कि उसे अपने मनोरंजन के लिए अश्लीलता का भारी डोज चाहिए। स्वस्थ डोज बेअसर हो गया है। इस सोच की बुलेट ट्रेन कहां जा रही है और इसका अंत कहां होगा? या यह अपनी रफ्तार में क्या इस कालखंड को निगल जाएगी? दादा भाई ने जब यह दृश्य अपने मोबाइल फोन की स्क्रीन पर देखा तो उसने फोन बंद कर अपनी आंखें भी बंद कर लीं, घृणा और गुस्से से उनका मन खौलने लगा था। वह दो पल खामोश रहे, फिर गुस्से से चीखे- हम मानते हैं कि हम समाज के काले लोग हैं, जो संसार में काले कारनामे करते हैं, पर यह कौन सी नस्ल है? जो गोरे हो कर काले कारनामे कर रही है। हम किडनैपिंग और वसूली करते हैं, पर समाज में अश्लीलता नहीं फैलाते। खुद नंगा होकर समाज को बीच चौराहे पर नंगा नहीं करते। खुद नंगा होकर अपने लिए कार, गाड़ी, बंगला नहीं खरीदते, यह क्या हो रहा है? कॉमेडी के नाम पर यह नस्ल क्या मंच पर वो करने लगेगी, जो लोग अपने बेडरूम में करते हैं। क्या हम विकास और आधुनिकता के नाम पर मानव से पशु होते जा रहे हैं? इस रणभटियारे का कोर्ट-मार्शल करना होगा। इस डिसिजन पर पहुंचते ही दादा भाई फोन निकाल कर नंबर डायल करते हैं, हैलो विवेक... जी दादा, दूसरी तरफ से विवेक की आवाज आती है। विवेक रणभटियारे को उठा लो। जी दादा उठा लेता हूं। इतना सुन कर दादा भाई फोन कट कर देते हैं। रणभटियारे का अपहरण हो जाता है। उसे फार्म हाऊस के ऊपरी मंजिल पर लाया जाता है। वहां छह-सात कुर्सियां, एक कंप्यूटर और उसके सामने नेहा बैठी है। कंप्यूटर पर डोनल्ड डक कार्टून देख रही है। विवेक और दादा भाई चुपचाप बैठ कर मोबाइल फोन पर महाभारत देख रहे थे, जिसमें द्रौपदी का चीरहरण हो रहा था। पाब्लो एक ट्राईपॉड, जो पीछे रखा हुआ है, उस पर कैमरा का फोकस फिक्स कर रहा है। कैमरे का फोकस रणभटियारे पर था, जो सिर झुकाए बैठा था। इसके साथ कैमरे के फ्रेम में दादा भाई, विवेक, नेहा सभी आ रहे थे। पाब्लो कैमरा ऑन करके बोलता है -दादा भाई, कैमरा ऑन हो गया है। आप रणभटियारे का कोर्ट मार्शल शुरू कर सकते हैं। सभी का ध्यान पाब्लो की बात पर गया, सभी अलर्ट हो गए। मोबाइल कंप्यूटर से डिटैच होकर सभी रणभटियारे की तरफ देखने लगे, जो सिर झुकाए बैठा था। उसके मुंह पर टेप लगा हुआ था, दोनों हाथ सेलो टेप से एक-दूसरे के साथ बंधे हुए थे, पैर भी एक-दूसरे के साथ टेप लगा कर बांध दिया गया था, कुल मिलाकर रणभटियारे भीतर से धधक रहा था, पर बाहर से शांत रहने का झूठा प्रयास कर रहा था। दादा भाई अपनी जगह से उठे और बोले आज तक लोगों ने द्रौपदी का चीरहरण सुना और देखा होगा। आज पहली बार दुशासन का चीरहरण इस कोर्ट-मार्शल में होगा। नेहा इसके ऊपर क्या आरोप है? नेहा अपने कंप्यूटर पर काम करते हुए बोली- रणभटियारे पर आरोप यह है कि यह भारत देश का निवासी होते हुए भारत की जो हजारों साल प्राचीन सभ्यता है, जहां मातृ देव भव, पितृ देव भव, गुरु देव भव की दृष्टि को कलंकित किया है।

BRIEF NEWS

आरपीएफ ने रांची स्टेशन से जब्त की शराब

RANCHI : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ऑपरेशन सतर्क के तहत रांची स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या एक से शराब जब्त की है। निरीक्षक शिशुपाल कुमार ने शनिवार को बताया कि रांची रेल मण्डल के सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर आरपीएफ शराब तस्करों के खिलाफ ऑपरेशन सतर्क के तहत लगातार अभियान चला रहा। इसी क्रम में निरीक्षक शिशुपाल कुमार के नेतृत्व मे रांची स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या एक पर तलाशी के दौरान एक सफेद रंग का थैला संदिग्ध स्थिति में पाया गया, जिसकी आसपास कोई मालिक नहीं था। काफी प्रयासों के बावजूद जब कोई भी व्यक्ति सामने नहीं आया तो मौके पर उपस्थित गवाहों के समक्ष थैले की जांच की गई। इस दौरान शराब की 20 बोतलें बरामद की गईं। बरामद शराब की अनुमानित मूल्य छह हजार 800 रुपए आंकी गई है।

शहीद परिवार से मिले सुदेश, कहा- घटना से पूरा झारखंड दुखी

RANCHI : शहीद मनीष रंजन के अंतिम संस्कार के दूसरे दिन शनिवार को आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो पश्चिम बंगाल के झालदा पहुंचकर शहीद के परिवार से भेंट कर संवेदना प्रकट की। मौके पर सुदेश ने शहीद मनीष रंजन के परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि यह सिर्फ एक परिवार का नहीं, पूरा झारखंड दुखी है। शहीद मनीष रंजन की शहादत को कभी भुलाया नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि आजसू पार्टी आपके साथ परिवार की तरह मजबूती से खड़ा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकार से मिलकर शहीद के परिवार को हर संभव सहायता सुनिश्चित की जाएगी और मनीष रंजन की शहादत को सम्मान और न्याय दिलाने के लिए हर कदम उठाया जाएगा।

झारखंड हाईकोर्ट में गैंगरेप मामले की हुई सुनवाई, फैसला सुरक्षित

RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की छात्रा के साथ गैंगरेप मामले में सजायाफ्ता राजन उरांव की क्रिमिनल अपील की सुनवाई हुई। राजन उरांव ने घटना के समय खुद को नाबालिग बताते हुए जुवेनाइल जस्टिस एक्ट के तहत लाभ देने का आग्रह कोर्ट से किया। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया। कोर्ट में राजन उरांव की ओर से कहा गया कि घटना के समय उसकी उम्र 18 वर्ष से कम थी, इसलिए उसे जुवेनाइल जस्टिस प्रोटेक्शन एक्ट के तहत लाभ दिया जाना चाहिए। वहीं, सरकार की ओर से अधिवक्ता भोलानाथ ओझा ने इसका विरोध करते हुए कहा कि जुवेनाइल के संबंध में 6 साल बाद यह दावा करना सही नहीं है। नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की छात्रा के साथ 26 नवंबर 2019 को गैंगरेप किया गया था। इस मामले में 12 लोगों को आरोपी बनाया गया था, जिसमें एक किशोर भी शामिल था।

40 केंद्रों के लिए निगम की ओर से मांगा गया है एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट

किराए के भवनों में अर्बन आयुष्मान आरोग्य मंदिर चलाएगा नगर निगम

VIVEK SHARMA RANCHI : रांची नगर निगम शहरवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अर्बन आयुष्मान आरोग्य मंदिर के लिए किराए पर भवन ढूंढ रहा है। इसके लिए निगम ने 40 नए हेल्थ सेंटर खोलने की योजना बनाई है। इसके लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट आमंत्रित किया है। प्रत्येक सेंटर के लिए न्यूनतम एक हजार वर्गफुट के क्षेत्र की जरूरत बताई गई है। फिलहाल रांची नगर निगम क्षेत्र में 25 अर्बन हेल्थ सेंटर संचालित हो रहे हैं। अब इसका नाम बदलकर अर्बन आयुष्मान आरोग्य मंदिर कर दिया गया है। इनमें से 16 वार्डों में यह सेंटर पार्षदों के कार्यालय में ही चलाए जा रहे हैं। हालांकि, भवनों की कमी और जगह की अनुपलब्धता के कारण कई वार्डों में अभी तक स्वास्थ्य सेवाएं नहीं शुरू हो सकी हैं। इसे देखते हुए निगम अब निजी भवनों को किराए पर लेकर हेल्थ सेंटर शुरू करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

» 16 वार्डों में पार्षदों के ऑफिस में चलाया जा रहा हेल्थ सेंटर
» प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र के लिए 1000 स्क्वायर फीट एरिया की है जरूरत
» 20 रुपये स्क्वायर फीट के हिसाब से तय किया गया है किराया

रांची नगर निगम एरिया में अभी 25 सेंटरों का किया जा रहा संचालन

मासिक किराया 20 हजार रुपये

नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि अर्बन हेल्थ सेंटर के लिए भवन का किराया 20 रुपये प्रति वर्गफुट तय किया गया है। इसके अनुसार एक सेंटर के लिए हर महीने औसतन 20 हजार रुपये तक का किराया निगम वहन करेगा। भवन के मालिकों को इसके लिए आवेदन देने के लिए कहा गया है, जो नगर निगम कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। इसके तहत बिजली बिल और पार्किंग के लिए जगह भी भवन मालिक उपलब्ध कराएंगे।

मरीजों के बैठने की पर्याप्त जगह

निगम की ओर से जारी मानकों के अनुसार, भवन ग्राउंड फ्लोर पर होना चाहिए और वहां मरीजों के बैठने की पर्याप्त जगह होनी चाहिए। साथ ही, पानी की उपलब्धता, टॉयलेट, बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं भी अनिवार्य रूप से उपलब्ध होनी चाहिए।

कई तरह की मिल रहीं सुविधाएं

शहर में अर्बन आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से प्राथमिक चिकित्सा, मातृत्व सेवाएं, टीकाकरण, दवा वितरण, स्वास्थ्य जांच आदि सेवाएं दी जाती हैं। हर हेल्थ सेंटर पर एक डॉक्टर, नर्स और मल्टी पर्पस वर्कर तैनात हैं। इन सेंटरों से स्थानीय लोगों को नजदीक में ही स्वास्थ्य सुविधा मिलने लगी है, जिससे अस्पतालों पर भी भीड़ कम हुई है।

कांग्रेस-झामुमो ने झारखंड को बारूद के ढेर पर बैठा दिया : बाबूलाल मरांडी

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि विदेशी घुसपैठ की समस्या झारखंड में विकराल रूप लेती जा रही। बांग्लादेशी घुसपैठिए संथाल परगना से बाहर अब कोल्हान में भी तेजी से बसते जा रहे हैं। पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया स्थित गांव में जहां कोई भी मुस्लिम परिवार नहीं रहता, वहां 3 हजार मुस्लिम बच्चों का आधार कार्ड बन जाना झारखंड की आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है।

नहीं हो रही घुसपैठ की जांच : उन्होंने कहा कि मस्जिद मदरसों में घुसपैठिए को शरण देकर उनका अवैध दस्तावेज तैयार किए जाने की सूचना कई बार सामने आ चुकी है। इसके बावजूद हेमंत सरकार बांग्लादेशी घुसपैठ की जांच रुकवाने सुप्रीम कोर्ट तक चली जाती है। वोट बैंक और सत्ता के लालच में झामुमो कांग्रेस ने झारखंड को बारूद के ढेर पर बैठा दिया है। बाबूलाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी झारखंड की संस्कृति और परंपराओं की रक्षा के लिए घुसपैठ के खिलाफ अपनी निर्णायक लड़ाई जारी रखेगी, ताकि मालदा, मुर्शिदाबाद जैसे हालातों से झारखंड को बचाया जा सके।

राज्य के पावर प्लांट को बंद करने की हो रही है कोशिश

RANCHI : नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि वर्तमान समय में उद्योग, व्यापार और कारखाने पूरी तरह से बिजली पर निर्भर हैं, लेकिन झारखंड में सरकार की विफल नीतियों और राजनीतिक स्वार्थों के कारण उपभोक्ताओं को आवश्यक बिजली आपूर्ति नहीं मिल पा रही है। राज्य में जो बिजली उत्पादन संयन्त्र स्थापित हैं, उसे भी झामुमो-कांग्रेस बंद कराने की कोशिश कर रहा है। मुख्यमंत्री निवेश के नाम पर विदेश यात्राएं कर रहे हैं, जबकि प्रदेश की बिजली व्यवस्था इतनी चरमरा गई है कि विदेशी निवेशकों का आना तो दूर की बात है, यहां काम कर रहे स्थानीय उद्यमी भी जल्द पलायन करने को विवश हो सकते हैं।

एनयूएसआरएल के 16वें स्थापना दिवस पर मुख्य अतिथि सीजे एमएस रामचंद्र राव बोले-

सामाजिक जिम्मेदारी व कानूनी सेवा के क्षेत्र में खास योगदान दे रहा संस्थान

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ (एनयूएसआरएल) रांची ने अपना 16वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सह कुलाधिपति न्यायमूर्ति एमएस रामचंद्र राव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति एमएस रामचंद्र राव ने विश्वविद्यालय की प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि एनयूएसआरएल सामाजिक जिम्मेदारी और कानूनी सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। उन्होंने कानूनी शोध और विशेषज्ञता की बढ़ती आवश्यकता पर भी बल दिया।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अशोक आर पाटिल ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों, वर्तमान चुनौतियों और भावी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की एनआईआरएफ रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और यह शीर्ष 10 राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों की दिशा में अग्रसर है। इस मौके पर 200 मेगावाट के नए सोलर पावर प्लांट और एक पावर हाउस का उद्घाटन किया गया। इससे कुल क्षमता 300 मेगावाट तक पहुंच गई है। समारोह में एनयूएसआरएल और सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड के बीच शैक्षणिक सहयोग को लेकर एक एमओयू पर भी हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम में 35 छात्रों और 13 टीमों को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

भाजपा देश को किस दिशा में ले जाना चाहती है स्पष्ट करे : विनोद पांडेय

RANCHI : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता विनोद कुमार पांडेय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला है। भाजपा के आरोपों का पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा को स्पष्ट करना चाहिए कि वह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को किस दिशा में ले जाना चाहती है। पांडेय ने जोर देकर कहा कि भारतीय संविधान की मूल भावना लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता है। पांडेय ने भाजपा पर धार्मिक उन्माद फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि देश की जनता अब समझने लगी है कि भाजपा किस प्रकार चुनावी लाभ के लिए समाज में विभाजन करने की कोशिश कर रही है।

संविधान बचाओ रैली के लिए कांग्रेस ने की मीटिंग, सौंपी गई जिम्मेदारी

PHOTON NEWS RANCHI : आगामी 3 मई को झारखंड की राजधानी रांची में आयोजित होने वाली संविधान बचाओ रैली को लेकर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अहम बैठक प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में हुई। बैठक में कांग्रेस कोटे के बोर्ड-निगम के अध्यक्ष, सदस्य और प्रदेश मीडिया विभाग से जुड़े पदाधिकारी शामिल हुए। रैली की तैयारियों की समीक्षा करते हुए केशव महतो कमलेश ने सभी सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपीं और प्रचार-प्रसार को प्रभावशाली बनाने के निर्देश दिए। बैठक में रविंद्र सिंह, संजय लाल पासवान, राजीव रंजन प्रसाद, कुमार गौरव, राकेश सिन्हा, सोनाल शांति, डॉ. एम तौसीफ, अभिलाष साहू और अन्य प्रमुख नेता मौजूद थे।

केंद्र सरकार का विरोध : केशव महतो ने बताया कि केंद्र सरकार की संवैधानिक संस्थाओं में दखलअंदाजी, ईडी-सीबीआई के दुरुपयोग, नेशनल हेराल्ड मामले में गांधी परिवार को फंसाने और न्यायपालिका को प्रभावित करने की कोशिशों के विरोध में यह रैली आयोजित की जा रही है। वहीं प्रदेश प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि यह रैली पूरे देश में कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे संविधान बचाओ अभियान का हिस्सा है।

सिरमटोली स्थित सरना स्थल के पास रैम्प निर्माण का तेज हुआ विरोध

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में सिरमटोली स्थित सरना स्थल के सामने बन रहे रैम्प को लेकर आदिवासी संगठनों का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। आदिवासी समाज ने राज्य सरकार पर आस्था और अधिकारों का दमन करने का आरोप लगाते हुए आंदोलन को और तेज करने का एलान किया है। शनिवार को नगड़ा टोली सरना भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में संगठनों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ सख्त तेवर दिखाए और रविवार को अल्बर्ट एक्का चौक पर उनका पुतला दहन करने की घोषणा की। पूर्व शिक्षा मंत्री गीताश्री उरांव ने कहा कि रैम्प निर्माण कार्य दोबारा शुरू होने से समाज में गहरी नाराजगी है। उन्होंने बताया कि सिरमटोली फ्लाईओवर रैम्प स्थल पर विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। मौके पर कुंदरसी मुंडा, प्रेम शाही मुंडा, निरंजना हेरेंज, रवि मुंडा, आकाश तिर्की, अशोक बड़ाईक, राहुल तिर्की, संगीता कच्छप सहित दर्जनों आदिवासी नेता उपस्थित थे।

सरकार को दी चेतावनी : प्रेम शाही मुंडा ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आदिवासी समाज की आस्था के साथ खिलवाड़ बंद नहीं हुआ तो सरकार को सत्ता से हाथ धोना पड़ेगा।

लोक अदालत में 190 मामलों का निष्पादन

RANCHI : जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से शनिवार को व्यवहार न्यायालय परिसर में मासिक लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में कुल 190 मामलों का निष्पादन किया गया और 23 लाख 99 हजार 41 रुपए का सेटलमेंट किया गया। लो?क अदालत के लिए कुल आठ बेंचों का गठन किया गया था। उल्लेखनीय है कि मासिक लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए पूर्व से ही वादकारियों को नोटिस भेजा जा रहा था। ताकि, अधिक से अधिक लंबित वादों का निस्तारण हो सके। यह जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव ने शनिवार को दी।

झारखंड में रह रहे 10 पाकिस्तानी नागरिकों को फिलहाल नहीं भेजा जाएगा वापस

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में पाकिस्तान के 10 नागरिक निवास कर रहे हैं, जिनमें तीन नाबालिग हैं। ये नागरिक झारखंड की राजधानी रांची, धनबाद, जमशेदपुर और हजारीबाग में मौजूद हैं।

सूत्रों के अनुसार 10 में से सात पाकिस्तानी नागरिकों को लॉन्ग टर्म वीजा प्राप्त है जबकि तीन पाकिस्तानी नागरिक नाबालिग हैं। तीनों फिलहाल वीजा पर अपने ननिहाल में रह रहे हैं।

विदेशी नागरिकों का मामला देखने वाले एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने नाम नहीं छापने की

शर्त पर बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यह निर्देश दिया है कि लॉन्ग टर्म वीजा वाले पाकिस्तानी नागरिकों को वापस पाकिस्तान फिलहाल नहीं भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि जो सात पाकिस्तानी नागरिक लॉन्ग टर्म वीजा पर यहां रह रहे हैं। वे फिलहाल पाकिस्तान वापस नहीं जाएंगे। वहीं 10 में से तीन पाकिस्तानी नागरिक दो से लेकर 10 साल के बच्चे हैं। तीनों हाल में ही पाकिस्तान के कराची से रांची आए हैं। क्योंकि तीनों नाबालिग हैं और जिस तरह से भारत और पाकिस्तान के बीच तनातनी चल रही है। ऐसे में भारत में रह रही तीनों बच्चों की मां को फिलहाल पाकिस्तान जाने का वीजा नहीं मिलेगा। वहीं उनके पिता को भी पाकिस्तान से भारत आने का वीजा नहीं मिल पाएगा। ऐसे में तीनों बच्चे अकेले पाकिस्तान कैसे जाएंगे, यह बड़ा सवाल है।

युवा भागीदार बनता है तो तेजी से आगे बढता है देश : सेठ

RANCHI : युवा की नई उड़ान के तहत आयोजित रोजगार मेला में शनिवार को रांची के सीसीएल स्थित सभागार में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने 171 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया। इन युवाओं को जिन क्षेत्रों में नियुक्ति पत्र दिया गया उसमें केंद्र सरकार के जीएसटी, सेंट्रल एक्साइज, बैंक, बीएसएफ, सीआरपीएफ, पोत, रेलवे, जल आयोग, सीएससी, पीसीआई शामिल है। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने सभी नवनियुक्त युवाओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सभी नवनियुक्त युवाओं पर अब देश की आर्थिक मजबूती की जिम्मेवारी है।

इनडोर में मरीजों को टॉयलेट जाने के लिए भी उपलब्ध नहीं था पानी

रिम्स में फेल हो गई पानी की सप्लाई, परेशान रहे मरीज व परिजन

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल में व्यवस्था दुरुस्त करने के दावे प्रबंधन कर रहा है। वहीं एक दिन पहले ही प्रभारी निदेशक डॉ. शशिबाला सिंह ने भी पानी की सप्लाई दुरुस्त करने का निर्देश दिया था। लेकिन, शनिवार को ही पूरे हॉस्पिटल में पानी की सप्लाई फेल हो गई। इससे इलाज करा रहे मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इतना ही नहीं आपरेशन थिएटर में भी इससे काम प्रभावित हुआ।

सुबह से ही वार्डों में पानी नहीं आ रहा था। इनडोर में मरीजों के टॉयलेट जाने के लिए भी पानी नहीं था। ऐसे में मरीजों के परिजन बाहर से पानी लेकर आए और दैनिक काम निपटाया। इसके बाद पीने के लिए लोगों को बोतलबंद पानी खरीदना पड़ा। वहीं जार का पानी भी लोगों ने खरीदकर अपने काम निपटाए। सबसे ज्यादा परेशानी गंभीर मरीजों को हुई।

अपनी बोरिंग भी नहीं आई काम

हॉस्पिटल कैंपस में जगह-जगह पर डीप बोरिंग कराए गए है, ताकि इमरजेंसी में पानी की समस्या न हो। लेकिन, इससे भी मरीजों की जरूरत का पानी नहीं मिल सका। ऐसे में लोगों ने आसपास के चापानलों से पानी लाकर मरीजों के लिए रखा। वहीं पीने के लिए खरीदकर पानी लाना पड़ा। इस वजह से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं चिलचिलाती गर्मी ने उनकी परेशानी और बढ़ा दी है। देर शाम तक वार्डों में एक बूंद भी पानी की सप्लाई नहीं थी।

वार्डों में पसरी रही गंदगी : पानी की सप्लाई नहीं होने से वार्डों में गंदगी का आलम देखने को मिला। टॉयलेट का इस्तेमाल भी लोग कर रहे थे। लेकिन पानी नहीं होने के कारण उसकी भी सफाई नहीं हो सकी। इस वजह से इनडोर में भी मरीजों को गंदगी का सामना करना पड़ा। वहीं दुर्गंध के कारण लोग परेशान रहे। श इस मामले में हॉस्पिटल के पीआरओ डॉ. राजीव रंजन ने कहा कि हॉस्पिटल में पानी की सप्लाई नहीं होने से परेशानी तो हुई है। लेकिन, सर्जरी को टाला नहीं गया है। जल्द ही व्यवस्था ठीक हो जाएगी।

ऑपरेशन थिएटर में भी प्रभावित हुआ काम, बोतल बंद पानी के सहारे हजारों मरीज

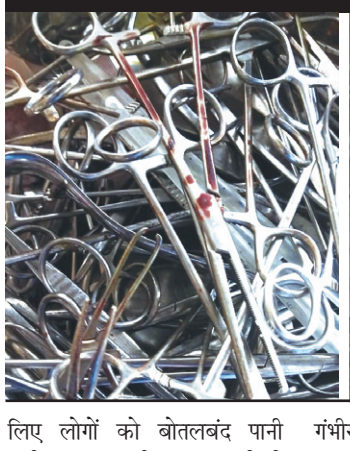

रेरा एक्ट का उद्देश्य है सभी हितधारकों की सुरक्षा करना : सीए रमेश

PHOTON NEWS RANCHI : दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, रांची शाखा में इंस्टिट्यूट की प्रोफेशनल डेवलपमेंट कमिटी के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय रियल एस्टेट मेगा कॉन्क्लेव में शनिवार को अंतिम दिन के प्रथम सत्र में रेरा और झारेरा विषय पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में मुंबई से पहुंचे विशेषज्ञ सीए सुरेश प्रभु ने बताया कि रेरा का पूरा नाम रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी है, जो रियल एस्टेट सेक्टर में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करता है और झारेरा झारखंड की रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी रेरा है। रेरा एक्ट के माध्यम से सरकार का उददेश्य सभी हितधारकों को सुरक्षित करना है। रेरा और

झारेरा के कारण उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा होती है और विवादों का समाधान आसान होता है। उन्होंने कहा कि रेरा के तहत चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के लिए प्रोजेक्ट की वित्तीय रिपोर्टिंग, ऑडिटिंग, फंड यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेशन और अनुपालन रिपोर्ट तैयार करने जैसा महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। उन्होंने बताया कि चार्टर्ड एकाउंटेंट्स बिल्डर्स और ग्राहकों दोनों को टैक्स सलाह, वित्तीय नियोजन और कानूनी दस्तावेजों में सहयोग प्रदान करते हैं।

BRIEF NEWS

रांची की रैली में पहुंचें हजारों कार्यकर्ता : राजेश कच्छप

JAMSHEDPUR : कांग्रेस विधायक दल के उप नेता राजेश कच्छप शनिवार को शहर पहुंचे। यहां उन्होंने बिष्टुपुर स्थित कांग्रेस के कार्यकताओं के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि 3 मई को रांची में रांची के पुराना विधानसभा मैदान में राज्य स्तरीय संविधान बचाओ रैली होगी। इसमें हजारों कार्यकर्ता शामिल हों। इस बैठक में जिला प्रभारी बलजीत सिंह बेदी व जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने भी प्रभारी मंत्री को आश्वस्त किया कि रांची रैली में पूर्वी सिंहभूम जिले से हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल होंगे।

संदिग्ध हालात में महिला जली, इलाज के दौरान हुई मौत

JAMSHEDPUR : सरायकेला -खरसावां जिले के सरायकेला थाना क्षेत्र के नोवाडीह निवासी महिला (आशा) की संदिग्ध हालात में जलने से मौत हो गई। घटना के बाद उसे गंभीर हालत में एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां शुक्रवार देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। ससुराल पक्ष का कहना है कि आशा किचन में खाना बना रही थी, तभी अचानक आग की चपेट में आ गई। वहीं मायके वालों का आरोप है कि यह मामला संदिग्ध है और पुलिस को इसकी जांच करनी चाहिए। शनिवार सुबह पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

फल विक्रेता को अज्ञात वाहन ने मारा धक्का, रिम्स रेफर

JAMSHEDPUR : सुंदरनगर में शनिवार की सुबह सड़क हादसे में फल विक्रेता जमाल अंसारी गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी, जिससे उसके सिर और सीने में गहरी चोट आई है। परिजन तुरंत उसे सदर अस्पताल ले गए, जहां से उसे एमजीएम अस्पताल रेफर कर दिया गया। एमजीएम में प्राथमिक इलाज के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने रिम्स, रांची रेफर कर दिया है। जमाल की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है।

सड़क हादसे में एक युवक की मौत

SARAIKELA : सरायकेला थाना क्षेत्र अंतर्गत दुगनी के आदर्श कॉलोनी के पास शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान नारायणपुर पंचायत के विजय गांव निवासी गुणाधर तिवारी (36) के रूप में की गई है। मिली जानकारी के अनुसार गुणाधर तिवारी शुक्रवार को दुगनी में रह रहे अपने चचेरे भाई की शादी की रिसेप्शन पार्टी में शामिल होने गए थे। रात करीब 12:30 बजे पार्टी से अपने गांव लौटते समय आदर्श कॉलोनी के समीप किसी अज्ञात वाहन के चपेट में आने से उनकी मौत हो गई।

इटखोरी के मां भद्रकाली मंदिर में पूजा-अर्चना कर वापस लमटा लौट रही थी फैमिली

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पेड़ से टकराई एक ही परिवार के 3 की मौत, 6 घायल

PHOTON NEWS CHATRA : चतरा जिले के इटखोरी मुख्य पथ स्थित गंधरिया बहेरा कोचा के पास अनियंत्रित स्कॉर्पियो पेड़ से जा टकरायी। इससे वाहन में सवार एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गयी, वहीं छह लोग घायल हो गए। सभी घायलों को सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद हजारीबाग रेफर कर दिया गया। सड़क हादसे की की सूचना सदर पुलिस को दी गयी। सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद शवों को गाड़ी से बाहर निकाला और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा।

पूजा कर लौटने के दौरान सड़क हादसा : इटखोरी के मां भद्रकाली मंदिर में पूजा-अर्चना कर वापस लमटा लौट रहे थे। इस दौरान दुर्घटना घटी। मृतकों में लावालौंग थाना क्षेत्र के लमटा निवासी अमरदीप प्रसाद की पुत्री प्रीति कुमारी (23 वर्ष), बहन पिंकी कुमारी (30 वर्ष) और मां विमला देवी (60 वर्ष) शामिल हैं। घायलों में अमरदीप के दामाद रश्मिकांत साहु, बेटी प्रिया देवी, प्रियंका कुमारी, बेटा राहुल प्रसाद, भतीजी माननी कुमारी, नतनी रिमझिम कुमारी शामिल हैं। घटना के बाद काफी संख्या में गंधरिया गांव के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को सदर अस्पताल भेजने में मदद की।

प्रीति की छह दिन पूर्व हुई थी शादी

कुमारी की शादी 20 अप्रैल को ओडिशा के रायबोला सुंदरगढ़ निवासी होमगार्ड जवान रश्मिकांत साहु के साथ हुई थी। शादी के बाद बहरोता में लमटा आये थे। गांव में अन्य रस्म पूरा होने के बाद पूजा-अर्चना करने के लिए मां भद्रकाली मंदिर आए थे। पूजा कर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान सड़क दुर्घटना हुई। सड़क हादसे ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया। घटनास्थल चीत्कार से गूंज उठा।

बेटे और दामाद की स्थिति नाजुक

अमरदीप प्रसाद के इकलौते पुत्र राहुल कुमार और दामाद रश्मिकांत साहु की स्थिति नाजुक बनी हुई है। सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद रांची रिम्स रेफर कर दिया गया है। अन्य घायलों को भी रिम्स रेफर किया गया है। इसस पहले घटना की सूचना पाकर सांसद कालीचरण सिंह चतरा सदर अस्पताल पहुंचे, जहां मृतक के परिजनों और घायलों से मुलाकात की। उन्होंने हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

खुशी का माहौल गम में बदला

अमरदीप प्रसाद के घर में शादी का माहौल गम में बदल गया। छह दिन पहले 20 अप्रैल को अमरदीप की बेटी प्रीति कुमारी की शादी हुई थी। प्रीति अपने पति रश्मिकांत साहु के साथ बहरोता में घर आयी थी। घर में शादी का माहौल था। शनिवार की सुबह प्रीति अपने पति, बहन, भाई, दादी, फुआ समेत अन्य के साथ पूजा-अर्चना करने इटखोरी के मां भद्रकाली मंदिर गयी। वापस घर लौट रही थी। गाड़ी प्रीति के पति ही चला रहे थे। मां और पिता प्रीति के घर वापस आने का इंतजार कर रहे थे। दुर्घटना में प्रीति की मौत की खबर पहुंची। पूरे परिवार सदमे में डूब गया। घटना के बाद से अमरदीप प्रसाद सदमें में हैं। वह झामुमो के पूर्व जिला सचिव हैं।

इंस्टाग्राम पर रील डालने से कथित पति था नाराज

शक के चलते हुई थी हेल्थ इंचार्ज ज्योति की हत्या

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : मानगो के एमजीएम थाना क्षेत्र के रूहीडीह में आरोग्यम आयुष्मान मंदिर अस्पताल की हेल्थ इंचार्ज ज्योति की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। एसएसपी ऑफिस में शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग ने बताया कि ज्योति की हत्या उसके साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले विजय मोहन सिंह ने की थी। विजय मोहन सिंह को शक था कि ज्योति के कुछ और लोगों से भी संबंध हैं। ज्योति काफी देर तक फोन पर दूसरों से बात करती रहती थी। इसके अलावा ज्योति रील बनाकर इंस्टाग्राम पर भी डालती थी। विजय मोहन सिंह ऐसा करने से मना करता था। इसे लेकर दोनों के बीच कई बार झगड़ा भी हो चुका था। घटना वाले दिन गुस्से में आकर विजय मोहन सिंह ने ही गैंता से ज्योति के सिर पर वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था। ज्योति को टीएमएच ले जाया गया था। वहां विजय मोहन भी था और वह रो रहा था कि उसकी पत्नी पर किसी ने हमला कर दिया है। हालांकि उस दिन विजय मोहन सिंह पत्रकारों से बात करने से कतरा रहा था और अन्य गतिविधियों की वजह से वह पुलिस के शक के दायरे में आ गया था। बाद में ज्योति सिंह को रांची के मेडिका अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसने दम तोड़ दिया।

स्वास्थ्य केंद्र में ही हुआ था हमला

बताया जाता है कि 18 अप्रैल को रूहीडीह स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर की सीएचओ ज्योति कुमारी पर स्वास्थ्य केंद्र में ही हमला हुआ था। गंभीर रूप से घायल होने पर उसे साकची स्थित एमजीएम अस्पताल लाया गया, फिर टीएमएच और उसके बाद मेडिका, रांची भेजा गया।

भाजपा जिला कार्यालय का बाबूलाल ने किया शिलान्यास

PHOTON NEWS DUMKA : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जिला संगठन की ओर से शनिवार को डंगालपाड़ा में पार्टी के जिला कार्यालय के निर्माण को लेकर भूमि पूजन और शिलान्यास किया गया। पार्टी कार्यालय का शिलान्यास प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन किया। उन्होंने ईश्वर से संगठन की मजबूती और जनसेवा के संकल्प को सुदृढ़ करने का आशीर्वाद मांगा।

कार्यक्रम में संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष दीपक बंका सहित कई वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति रही। इनमें भाजपा के प्रथम प्रदेश अध्यक्ष अभयकांत प्रसाद, जरमुंडी विधायक देवेंद्र कुंवर, पूर्व सांसद सुनील सोरेन और जिलाध्यक्ष गौरवकांत सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल थे।

इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कार्यकताओं के बधाई देते हुए कहा कि यह कार्यालय केवल भवन नहीं, बल्कि भाजपा के विचार, संकल्प और कार्यकताओं की निष्ठा का जीवंत प्रतीक बनेगा। स्थायी कार्यालय संगठनात्मक गतिविधियों के संचालन को नई ऊर्जा देगा और भाजपा को जन-जन से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनेगा। कार्यक्रम के समापन पर जिलाध्यक्ष गौरवकांत ने सभी कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कार्यालय आने वाले समय में संगठन को और अधिक सशक्त करने का आधार बनेगा और भाजपा के कार्यकर्ता इसे सेवा, समर्पण और संगठन के मंदिर के रूप में प्रतिष्ठित करेंगे। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष निवास मंडल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पत्नी से विवाद के बाद व्यवसायी ने की खुदकुशी

PHOTON NEWS PALAMU : मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र अंतर्गत डालटनगंज रेलवे स्टेशन से सटे आबादगंज रेलवे क्रॉसिंग पर शनिवार को एक व्यक्ति ने ट्रेन से कटकर खुदकुशी कर ली।

उसकी पहचान आबादगंज के रहने वाले नवल कुमार सोनी(45) के रूप में हुई है। नवल की आबादगंज रेलवे क्रॉसिंग के पास में ही जेनरल स्टोर है। पारिवारिक कारणों से परेशान होकर खुदकुशी कर लेने की चर्चा है। सूचना मिलने पर रेल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पोस्टमार्टम के लिए एमआरएमसीएच में भेज दिया है। छानबीन की जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार नवल कुमार सोनी अचानक अपनी दुकान से बाहर निकले और दौड़ते हुए रेलवे क्रॉसिंग से गुजर रही मालगाड़ी के सामने कूद कर खुदकुशी कर ली। हालांकि उन्हें दौड़कर सुसाइड करने जाते देखकर बचाने का प्रयास किया गया, लेकिन दोनों रेलवे ट्रैक पर मालगाड़ी के गुजरने से स्थानीय लोगों को सफलता नहीं मिली। घटना की सूचना मिलते ही रेल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जरूरी प्रक्रिया पूरी कर शव को रेलवे ट्रैक से उठवाया। पहचान कराई और फिर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नवल कुमार सोनी के दो बच्चे हैं।

बताया जा रहा है कि नवल का उनकी पत्नी के साथ हमेशा विवाद रहता था। इस वजह से उसने खुदकुशी कर ली।

उल्लेखनीय है कि तीन दिन पहले बुधवार दोपहर आबादगंज रेलवे क्रॉसिंग पर हमीदगंज की 35 साल की शोभा देवी, पति संजीव कुमार पांडेय ने भी ट्रेन से कटकर खुदकुशी कर ली थी।

फर्नीचर दुकान में फायरिंग करने वाले दो आरोपी अरेस्ट, बारात में भी की थी हर्ष फायरिंग

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के न्यू बाराद्वारी में विनोद अग्रवाल की फर्नीचर दुकान पर फायरिंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार हुए हैं। यह फायरिंग 18 अप्रैल की रात में हुई थी। पुलिस ने इस मामले में सीतारामडेरा के बाराद्वारी साव लाइन में रहने वाले पिंटू साव और बिरसानगर जोन-9 के निवासी ओमप्रकाश गुप्ता को गिरफ्तार किया है। पिंटू साव मूल रूप से बिहार के औरंगाबाद का रहने वाला है, जबकि ओमप्रकाश गुप्ता पलामू के छतरपुर का रहने वाला है। सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि फायरिंग की घटना की पुलिस ने जांच शुरू की, तो पता चला कि जिस हथियार से फायरिंग की गई, वह पिंटू साव के पास है। इसके बाद पुलिस ने पिंटू साव को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने बताया कि यह अवैध हथियार उसे विपुल सिंह ने दिया था। यह अवैध हथियार पिंटू साव अपनी दोस्त की बारात में भी लेकर गया था, जहां विपुल सिंह ने हर्ष फायरिंग की थी। पिंटू साव ने पूछताछ में बताया कि उसने यह हथियार बिरसानगर जोन-9 के रहने वाले ओमप्रकाश गुप्ता की दुकान पर रखा है। पुलिस ने ओमप्रकाश गुप्ता को भी गिरफ्तार किया और उसकी दुकान से अवैध हथियार बरामद किया। पुलिस विपुल सिंह की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

ज्वेलरी शॉप से दिनदहाड़े लॉकेट से भरा डिब्बा ले भागे चोर, तलाश में जुटी पुलिस

सोनारी थाना क्षेत्र के डिस्पेंसरी रोड स्थित दुकान में दिया गया घटना को अंजाम

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : सोनारी थाना क्षेत्र के डिस्पेंसरी रोड स्थित सुमित ज्वेलर्स के शोरूम से सोने के लॉकेट से भरा डिब्बा चोरी कर लिया गया है। इस मामले में ज्वेलरी शॉप के मालिक सुमित कुमार जैन ने सोनारी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। शनिवार को पुलिस ने आभूषण दुकान का जायजा लिया। आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। दुकान में भी सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ है। उसे भी पुलिस देख रही है। डिब्बे में 125 ग्राम के चार लॉकेट थे।

पुलिस का कहना है कि जल्द ही चोर गिरफ्तार कर लिया जाएगा। सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने बताया कि पुलिस ने दुकान का सीसीटीवी कैमरा खंगाला है। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी नजर आया है। पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि आरोपी ग्राहक बनकर दुकान में आया था और कई हार दिखाने को कहा। इसी क्रम में वह लॉकेट से भरा डिब्बा लेकर फरार हो गया।

कुलपति से मिले शिक्षक, कहा- सात माह से नहीं मिला वेतन

PHOTON NEWS CHAIBASA : कोल्हान विश्वविद्यालय की कुलपति अंजिला गुप्ता से शनिवार को वोकेशनल शिक्षक मिले, जिसमें उनसे सात माह से वेतन नहीं मिलने की शिकायत की। इससे पहले शिक्षकों ने कुलपति के कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन भी किया।

शिक्षकों ने मीडिया को बताया कि वेतन नहीं मिलने से परिवार चलाना मुश्किल हो गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि शीघ्र वेतन भुगतान नहीं किया गया, तो परिवार के साथ कुलपति कार्यालय के समक्ष धरना पर बैठेंगे। हालांकि कुलपति ने शिक्षकों को आश्वस्त किया कि सिंडिकेट की बैठक शीघ्र होने वाली है, उसमें सारे मामले पर फैसला लिया जाएगा।

पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता ने विधायक संग लिया निर्माण कार्य का जायजा

मानगो फ्लाईओवर के डिजाइन में बदलाव, जाम से मिलेगी राहत

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : मानगो फ्लाईओवर को लेकर एक अहम फैसला लिया गया है। अब इसका डिजाइन बदला जाएगा, जिससे मानगो चौक से पायल सिनेमा तक जाने वाला हिस्सा एकतरफा नहीं, बल्कि दोतरफा यानी टू लेन बनाया जाएगा। इससे न सिर्फ लोगों को सुविधा मिलेगी, बल्कि ट्रैफिक जाम की समस्या से भी काफी हद तक निजात मिल सकेगी। यह निर्णय शुक्रवार की रात विधायक सरयू राय, फ्लाईओवर निर्माण कंपनी के मुख्य डिजाइनर संजय भार्गव और पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता दीपक सहाय के बीच बैठक में लिया गया। यह जानकारी विधायक सरयू राय ने दी है। बैठक के बाद शनिवार सुबह तीनों ने क्षेत्र का दौरा किया और मौके पर जाकर बदलावों का अवलोकन किया। विधायक सरयू राय ने बताया कि पहले फ्लाईओवर का यह हिस्सा केवल साकची की ओर से आने वाले वाहनों के लिए उतरने का रास्ता था। लेकिन, अब इसे दोनों तरफ से आवागमन योग्य बनाया जाएगा। इसके लिए वन विभाग की जमीन लेने का प्रस्ताव दिया गया है, ताकि सड़क चौड़ी की जा सके।

पहले से टू लेन है पायल सिनेमा वाला हिस्सा : पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों की मानें तो पायल सिनेमा की तरफ जाने वाला हिस्सा भी टू-लेन ही बनेगा। इसकी डिजाइन में यह बात पहले से ही है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि मानगो फ्लाईओवर फोर लेन और टू-लेन ही बनाया जा रहा है।

क्षेत्र का दौरा करते विधायक सरयू राय व अन्य ● फोटोन न्यूज

पायल सिनेमा के पास बनेगा गोलचक्कर

पायल सिनेमा के पास जहां फ्लाईओवर खत्म होगा, वहां एक गोलचक्कर बनाने की योजना है, जिससे वाहन आसानी से यू टर्न ले सकें। इसके दोनों ओर सर्विस रोड बनेगा और फ्लाईओवर के नीचे का हिस्सा वाहन पार्किंग के लिए उपयोग में लाया जाएगा। इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य व्यवसायियों और स्थानीय निवासियों की मांग को ध्यान में रखते हुए उन्हें राहत देना है। विधायक सरयू राय ने बताया कि अब फ्लाईओवर के पायलिंग का रुका हुआ काम फिर से शुरू हो जाएगा, जो पिछले दो दिनों से रुका हुआ था। इसके साथ ही एक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।

कोल्हान विवि में परीक्षा में गड़बड़ी को लेकर विरोध, री-चेकिंग की मांग

PHOTON NEWS WEST SINGHBHUM : पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) स्थित कोल्हान विश्वविद्यालय में परीक्षा परिणाम में कथित अनियमितताओं के खिलाफ शनिवार को विभिन्न छात्र संगठनों ने एकजुट होकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों ने निष्पक्ष रीचेकिंग की मांग करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी।

कोल्हान विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रक्रिया में हुई अनियमितताओं को लेकर टाटा कॉलेज छात्र संघ और कोल्हान यूनिवर्सिटी छात्र संघ समेत कई छात्र संगठनों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ मोर्चा निकाला।

छात्रों ने जोरदार नारेबाजी करते हुए परीक्षा त्रुटियों को शीघ्र सुधारने की मांग की। छात्रों ने इतिहास विभाग और अन्य विषयों के सेकंड सेमेस्टर के थ्योरी पेपर सीसी-7 और सीसी-9 में बड़े पैमाने पर छात्रों को असफल घोषित किए जाने पर कड़ा ऐतराज जताया। प्रदर्शनकारी छात्रों ने कहा कि मेहनती विद्यार्थियों को जानबूझकर बहुत कम अंक देकर फेल किया गया है, जो शिक्षा के साथ गंभीर खिलवाड़ है और इसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। छात्र संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि मामले पर जल्दज कार्रवाई नहीं की गई, तो वे अनिश्चितकालीन आंदोलन छेड़ेंगे और आंदोलन की तीव्रता चरणबद्ध तरीके से बढ़ाई जाएगी। साथ ही कहा कि शिक्षा के अधिकार पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

एक महीने से लापता हैं पत्नी और बच्चे, पति ने महिला पर लगाया बेचने का आरोप

KHUNTI : खूंटी सदर थाना क्षेत्र के महुआटोली निवासी तुरी मुंडा की दूसरी पत्नी मुगली मुंडाईन (23) और उनका एक वर्ष का बेटा 25 मार्च से लापता हैं। पत्नी और बच्चे के अचानक गायब हो जाने के बाद तुरी मुंडा ने स्वयं उनकी खोजबीन शुरू की। जब कोई सुराग नहीं मिला, तो उन्होंने 12 अप्रैल को खूंटी थाने में गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया। खोजबीन के दौरान तुरी को पता चला कि 25 मार्च को उनकी पत्नी और बच्चा आखिरी बार दतिया के बिमला निवास के समीप रहने वाली एक महिला के पास देखे गए थे। तुरी मुंडा का आरोप है कि उक्त महिला उनकी पत्नी को अक्सर बहकाती थी और कहती थी कि क्यों बूढ़े आदमी से शादी की, तुम्हारी शादी मैं कहीं और करवा दूंगी या अच्छा काम दिला दूंगी।

कोयल की तरह ही चातक देती है दूसरों के घोंसलों में अंडे

माथे पर किलंगी और काले सफ़ेद पंख चातक पक्षी की खासियत होते हैं। प्राचीन साहित्य में चातक का यह विवरण उसके पारिस्थितिकी व्यवहार से काफी मेल खाते हैं। यह मौसम इसका प्रजनन काल भी है। प्रजनन के इस समय में नर दिनभर तरह तरह की कोकिल ध्वनियों से लगातार मादा को आकर्षित करने की कोशिश करते हैं। इस मौसम की शुरुआत में ये पक्षी उत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों में प्रवास करते हैं।

हल्के नीले रंग के होते हैं अंडे

कोयल की तरह चातक पक्षी भी अन्य पक्षियों के घोंसलों में अपने अंडे देती है। जून से अगस्त तक चलने वाले प्रजनन काल की शुरुआत में मादाएं मेज़बान पक्षियों के घोंसलों की तलाश में रहती हैं। इन चातक के अंडे भी गैगई पक्षी के अंडों के समान हल्के, नीले रंग व छोटे आकार के होते है। गैगई, जिन्हें 7-10 के झुंड में घूमने के कारण लोक भाषा में सातभाई या बहन भी कहा जाता है, चातक के बहुत ही चहेते होते हैं। मादा चातक अक्सर अंडे देते वक्त मेजबान के अंडों को क्षतिग्रस्त कर देती हैं। पंखों के विकास होने तक गैगई अपने व चातक के चूजों में भेद नहीं कर पाती और सबका भरण-पोषण समान रूप से करती हैं।

भारत में होती हैं दो प्रजातियां

भारत में चातक की दो विशिष्ट उप प्रजातियां पाई जाती हैं। एक क्लैमेटर जैकोबिनस जैकोबिनस और दूसरी उत्तर भारत से आने वाली उप-प्रजाति क्लैमेटर जैकोबिनस पिका होती है। इनका मुख्य भोजन कीट-पतंगे होते हैं, लेकिन कभी कभी फलों को भी खूब चाव से खाते हैं।

प्यासा मर जाएगा पर इधर-उधर का पानी नहीं पीता चातक

धरती पर मौजूद हर जीव को जिंदा रहने के लिए दाना-पानी तो चाहिए ही. कीड़े-मकोड़ो की बात नहीं कर रहा. कम से कम इंसानों, पशु-पक्षियों वगैरह के लिए तो हवा के बाद दूसरी सबसे जरूरी चीज है पानी. खाने के बगैर तो इंसान कुछ दिन जिंदा रह सकता है लेकिन पानी के बगैर तो प्यार से ही मर जाएगा. पक्षियों के साथ भी ऐसा ही है. लेकिन आज हम एक ऐसे पक्षी के बारे में बात करने जा रहे हैं, जो प्यास के मारे मर जाएगा, लेकिन इधर-उधर का पानी पीना इसे मंजूर नहीं! आप सोच रहे होंगे, ये भला कैसा पागलपन है... लेकिन इस पक्षी की तो यही कहानी है. गर्मियों में अक्सर हम पशुओं के लिए छतों पर और आंगन में किसी बर्तन में पानी रख देते हैं. तमाम पक्षी आकर वे पानी पी लेंगे, लेकिन चातक पक्षी प्यासा होने के बावजूद ऐसा नहीं करेगा. चातक पक्षी केवल बारिश का ही पानी ही पिया करता है. यह चिड़िया किसी झील, तालाब, नदी वगैरह का पानी नहीं पीती है. भले ही वह प्यासा ही मर क्यों न जाए, लेकिन यह बारिश के अलावा कोई पानी नहीं पीती. चातक पक्षी, केवल बारिश के पानी से ही अपनी प्यास बुझाता है. ऐसा कहा जाता है कि यह पक्षी बहुत प्यासा है और इसे बिल्कुल साफ पानी के झील में भी छोड़ दिया जाए, तो भी यह पानी नहीं पिएगा. इस स्थिति में पानी पीने के लिए ये अपनी चोंच भी नहीं खोलेगा. बारिश के अलावा यह किसी भी दूसरे सोर्स से पानी नहीं पीता है. चातक कीटभक्षी पक्षी होता है. कीट-फतंगों के अलावा इसे फल खाते भी देखा गया है. चातक पक्षी की एक अलग बात ये भी है कि ये दूसरे पक्षियों के घोसले में अपने अंडे दिया करते हैं. ये पक्षी बुलबुल ओर बब्बलर जैसे पक्षियों के घोंसले में अपने अंडे देते हैं. चातक पक्षी मुख्य तौर पर एशिया और अफ्रीका महाद्वीप का पक्षी है. बात करें भारत की तो ये पक्षी उत्तराखंड में पाया जाता है. गढ़वाल में इसे चातक की बजाय चोली बुलाया जाता है. इसे मारवाड़ी/राजस्थानी में मघवा और पपिया भी कहा जाता है.

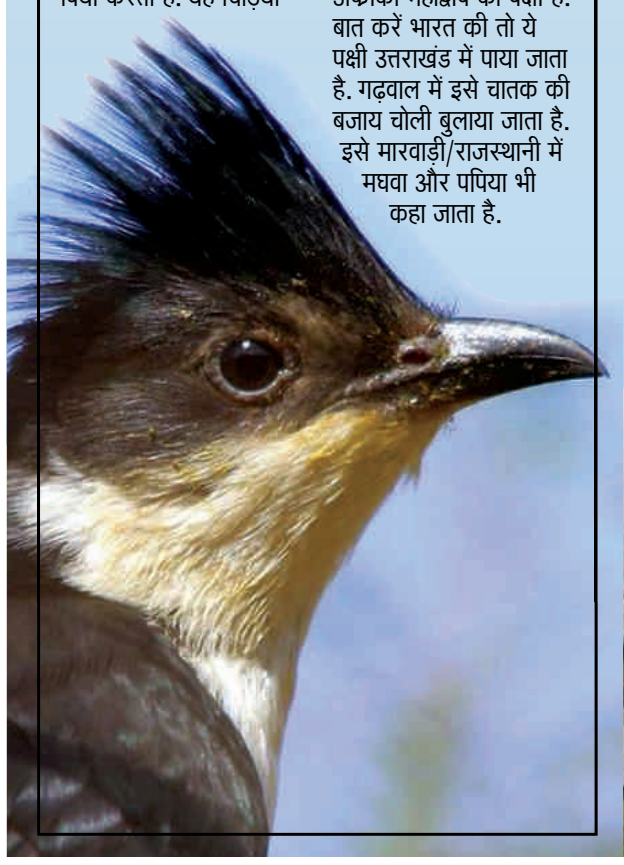

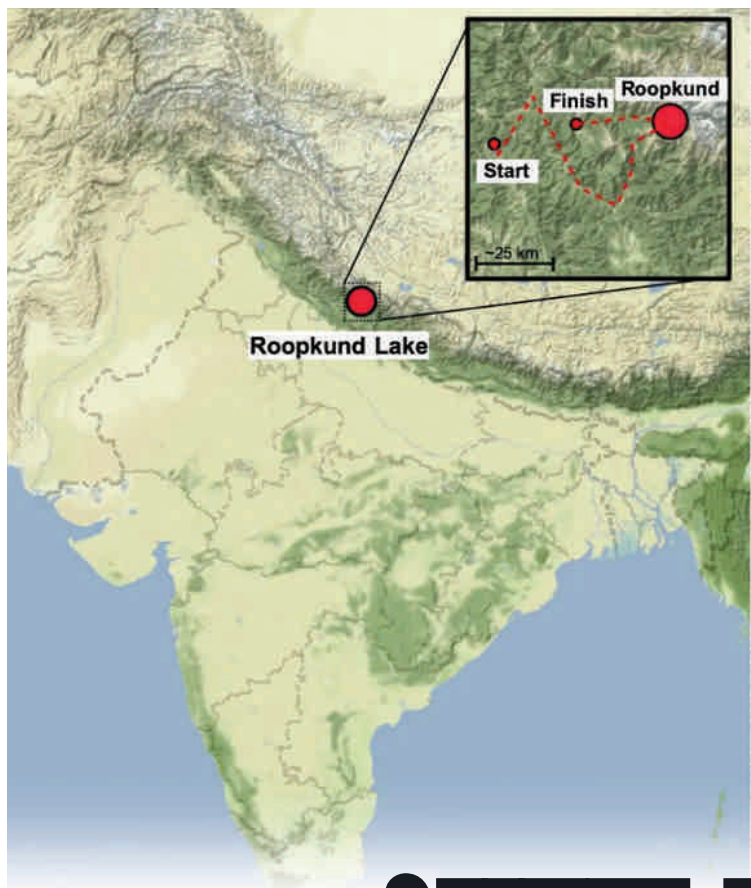

भारत की कंकालों वाली झील का रहस्य

भारत के हिस्से में आने वाले हिमालयी क्षेत्र में बर्फीली चोटियों के बीच स्थित रूपकुंड झील में एक अरसे से इंसानी हड्डियां बिखरी हैं. रूपकुंड झील समुद्रतल से क़रीब 16,500 फीट यानी 5,029 मीटर की ऊंचाई पर मौजूद है. ये झील हिमालय की तीन चोटियों, जिन्हें त्रिशूल जैसी दिखने के कारण त्रिशूल के नाम से जाना जाता है, के बीच स्थित है.त्रिशूल को भारत की सबसे ऊंची पर्वत चोटियों में गिना जाता है जो कि उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में स्थित हैं.

आधी सदी से अनसुलझी है पहेली

रूपकुंड झील को कंकालों की झील कहा जाता है. यहां इंसानी हड्डियां जहां-तहां बर्फ़ में दबी हुई हैं. साल 1942 में एक ब्रिटिश फॉरेस्ट रेंजर ने गश्त के दौरान इस झील की खोज की थी. तकरीबन आधी सदी से मानवविज्ञानी और वैज्ञानिक इन कंकालों का अध्ययन कर रहे हैं. वहीं, बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते हैं और ये झील उनकी जिज्ञासा का कारण बनी हुई है.

साल के ज़्यादातर वक़्त तक इस झील का पानी जमा रहता है, लेकिन मौसम के हिसाब से यह झील आकार में घटती - बढ़ती रहती है. जब झील पर जमी बर्फ़ पिघल जाती है तब ये इंसानी कंकाल दिखाई देने लगते हैं. कई बार तो इन हड्डियों के साथ पूरे इंसानी अंग भी होते हैं जैसे कि शरीर को अच्छी तरह से संरक्षित किया गया हो. अब तक यहां 600 से 800 लोगों के कंकाल पाए गए हैं. पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखंड की सरकार इसे रहस्यमयी झील के तौर पर बताती है.

कंकालों वाली झील

गुज़री आधी सदी से ज्यादा वर्षों से वैज्ञानिकों ने इस झील में पड़े कंकालों का अध्ययन किया है और कई अनसुलझी पहेलियों को सुलझाने की कोशिश की है. उनके सामने कई सवाल थे. मसलन, ये कंकाल किन लोगों के हैं? इन लोगों की मौत कैसे हुई? ये लोग कहां से यहां आए थे? इन मानव कंकालों को लेकर एक पुरानी कहानी यह बताई जाती है कि ये कंकाल एक भारतीय राजा, उनकी पत्नी और उनके सेवकों के हैं. 870 साल पहले ये सभी लोग एक बर्फ़ीले तूफ़ान का शिकार हो गए थे और यहीं दफ़न हो गए थे.

कंकालों को लेकर कई थ्योरी

एक अन्य थ्योरी के मुताबिक़, इनमें से कुछ कंकाल भारतीय सैनिकों के हैं जो कि 1841 में तिब्बत पर कब्ज़ा करने की कोशिश कर रहे थे और जिन्हें हराकर भगा दिया गया था. इनमें से 70 से ज़्यादा सैनिकों को हिमालय की पहाड़ियों से होते हुए वापस लौटना पड़ा और रास्ते में उनकी मौत हो गई. एक अन्य कहानी के अनुसार माना जाता है कि यह एक कब्रगाह हो सकती है जहां किसी महामारी के शिकार लोगों को दफ़नाया गया होगा. इस इलाक़े के गांवों में एक प्रचलित लोकगीत गाया जाता है. इसमें बताया जाता है कि कैसे यहां पूजी जाने वाली नंदा देवी ने एक 'लोहे जैसा सख़्त तूफ़ान' खड़ा किया जिसके कारण झील पार करने वालों की मौत हो गई और वे यहीं झील में समा गए.

महिलाओं के कंकाल भी मौजूद

कंकालों को लेकर किए गए शुरुआती अध्ययनों से पता चला है कि यहां मरने वाले अधिकतर लोगों की ऊंचाई सामान्य से अधिक थी. इनमें से ज़्यादातर मध्यम आयुवर्ग के थे जिनकी उम्र 35 से 40 साल के बीच रही होगी. इनमें उम्रदराज़ महिलाओं के भी कंकाल हैं लेकिन बच्चों का कोई भी कंकाल नहीं है. इन सभी का स्वास्थ्य अच्छा रहा होगा. साथ ही आमतौर पर ये माना जाता है कि ये कंकाल एक ही समूह के लोगों के हैं जो कि नौवीं सदी के दौरान किसी अचानक आई किसी आपदा के दौरान मारे गए थे. पांच साल तक चले एक हालिया अध्ययन में कहा गया है कि ये सभी कयास शायद सच नहीं हैं. इस अध्ययन में भारत समेत जर्मनी और अमेरिका के 16 संस्थानों के 28 सह-लेखक शामिल रहे हैं. वैज्ञानिकों ने जेनेटिक रूप से और कार्बन डेटिंग के आधार पर झील में मिले 38 इंसानी अवशेषों का अध्ययन किया. इनमें 15 महिलाओं के अवशेष शामिल हैं. इनमें से कुछ 1,200 साल पहले के हैं. अध्ययनकर्ताओं ने पाया है कि मरे हुए लोग जेनेटिक रूप से अलग-अलग हैं और उनकी मौतों के बीच में 1,000 साल तक का अंतर है. अध्ययन की मुख्य लेखिका ईडेओइन हार्ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पीएचडी की छात्र हैं. वे कहती हैं, इससे वे थ्योरी ख़ारिज हो गईं जिनमें कहा गया था कि किसी एक तूफ़ान या आपदा में ये सभी मौतें हुई हैं. वे कहती हैं, अभी भी यह साफ नहीं है कि रूपकुंड झील में आख़िर क्या हुआ था. लेकिन, हम यह बात ज़रूर कह सकते हैं कि ये सभी मौतें किसी एक घटना में नहीं हुई हैं. इससे भी ज़्यादा दिलचस्प यह है कि जेनेटिक स्टडी से पता चला है कि ये लोग अलग-अलग मूल के थे. मसलन, इसमें एक समूह के लोगों के जेनेटिक्स मौजूदा वक्त में दक्षिण एशिया में रहने वाले लोगों जैसे ही हैं, जबकि दूसरे समूह के लोगों के जेनेटिक्स मौजूदा वक्त के यूरोप के लोगों से मिलते-जुलते हैं. ख़ासतौर पर ये यूनान के द्वीप क्रीट में रहने वाले लोगों जैसे हैं. हार्न कहती हैं, जेनेटिक्स के आधार पर इनमें से कुछ इस उपमहाद्वीप के उत्तरी हिस्से के लोगों से मिलते-जुलते हैं, जबकि, अन्य दक्षिण हिस्से में बसे समूहों से मिलते-जुलते हैं.

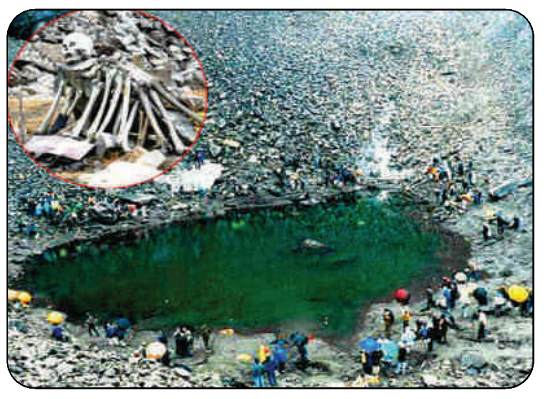

नर कंकालों से भरा है पानी, होती हैं कई रहस्यमयी घटनाएं

सोचिए आप पहाड़ों के बीच किसी सुंदर झील घूमने के लिए गए हैं और अचानक आपको वहां पर कई सारे नर कंकाल दिख जाएं तो क्या करेंगे आप? हिमालय की रूपकुंड झील की कहानी कुछ ऐसी ही है। साल 1942 में यहां पर ब्रिटिश के फॉरेस्ट गार्ड को सैकड़ों नर कंकाल मिले थे। इस दौरान झील पूरी तरह मानवों के कंकाल और हड्डियों से भरी थी। इतने सारे कंकालों और हड्डियों को देख ऐसा आभास होता था कि शायद पहले यहां पर जरूर कुछ न कुछ बहुत बुरा हुआ था। शुरुआत में इसे देख कई लोगों ने यह कयास लगाया कि हो न हो यह सभी नर कंकाल जापानी सैनिकों के होंगे, जो द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारत में ब्रिटेन पर आक्रमण करने के लिए हिमालय के रास्ते घुसते वक्त मर गए होंगे। उस वक्त जापानी आक्रमण के भय से ब्रिटिश सरकार ने फौरन इन नर कंकालों की जांच के लिए एक वैज्ञानिकों की टीम को बुलाया। जांच के बाद पता चला कि ये कंकाल जापानी सैनिकों के नहीं थे, बल्कि ये नर कंकाल तो और भी ज्यादा पुराने हैं। इसके बाद समय समय पर इन कंकालों का परीक्षण होता रहा। इन परीक्षणों के आधार पर वैज्ञानिकों के मत अलग-अलग सामने निकलकर आए। कई वैज्ञानिकों का कहना है कि वर्षों पहले यहां पर कई लोगों की मृत्यु हिमस्खलन के चलते हुई तो दूसरे वैज्ञानिकों का कहना है कि इन लोगों की मौत किसी महामारी के कारण हुई। रूपकुंड झील में नर कंकाल क्यों हैं? और कैसे हैं? इस पर वैज्ञानिकों का मत एकसमान नहीं है।

हालांकि 2004 में हुए एक अध्ययन ने रूपकुंड झील से जुड़े कई चौंकाने वाले खुलासे किए। इस अध्ययन के जरिए यह पता चला कि ये कंकाल 12वीं से 15वीं सदी के बीच के थे। डीएनए जांच के बाद कई नई चीजें सामने निकलकर आईं। यह भी पता चला कि इन कंकालों का संबंध अलग-अलग भौगोलिक जगहों से था। अंत में वैज्ञानिकों ने बताया कि काफी समय पहले इन लोगों की मृत्यु किसी भारी गेंद जैसे आकार की चीजों का सिर पे गिरने से हुई थी।

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि हिमालय पर्वत पर रहने वाली महिलाओं के एक प्रसिद्ध लोकगीत में एक माता का वर्णन आता है। लोकगीत के मुताबिक ये देवी माता बाहर से आए लोगों पर गुस्सा करती थीं, जो यहां आकर पहाड़ की सुंदरता में खलल डालते थे। इसी गुस्से में उन्होंने भारी भरकम ओलों की बारिश करवाई, जिसके कारण कई लोगों की जानें गई थी। गौरतलब बात है कि 2004 में हुए रिसर्च में यही बात सामने निकल कर आई थी कि अचानक हुई भयंकर ओलावृष्टि से इन लोगों की जानें गई होंगी। वहीं आज भी इस रूपकुंड झील के कई रहस्य झील के भीतर ही दफन हैं। झील में प्रवेश करने पर सख्त प्रतिबंध है। लोगों का कहना है कि यहां पर अक्सर कई सारी रहस्यमय घटनाएं होती हैं।

तो, ऐसे में क्या अलग-अलग समूहों के लोग कुछ सौ वर्षों के अंतराल पर छोटे जत्थों में इस झील के दौरे पर गए थे? क्या इनमें से कुछ किसी एक घटना में मारे गए? यह झील किसी ट्रेड रूट पर नहीं पड़ती है, यानी व्यापार के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रास्तों का हिस्सा नहीं थी. इस जगह पर न तो कई हथियार मिले और न ही व्यापार का कोई सामान ही मिला है. जेनेटिक अध्ययनों से इनमें से किसी में प्राचीन बैक्टीरियल जीवाणु का भी पता नहीं चला, जिससे यह माना जा सके कि किसी ख़ास बीमारी की वजह से ये लोग मारे गए थे.

क्या तीर्थयात्रा पर आए थे लोग?

झील के रास्ते में पड़ने वाले एक तीर्थस्थल से शायद इस बात का स्पष्टीकरण मिलता है कि लोग आख़िर इस इलाक़े की यात्रा पर क्यों आए होंगे. अध्ययनों की मानें तो 19वीं सदी के आख़िर तक इस इलाक़े में तीर्थयात्रा के कोई पुख्ता प्रमाण नहीं मिलते हैं. लेकिन, 8वीं और 10वीं सदी के स्थानीय मंदिरों में मिले शिलालेख इशारा करते हैं कि यहां उस दौर में लोग तीर्थयात्रा पर जाया करते थे. ऐसे में वैज्ञानिकों का मानना है कि इस जगह पर कुछ कंकाल उन लोगों के हो सकते हैं जिनकी मौत किसी तीर्थयात्रा के दौरान हुई होगी. लेकिन, पूर्वी भूमध्यसागरीय इलाक़े के लोग भारत के हिमालय की इन ऊंची पहाड़ियों पर मौजूद झील पर क्या करने गए थे? इस बात की उम्मीद कम जान पड़ती है कि यूरोप के लोग इतना लंबा सफ़र तय करके एक हिंदू तीर्थ यात्रा में हिस्सा लेने के लिए रूपकुंड पहुंचे होंगे. तो क्या ये हो सकता है कि पूर्वी भूमध्यसागरीय पूर्वजों की जेनेटिक रूप से अलग आबादी पीढ़ियों से इस इलाके में रह रही हो? हार्ने कहती हैं, हम अभी भी इन सब सवालों का जवाब ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं.

इस रहस्यमयी मंदिर में जाने के नाम से ही थरथर कांपने लगते हैं लोग

पूजा-पाठ और भूत प्रेत से छुटकारा पाने के लिए लोग मंदिर जाते हैं लेकिन हमारे देश में एक ऐसा मंदिर है जिसमें जाने से लोग कतराते हैं. कहा जाता है कि मंदिर के अंदर जाने पर भूतों और पिशाचों को डरने लगता है. लेकिन यह मंदिर ऐसा है जहां जाने से उल्टा लोग ही डर जाते हैं. दरअसल, हिमाचल प्रदेश के चंबा में एक छोटे से कस्बे भरमोर में एक मंदिर है. ये मंदिर देखने में तो काफी छोटा है, लेकिन इसकी ख्याति दूर-दूर तक फैली हुई है. इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि लोग इस मंदिर के अंदर जाने की गलती कभी नहीं करते हैं. और भक्त मंदिर के बाहर से ही प्रार्थना कर चले जाते हैं. दरअसल, यह मंदिर मृत्यु के देवता यमराज का है. यही वजह है कि लोग इस मंदिर के पास जाने से भी डरते हैं. यह दुनिया का एकमात्र ऐसा मंदिर है जो यमराज को समर्पित है. लोगों का कहना है कि इस मंदिर को यमराज के लिए ही बनाया गया था. इसलिए इसके अंदर उनके अलावा और कोई भी प्रवेश नहीं कर सकता है. गांव के लोगों का कहना है कि इस मंदिर में चित्रगुप्त के लिए भी एक कमरा बनाया गया है, जिसमें वो इंसानों के अच्छे-बुरे कामों का लेखा-जोखा एक किताब में रखते हैं. ऐसा माना जाता है कि, मनुष्यों की मृत्यु के बाद, पृथ्वी पर उनके द्वारा किए गये कार्यों के आधार पर उनके लिए स्वर्ग या नर्क का निर्णय लेने का अधिकार चित्रगुप्त के ही पास है. यानि भगवान चित्रगुप्त ही मृत्यु के बाद इंसान के स्वर्ग या नरक में जाने का निर्णय लेते हैं. कहा जाता है कि इस मंदिर के अंदर चार छिपे हुए दरवाजे हैं जो कि सोने, चांदी, तांबे और लोहे के बने हुए हैं. माना जाता है कि जो लोग ज्यादा पाप करते हैं, उनकी आत्मा लोहे के गेट से अंदर जाती है और जिसने पुण्य किया हो, उसकी आत्मा सोने के गेट के अंदर जाती है.

बढ़ता तापमान इंसानों के लिए खतरे की घंटी

मुकेश तिवारी

सिर्फ जलवायु सम्मेलन, संगोष्ठी व कार्यक्रमों से पर्यावरण संकट से निजात नहीं मिल सकती इसके लिए समाज के अंतिम व्यक्ति को भी अपनी जवाबदेही तय करना होगी, कर्तव्य निभाने होंगे। मानव और प्रकृति के मध्य ऐसे तालुकात है कि प्रकृति के बिना मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती।जल ,जंगल ,जमीन से मनुष्य को जीवन जीने की ताकत मिलती है।

पूरी दुनिया के वैश्विक तापमान में द्रुत गति से परिवर्तन हो रहा है। यहां तक कि ऋतु चक्र में भी बदलाव रहा है। पृथ्वी के औसत तापमान में भी वृद्धि हो रही है, यह सिर्फ मौसमी बदलाव नहीं है, बल्कि गंभीर पर्यावरणीय संकट के लक्षण है। गौरतलब है कि पहले जहां गरमी का प्रकोप सिर्फ मैदानी इलाकों तक सीमित रहता था। लेकिन अब यह शनै -शनै पहाड़ी इलाकों तक पहुंचने लगा है।लेकिन हम कथित विकास की मदहोशी से जाग नहीं पा रहे जबकि तल्ख सच्चाई यह है। कि पर्यावरण या जैव विविधता संरक्षण सीधे-सीधे हमारे अस्तित्व से जुड़ा मसला है। समूचे विश्व में 2 लाख किस्म के पौधे और 10 लाख 50 हजार प्रजातियों के प्राणी है। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन आफ नेचर की एक रिपोर्ट के मुताबिक विश्व में जीव जंतुओं की 47677 विशेष प्रजातियों में से एक तिहाई से अधिक यानी की 15890 प्रजातियों पर विलुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है। साल दर साल गर्मी कहर बरपाती जा रही है। इस साल भी अप्रैल के महीने में तापमान 44 डिग्री पर पहुंच चुका है। पृथ्वी का तेजी से बढ़ता तापमान सिर्फ मानव जाति के लिए ही खतरे की घंटी नहीं है बल्कि वन्य जीवों, पक्षियों और समूचे इकोसिस्टम पर भी गंभीर प्रभाव डाल रहा है। अमेरिका के कोलारेडो विश्वविद्यालय के शोधकताओं ने प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस में प्रकाशित शोध से सचेत किया है कि जलवायु संकट की वजह से पिघलती बर्फ के कारण समुद्र का जलस्तर इस सदी के अंत तक दुगने से भी ऊपर निकल जाएगा।

शोधकताओं ने समुद्र के बढ़ते जल स्तर के लिए दो महत्वपूर्ण कारण बताए हैं। पहला ग्रीन हाउस गैसों के बढ़ते उत्सर्जन की वजह से पृथ्वी पर हवा और पानी का तापमान बढ़ना , और दूसरा जमीनी बर्फ के तेजी से पिघलने से समुद्री जल स्तर में लगातार इजाफा होना।

वर्ल्ड वेदर एटिब्यूशन के मुताबिक जलवायु परिवर्तन की वजह से ही तापमान में वृद्धि,भारी बारिश और तेज तूफान जैसे ज्यादा और गंभीर मौसम का सामना करना पड़ा रहा है।

मैक्सिको की खाडी स्थित लुइसियाना का डेलाक्रोइस शहर

देश दुनिया में चर्चा का विषय बना चुका है उक्त शहर शने -शने समुद्र में समा रहा है।पिछले 100 साल में लुइसियाना की 1880 वर्ग मीटर भूमि समुद्र में डूब चुकी है। स्थिति कुछ ऐसी है कि 17 वर्ग मील भूमि हर साल डूब रही है। एक अध्ययन के मुताबिक पिछले 100 साल में समुद्र का पानी भरने की रफ्तार पिछली 27 सदियों से अधिक है।

वैज्ञानिकों की माने तो यदि समय रहते धरती का तापमान रोकने के प्रयास नहीं किए गए तो दुनिया भर में समुद्र का जलस्तर 50 से 130 सेंटीमीटर तक बढ़ सकता है। कुछ समय पहले कैंब्रिज विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने दावा किया था कि आने वाले एक दो वर्ष में अटलांटिक समुद्र की बर्फ पूरी तरह से पिघलाकर समाप्त हो जाएगी। विकास के नाम पर प्रकृति से बढ़ती छेड़छाड़ का खमियाजा मानव जाति से लेकर वन्यजीव, पक्षियों को अपने विनाश से चुकाना पड़ सकता है। खासकर घरों,फैकिटयों और गाड़ियों में तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों के इस्तेमाल से निकली कार्बन डाइऑक्साइड व पराबैंगनी विकिरण से हवा, पृथ्वी, पानी गर्म हो रहे है।

बीती आधी सदी में कोयला -पेट्रोलियम के धुंए ने वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड और दूसरी ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक हद तक पहुंचा दिया है। वैज्ञानिकों का दो-टूक शब्दों में कहना है कि सामान्य तौर पर सूर्य की किरणों से आने वाली ऊष्मा का एक हिस्सा वायुमंडल में जरूरी ऊर्जा देकर अतिरिक्त विकिरण के रूप में पृथ्वी की सतह से टकराकर अंतरिक्ष में लौट जाता है। लेकिन वर्तमान में ग्रीन हाउस गैस लौटने वाली अतिरिक्त उष्मा को भी सोख ले रही है। जिसकी वजह से पृथ्वी की सतह का तापमान तेजी से बढ़ता जा रहा है। वर्षा जल की अधिकता वाले जंगलों में वृक्षों की अंधाधुंध कटाई से पराबैंगनी विकिरण को सोखने और छोड़ने का संतुलन बिगबता जा रहा है। आंकड़ों के मुताबिक प्रति वर्ष तकरीबन 73 लाख हेक्टर जंगल नष्ट हो रहे हैं। ज्यादातार रासायनिक खादों और कीटनाशकों के उपयोग, वृक्षों के काटने से मिट्टी की दशा भी बिगड़ रही है।वहीं जंगली और समुद्री जीव का अंधाधुंध शिकार भी संतुलन को खराब करता है। तेजी से बढ़ रही जनसंख्या भी इसमें इजाफा कर रही है। 20वीं सदी में में दुनिया की जनसंख्या लगभग 1.7 अरब थी, लेकिन अब 6 गुना ज्यादा 7.5 अरब से ज्यादा है। पृथ्वी के क्षेत्र फल में किसी तरह का इजाफा होने से रहा, उपलब्ध संसाधनों के उपयोग के लिए दंगे फसाद बढगे।पर्यावरण पर इसका असर होना तय है।कुछेक साल पहले पेरिस समझौते के तहत विश्व में 190 देशों में वैश्विक तापमान वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने पर आम सहमति बनी थी। वजह साफ है कि आज जिस द्रुत गति से दुनिया चल रही है, उसे तापमान बढ़ोतरी 3 डिग्री होने का अंदेशा है।गौरतलाव बात है कि पेरिस जलवायु सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले तमाम देशों ने स्वेच्छा से इस दिशा में अपने लक्ष्य निर्धारित किए हैं।148 देश उत्सर्जन में कमी लाने के लिए रजामंद है।

सिर्फ जलवायु सम्मेलन, संगोष्ठी व कार्यक्रमों से पर्यावरण संकट से निजात नहीं मिल सकती इसके लिए समाज के अंतिम व्यक्ति को भी अपनी जवाबदेही तय करना होगी, कर्तव्य निभाने होंगे। मानव और प्रकृति के मध्य ऐसे तालुकात है कि प्रकृति के बिना मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती।जल ,जंगल ,जमीन से मनुष्य को जीवन जीने की ताकत मिलती है। हमारे पूर्वजों ने संस्कृति का ऐसा ताना-बाना बुना है जिसमें मनुष्य और प्रकृति में प्रत्येक स्तर पर संतुलन दिखाई देता है।प्रकृति जब खफा होती है, तो सब कुछ क्षण भर में नष्ट कर देती है।पर्यावरण को संतुलित करने से ही हम धरा को बचा सकते हैं। हमारा वर्तमान हमें यही संदेश दे रहा है कि यदि हमें अपना जीवन बचाना है, और भावी पीढ़ी को स्वस्थ धरा की विरासत सौपनी है तो पर्यावरण से मित्रता करनी होगी।

(लेखक के विषय में --मध्य प्रदेश शासन से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है)

संपादकीय

अब निर्णायक कदम उठे

अच्छी बात है कि संसद भवन में हुई सर्वदलीय बैठक में सभी राजनीतिक दलों ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सरकार के साथ सहयोग करने का संकल्प जताया है और सरकार के साथ एकजुटता प्रदर्शित की है। वास्तव में अब विपक्ष ही नहीं, बल्कि सरकार समर्थक हर व्यक्ति उस कदम की प्रतीक्षा करेगा जो आतंकवादियों के विरुद्ध सरकार उठाने वाली है और उस सबक की भी प्रतीक्षा करेगा जो सरकार आतंकवादियों के आका पाकिस्तान को सीखाने वाली है। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमला ऐसे समय हुआ जब जम्मू-कश्मीर में जनजीवन सामान्य हो चला था और पर्यटक भी बड़ी संख्या में पहुंचने लगे थे। एकाएक हमले ने देशवासियों को हिला ड़ाला है। सरकार ने अब तक चार अहम फैसले किए हैं-जब तक पाकिस्तान आतंकवादी हमले और आर्तकियों को समर्थन बंद नहीं करता, तब तक सिंधु नदी जल समझौता एकतरफा रूप से स्थगित रहेगा। अटारी-बाघा सीमा को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। दोनों देशों के उच्चायोगों के कर्मियों की संख्या 55 से घटा कर 30 कर दी गई है और सार्क वीजा के तहत भारत आए पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे में देश छोड़ने को कहा गया है। भारत के इस कदम की पाकिस्तान में प्रतिक्रिया हुई जो अपेक्षित थी। पाकिस्तान ने कहा कि भारत ने सिंधु जल समझौते के तहत उसे मिलने वाले पानी को रोका तो इसे युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और जवाब दिया जाएगा। उसने भारत के साथ सभी द्विपक्षीय व्यापार बंद करने, शिमला समझौते सहित सभी द्विपक्षीय समझौतों को निलंबित करने और हवाईक्षेत्रों को बंद करने की भी घोषणा की है। सार्क वीजा के तहत भारतीय नागरिकों को जारी सभी वीजा भी निर्लबित कर दिए हैं तथा पाकिस्तान में मौजूद भारतीय नागरिकों को 48 घंटे के भीतर देश से बाहर निकलने का निर्देश दिया है। जाहिर है कि इससे भारत की भी कठिनाइयां बढ़ेगी लेकिन इस समय सरकार को दृढ़ख्ता का परिचय देना होगा और आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कदम उठाना ही होगा। लेकिन दूसरी तरफ सरकार की यह जवाबदेही भी बनती है कि वह देश की जनता को बताए कि अगर पहलगाम की घटना सुरक्षा में चूक की वजह से हुई है तो यह चूक क्यों हुई और भविष्य में इस बात की क्या गारंटी होगी कि ऐसी चूक दोबारा नहीं होगी।

पाकिस्तान को कड़ा जवाब देने को कार्यवाही जारी है!

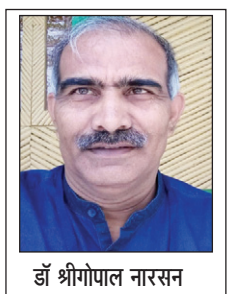

डॉ श्रीगोपाल नारसन

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुआ चरमपंथी हमला सन 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर में हाल ही में हुआ सबसे घातक हमला माना जा रहा है, जिसमें 28 भारतीय पर्यटक मारे गए है।मारे जाने वाले लोगों में कोई सैनिक या अधिकारी नहीं थे, बल्कि भारत की सबसे खूबसूरत घाटी में घूमने आए वे पर्यटक थे,जो यहां अपनी खुशी ढूंढने आए थे,लेकिन बदले में उन्हें मौत मिल गई।पूरे कश्मीर पर भारत और पाकिस्तान दोनों दावा करते हैं, जम्मू कश्मीर के अलग-अलग हिस्से पर दोनों का शासन भी है,लेकिन तनाव फिर भी कभी खत्म नही हुआ और धरती का स्वर्ग कहा जाने वाला कश्मीर हिंसा की धरती बनकर रह गया है।इस आतंकी हमले के बाद भारत ने कई जवाबी कदम उठाए हैं, जिनमें मुख्य रूप से बॉर्डर क्रासिंग अटारी को बंद करना, पाकिस्तान के साथ महत्वपूर्ण सिंधु जल संधि को निलंबित करना और पाकिस्तानी राजनयिकों को देश से निकालना शामिल है।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उक्त हमले पर कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है और वादा किया है कि सिर्फ.हमलावरों पर ही नहीं, बल्कि भारतीय धरती पर इस नापाक हरकत के पीछे के साजिश रचताओ पर भी कार्रवाई होगी।जिससे देश को उम्मीद बंधी है कि हमें जल्दी ही कड़ी कार्रवाई देखने को मिल सकती है, जो भारतीय जनता को राहत और पाकिस्तान के लोगों के लिए कड़ा संदेश होगी।

सितंबर 2016 में जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास हुए घातक हमले में 19 भारतीय सैनिकों की मौत हुई थी,

इसके बाद भारत ने नियंत्रण रेखा के पार सर्जिकल स्ट्राइक की थी और दावा किया था कि पाकिस्तान प्रशासित कश्मीर में मौजूद चरमपंथियों के ठिकाने को निशाना बनाया गया।लेकिन शायद दुश्मन का फन उस समय पूरी तरह से नही कुचला गया तभी तो

सन 2019 में ही पुलवामा में हमला हो गया, जिसमें अर्द्धसैनिक बलों के 40 जवानों की मौत हो गई थी। इसके बाद भारत ने बालाकोट में कथित चरमपंथी कैंपों पर हवाई हमले किए थे।जिसे सन 1971 के बाद पहली बार भारत ने पाकिस्तान के अंदर तक हमला किया था।पाकिस्तान ने जंगी विमानों से इसका जवाब दिया और लड़ाकू विमानों के बीच संघर्ष में एक भारतीय पायलट को बंदी बना लिया था।

इसमें दोनों तरफ से शक्ति प्रदर्शन किया गया, लेकिन पूर्ण युद्ध को टाल दिया गया।अब वर्तमान में भारत और पाकिस्तान के बीच पहलगाम हमले के बाद तनाव बढ़ गया है। इस बीच भारतीय वायुसेना ने युद्धाभ्यास किया है।पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सेना का एक्शन जारी है।हमले में आतंकी आसिफ शेख का नाम आया था,आतंकी आसिफ शेख का घर ब्लास्ट में उड़ा दिया गया।जम्मू कश्मीर के पहलगाम में फिलहाल सन्नाटा पसरा हुआ है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद बॉर्डर पर तनाव बढ़ने के बाद अब सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी जल्द ही श्रीनगर और उधमपुर के लिए रवाना होंगे। वे कश्मीर घाटी में तैनात वरिष्ठ सेना कमांडरों और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों से मुलाकात करेंगे।जनरल उपेंद्र द्विवेदी घाटी में चल रही सुरक्षा स्थिति और नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान सेना द्वारा युद्धविराम उल्लंघन की कोशिशों की समीक्षा भी करेंगे।पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा के पास कुछ जगहों पर गोलीबारी की है। भारतीय सेना ने इसका करारा जवाब भी दिया है। इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।जम्मू कश्मीर के बांदीपोरा में आतंकियों के होने की खबर के चलते अजास के बाजीपोरा के जंगलों में सर्च ऑपरेशन चल रहा है। सर्च ऑपरेशन के दौरान गोलीबारी की आवाज सुनाई दी है। इस क्षेत्र में 1-2 आतंकवादियों के मौजूद होने की सूचना थी, जिनके अब भारतीय सेना के चंगुल में फंसने की संभावना है।अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रम्प और सचिव रुबियो ने स्पष्ट किया है, संयुक्त राज्य अमेरिका भारत के साथ खड़ा है।अमेरिका आतंकवाद के सभी कृत्यों की कड़ी निंदा करता है। हम मारे गए लोगों के लिए और घायलों के ठीक होने की प्रार्थना करते हैं और इस जघन्य कृत्य के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान करते हैं।भारत ने पाकिस्तान को चिट्ठी लिखकर सिंधु जल संधि स्थगित करने की जानकारी दी है। इसमें भारत ने कहा, समय के साथ जनसंख्या बदली है।जनसंख्या में बदलाव के साथ संधि में बदलाव जरूरी है।किसी संधि के लिए अच्छे रिश्ते जरूरी हैं। पाकिस्तान सीमा पार से आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। पुलिस ने 13 आरआर और 3 बटालियन सीआरपीएफ के संयुक्त कर्रवाई करते हुए आर्तकियों के तीन सहयोगियों को पकड़ा है। वे भागने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन सुरक्षाबलों ने उन्हें हथियार व बारूद के साथ पकड़ लिया है।वही देश मे हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने सरकार से पूछा कि मदद प्रदान करने में इतना समय क्यों लगा? इस पर सरकार ने कहा कि 45 मिनट पैदल चलना पड़ता है, वहां पहुंचने में समय लगता है, कोई भी व्यवस्था नहीं थी।सर्वदलीय बैठक में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, सब कुछ सही है, फिर हम यहां क्यों बैठे हैं? जाहिर है कुछ गलत हुआ है. हम विपक्ष को सरकार की ओर से उठाए जा रहे कदमों के बारे में बताना चाहते हैं और आश्वासन देना चाहते हैं।विपक्षी दलों ने सुरक्षा चूक लेकर सवाल किया. सुरक्षा बल कहां थे? सीआरपीएफ कहां थी? जिस पर सरकार ने जवाब दिया कि स्थानीय अधिकारियों ने क्षेत्रों को खोलने से पहले सूचित नहीं किया, जबकि किया जाना चाहिए था, स्थानीय पुलिस को भी सूचित नहीं किया गया। यह आमतौर पर अमरनाथ यात्रा के दौरान जून में खुलता है, लेकिन स्थानीय टूर ऑपरेटरों ने इसे खोल दिया।सर्वदलीय बैठक के बाद राहुल गांधी ने कहा कि कश्मीर में शांति जरूरी है। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले पर सरकार के साथ खड़े होने की बात कही है।पाकिस्तान ने अपने फाइटर जेट को बलूचिस्तान से भारतीय सीमा पर तैनात किया तो भारतीय वायुसेना ने अपनी ताकत दिखाई. वायुसेना की सेंट्रल कमान (प्रयागराज हेडक्वार्टर) ने आक्रमण युद्धाभ्यास किया। युद्धाभ्यास में मिराज और सुखोई के अलावा राफेल फाइटर जेट ने हिस्सा लिया है।जो दुश्मन देश को कड़ा जवाब देने की कार्यवाही मानी जा रही है।

(लेखक ज्वलंत मुद्दों के टिप्पणीकार व वरिष्ठ साहित्यकार है)

चिंतन-मनन

संत की सीख

एक धनी सेठ ने एक संत के पास आकर उनसे प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूं पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता है। आप मुझे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने इसे अपना सौभाग्य समझा कि इतने बड़े संत उसके घर पधारेंगे।

उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के बर्तन में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। वह दुविधा में पड़ गया। उसने संकोच के साथ कहा, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो यह सब भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, वह भी इस कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। जिस तरह कमंडल में कूड़ा करकट भरा है उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं। सबसे पहले पात्रता विकसित करो तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे रहेंगे तो एकाग्रता कहां से आएगी। एकाग्रता भी तभी आती है जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह बेमतलब की बातों को मन-मस्तिष्क से निकाल बाहर करेगा।

मुद्दा: तापमान बढ़ रहा, जंगल कट रहे

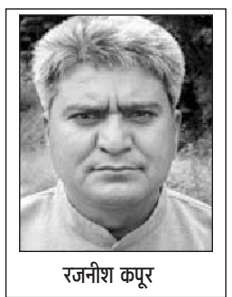

रजनीश कपूर

पृथ्वी की आधी से अधिक जमीन पर घना जंगल था, जिसे इंसान लगभग 10 हजार वर्षों से अपने लालच के लिए काट रहा है। इसका परिणाम है कि 1900 से अब तक अमेरिका के आकार के बराबर जंगल गायब हो गए हैं। इस बारे में यह भी कहा जाता है कि यह मात्रा उतनी है जितनी कि इससे पहले 9000 वर्षों में काटे गए जंगल हैं। न्यू ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच स्टडी के अनुसार 2023 में पृथ्वी पर हर सप्ताह सिंगापुर के क्षेत्रफल के बराबर जंगल गायब हो रहे थे और लगभग 37 लाख हेक्टेयर जमीन से जंगल काटे गए हैं। दुनिया भर में आग से भी जंगल जल रहे हैं, जबकि तापमान लगातार बढ़ रहा है, इसलिए लिए जंगल बचाना जरूरी है।

दुनिया भर में जलवायु और पर्यावरण के नाम पर होने वाले सम्मेलनों में ज्यादातर देशों ने 2030 तक वनों की कटाई रोकने के लिए शपथ भी ले रखी है, लेकिन कोई भी देश अपने यहां जंगल बचाने के प्रयासों के आसपास नहीं दिखाई देता। बढ़ते तापमान के दौर में घटते, सिकुड़ते जंगल भी मर सकते हैं। इन सब हालात के बाद भी हिमालय से लेकर मैदानी क्षेत्रों तक वनों का विकास के नाम पर बेहिसाब और अनियंत्रित दोहन हो रहा है। देश में वनों की कटाई के अनेक उदाहरण सामने आ रहे हैं। तेलंगाना में हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के निकट स्थित कांचा गाचीबोवली वन क्षेत्र में 400 एकड़ भूमि पर वृक्षों का अंधाधुंध कटान हो रहा है, जिसके खिलाफ 3 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट को दखल देना पड़ा। यहां जंगल की जमीन पर राज्य सरकार और केंद्रीय विश्वविद्यालय अपना-अपना दावा भी प्रस्तुत कर रहे हैं, जहां आईटी पार्क बनाने के लिए दर्जनों जेसीबी मशीनें 700 से अधिक पेड़-पौधों की प्रजातियों का सफाया कर रही है, जिसके खिलाफ विश्वविद्यालय के छात्र सड़क पर उतरे। वे यहां वन्य जीव संरक्षण कानून के अंतर्गत राष्ट्रीय पार्क घोषित करने की मांग कर रहे हैं। यद्यपि यहां पर सर्वोच्च अदालत के आदेश के कारण थोड़ी राहत मिली है और इस मामले की 15 मई को अगली सुनवाई सर्वोच्च अदालत होनी है। सुप्रीम अदालत ने पेड़ काटने की जल्दबाजी पर भी नाराजगी जताई है। दूसरी तरफ हिमालय की ओर देखें तो उत्तराखंड की राजधानी देहरादून से दिल्ली-ऋषिकेश-हरिद्वार और मसूरी के रास्ते पर 50 हजार से अधिक पेड़ काटे जा सकते हैं, जिसमें से 18 हजार पेड़ काटे जा चुके हैं। देहरादून से ऋषिकेश-भनिया वाला मार्ग पर केवल 15 मिनट के सफर को कम करने के लिए यहां 7 मोड़ पर सड़क चौड़ीकरण के लिए लगभग 4 हजार बहुमूल्य प्रजाति के साल, कंजू, रोहिणी, हल्दू आदि हरे पेड़ काटे जाने की योजना है, जबकि यह एलिफेंट कॉरिडोर के मध्य स्थित है, जिसे उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद शिवालिक एलिफेंट रिजर्व के नाम पर सुरक्षित किया गया था। यहां हरे पेड़ों के कटान का विरोध सिटिजन फॉर ग्रीन दून, महिला मंच, इंसानियत मंच, ज्ञान विज्ञान समिति के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में कर रहे हैं। स्थानीय निवासी रेनू पाल ने नैनीताल हाई कोर्ट में जनहित याचिका भी दायर की जिसके बाद हरे पेड़ों के कटान पर रोक लगा दी गई है। राज्य सरकार से वनों के कटान को रोकने के लिए हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जा रहा है। इससे पहले भी देहरादून के पास खलंगा में हजारों साल के पेड़ों के कटान को चिपको और रक्षा सूत्र आंदोलन की तर्ज पर रोका गया है। अभी आगे मसूरी राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी हजारों पेड़ों की बलि दिए जाने की संभावना है। इससे पहले भी मोहंड और सहस्त्रधारा रोड पर हजारों पेड़ काटे जा चुके हैं। कुमाऊं क्षेत्र के बागेश्वर में भी खनन के नाम पर जंगल काटे जा रहे हैं, जिसे फिलहाल नैनीताल उच्च न्यायालय ने रोका हुआ है। गंगोत्री के निकट भी देवदार के असंख्य पेड़ों पर खतरा मंडरा रहा है।

छत्तीसगढ़ में हसदेव जंगल को बचाने के लिए आदिवासियों की बुलंद आवाज के बावजूद हजारों पेड़ काटे जा रहे हैं। इसी तरह बक्सवाहा के जंगल भी माइनिंग के नाम पर उजाड़े गए हैं, लेकिन इस बात को

कब तक नजरअंदाज करते रहेंगे कि वैश्विक जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने के लिए वनों की अहम भूमिका है। ध्यान देना जरूरी है कि जहां जंगल है वहां पीने के पानी को प्रकृति फिल्टर करके भूजल के रूप में इकट्ठा करती है। लगभग 30 करोड़.लोग जंगलों में रहते हैं। इसके अलावा विश्व में 1.6 अरब लोगों की आजीविका का सहारा जंगल ही हैं, जो उन्हें लकड़ी, ईधन, भोजन और रहने का आसरा प्रदान करते हैं। प्राणवायु के कारखाने जंगल हैं, और जल संरक्षण के स्थाई बांध हैं। अतः विनाश पर टिके हुए विकास पर पुनर्विचार जरूरी है। बदलती जलवायु के सामने हमें ऐसा विकास चाहिए कि जिससे बढ़ती गर्मी में भी बाढ़, भूस्खलन और भूकंप जैसी स्थिति से बचा जा सके।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

India must prepare for Pak endgame

PAKISTAN Army Chief Gen Asim Munir's dog whistle while addressing the Overseas Pakistanis Convention in Islamabad and the murder of 26 innocent tourists — overwhelmingly based on their religious denomination — in Pahalgam, Jammu & Kashmir, have a clear connection.

While addressing the conclave in the presence of Pakistan Prime Minister Shehbaz Sharif, the General said: "Our religion is different, our customs are different, our traditions are different, our thoughts are different, our ambitions are different, that's where the foundation of the two-nation theory was laid. We are two nations, we are not one nation." Gen Munir also referred to the founding Islamic principles of Pakistan, saying that the country's "basis was laid on the Kalima" and that Kashmir was their jugular vein.

A week later, there is a massacre of people who are the "others" in the above rant. This is not a mere coincidence.Gen Munir essentially echoed what Muhammad Ali Jinnah, ironically a non-practising Muslim, had articulated on March 23, 1940, to the Muslim League: "It is extremely difficult to appreciate why our Hindu friends fail to understand the real nature of Islam and Hinduism. The Hindus and Muslims belong to two different religious philosophies, social customs, and literature[s]. They neither intermarry nor inter-dine together, and indeed they belong to two different civilisations which are based mainly on conflicting ideas and conceptions..."

Pakistan's history vis-à-vis India's can be divided into two distinct phases. The first from June 1947 to November 1971 is essentially the story of the Partition and two wars over J&K in 1947 and 1965. The second is from December 1971 till now. The dismemberment of Pakistan, with the eastern part seceding due to the active intervention of India, has left a permanent scar on the collective psyche of the Pakistani military establishment.A nation born on the basis of faith could not hold together a linguistic group subscribing to the same religion for even two-and-a-half decades. This effectively blew the two-nation theory out of water.Why did Gen Munir then drag out the apparition of the fallacious two-nation theory that was essentially repudiated by the creation of Bangladesh in 1971? For that, unfortunately, still remains the only ragged ideological, if not philosophical, justification for the existence of the remaining rump called Pakistan even today.

'The Bangladesh scar' indelibly imprinted on the institutional psyche of the Pakistani military establishment has never healed and nor will it ever be allowed to because that has become the rationale for the military's increasingly disproportionate role in the national life of Pakistan, especially since 1977, and its extravagant claims on the fiscal resources of the state.The creation of Bangladesh led to the Multan Conference convened by Zulfikar Ali Bhutto on January 20, 1972, where two decisions were taken. The first was that Pakistan would acquire a nuclear bomb by any means, even if it meant eating grass, and the second to bleed "India with a thousand cuts".By 1980, Punjab became the first frontier of the strategy to bleed India. It was upscaled by Pakistan to J&K in 1989. The end of the Afghan jihad in 1989 freed up militant capacity for redeployment in J&K by the Pakistani deep state.

In the 2000s, the proxy war was exacerbated to the pan-India level with an assault on the Indian Parliament on December 13, 2001, the Kaluchak massacre in May 2002, the Indian Institute of Science (Bangalore) attack in December 2005, the Mumbai train bombings in July 2006, the Mumbai outrage in November 2008, the Pathankot airbase attack in January 2016, the Uri terror strike in September 2016, the Pulwama suicide bombing in February 2019 and now the Pahalgam massacre.

The reason for recounting these major attacks over the past 25 years across three NDA/BJP and two UPA dispensations is that Pakistan has been relentless in persecuting its proxy war against India, irrespective of which party was in power in New Delhi.Different political dispensations have tried different ways of dealing with the problem called Pakistan that is complicated by the nuclear dynamics among India, Pakistan and China.

Pak's renewed terror focus is a calculated shift

The decision to suspend the Indus Waters Treaty the first time in 65 years should convey India's serious concern to the international community.

As condemnation of the dastardly Pahalgam terrorist attack pours in from home and abroad, it is increasingly clear that the target of the planners in Pakistan was to revive the relevance of Pakistan in J&K, which has been progressively lost since the abrogation of Article 370 in August 2019.Pahalgam was not just another tragic incident — it marked a strategic pivot in the terror calculus across Jammu and Kashmir.The move from the south of Pir Panjal back to the heart of the Kashmir Valley raises serious questions about the motives behind this renewed aggression and how India must respond. This needs a full explanation and analysis.Fortunately, the early return of the Prime Minister from Saudi Arabia and the convening of the Cabinet Committee on Security (CCS) with its clear and perceptive message has set the ball rolling as far as the response is concerned; and to respond we have to, it's a national need.Based upon the emerging normalcy in Kashmir since 2019, made possible by control on terrorist infiltration, neutralisation of fresh recruitment, paralysis of overground worker networks and dismantling of financial conduits, it has become increasingly more difficult for Pakistan to conduct effective sponsored terrorist strikes in the Valley. These were reduced to the targeting of some migrant labourers, off-duty police personnel or Territorial Army personnel, with an aim of making news to remain relevant.With some probing in the Pir Panjal South (Poonch-Rajouri-Jammu belt), Pakistan discovered the voids in security forces' deployment due to the vacation of some areas by the army for the deployment of troops in Ladakh. That is how, in 2023-24, the focus of operations suddenly shifted to this area, with a series of terror strikes by well-trained and suspected regular elements of the Pakistan army mixed with terrorists.

The strike on the bus carrying pilgrims to the Mata Vaishno Devi shrine on May 9, 2024 and the Machedi attack on the 22 Garhwal convoy on July 9, 2024 indicated the shift to the Reasi and Jammu sector. Of late, the focus of operations had shifted to Kathua to keep the proverbial relevance active.The terror strike at Pahalgam was probably planned, considering the sudden rush of tourists to the Valley and the availability of the well-trained and experienced terrorist group in the Pir Panjal area. No infiltration of special terrorists was needed; all it required was the movement of this group through the transit routes available in the Warwan Valley to reach Kishtwar North.

One cannot be sure whether this was timed with General Asim Munir's disgraceful speech to the Pakistani diaspora, but the visit of US Vice-President JD Vance, which too came at short notice, was almost god-sent for the Pakistani deep state. In proxy terror operations by a nation, it always looks for such moments which can disturb the good times in the target nation. It's also an opportunity to use the headlines of that visit alongside the headlines of a big terror attack to message the world on the capability to disrupt and remain relevant to the area that is being targeted.The Kashmir Valley's symbolism and strategic optics hold greater international visibility and emotional resonance for Pakistan than any other location. Attacks in iconic locations like Pahalgam grab more media traction — domestic and international. Tourism in Kashmir was showing record growth — a peaceful Valley undercuts Pakistan's propaganda. Attacks aim to instill fear and reverse economic momentum. To any common understanding, the dilution of economic parameters in Kashmir should be negatively viewed by the Kashmiri population; and it does happen that way.However, it has always been Pakistan's mistaken belief that the people of Kashmir will tolerate all this for the love of Islam and the affinity with Pakistan. From 1948 to 1989, in every conflict, Pakistan's strategy alluded to this belief. In fact, in 1965, during Operation Gibraltar, the concept was an eventual uprising by the Kashmiri population in support of the 'Razakars' who had been infiltrated. It never happened. A miniscule minority, further dwindling, may have supported the separatist cause and remained misled for some years after 1989, but it is all coming back to a fondness for India, with Pakistan an anathema.There is a public demand for retribution for the blood of innocent Indians. There are three things that are important for us as a nation.First, we cannot allow ourselves to be impacted by Pakistan's proxy actions which intended targeting normalcy and unity of India. The aim and intent of this act has been crystal clear. Hence, unity among all segments of India must remain unaffected and special efforts towards that are a must.Second, the security forces must endeavour to restore the faith of the nation in their ability to secure J&K, just like they have all these years. We cannot allow the Amarnath yatra to get affected by the inherent fear that may have been planted in the hearts of prospective yatris.Third, and very important, is the fact that the CCS met immediately after the Prime Minister's return and took stock. The decisions taken are absolutely in line with anyone who has an idea of conflict management. There is nothing even remotely knee-jerk in the decisions.

The decision to suspend or hold in abeyance the Indus Waters Treaty the first time in 65 years should convey India's serious concern to the international community. The effect may yet take time, but Pakistan, a water-challenged country, cannot afford to have its waters cut off.The other measures, such as the reduction of High Commission staff and recall of defence attaches are classic diplomatic measures. The revocation of any travel at all through the Attari border will affect the common man no doubt, but at times, the population too must be pressured to put reverse pressure on its government.

Threats to Kashmiris

Centre, states must rein in divisive elements

IT is a cruel double whammy for Kashmiris in the wake of the Pahalgam terror attack. Those residing in the Valley are fearing losses due to a potential decline in the tourist footfall, while students and traders based in states across the country are being subjected to harassment and intimidation. Prominent J&K leaders such as Chief Minister Omar Abdullah, PDP president Mehbooba Mufti and People's Conference chief Sajad Lone have expressed concern over the safety of Kashmiris. The onus is on the Central and state governments to crack down on divisive elements that are using the massacr as a pretext to vilify and hound Kashmiris.

Representatives of political parties, trade bodies and socio-religious organisations based in Kashmir, along with ordinary residents, have been unequivocal in their condemnation of the killings. They have sent out a clear message — "Not in our name" — telling the entire nation that they have no sympathy for terrorists who are

disgracing Kashmir as well as Islam with their crimes against humanity. As tempers are running high nationwide, it is critical for political and religious leaders to provide a calming influence rather than adding fuel to the fire.Rabble-rousers are conveniently ignoring the fact that it was a Kashmiri ponywala, Syed Adil Hussain Shah, who sacrificed his life while trying to save tourists from gun-toting terrorists. The braveheart was shot dead when he was trying to snatch a weapon from an assailant. His selfless courage and heroism need to be widely acknowledged and extolled in order to dispel misconceptions about Kashmiris. Blaming them for the cowardly terror attack reeks of a communal agenda that can tear our secular fabric to shreds. Remembering the carnage of 1984 and 2002, when innocent members of minority communities were targeted in Delhi and Gujarat, respectively, should serve to ensure that saner voices are not drowned out by the incessant din this time.

China's conciliatory comments are purely cosmetic

The absence of warmth in India-China relations was evident in Xi Jinping not sending a message on the terrorist attack on innocent Indian tourists in Pahalgam.

IN recent months, China has been making seemingly conciliatory comments in an apparent bid for free access to India's market. Chinese President Xi Jinping sent congratulatory messages to the Indian President and Prime Minister on April 1, on the 75th anniversary of the establishment of diplomatic relations, which were cosmetic. China's Ambassador to India recently spoke of lowering tariffs to promote Indian exports to China, but the obstacles also include China's non-tariff trade barriers and the thicket of China's confidential regulations which selectively restrict trade.Significantly, Xi Jinping's recent tour to Vietnam, Malaysia and Cambodia from April 14 to 18, focussed on Asia and sought to highlight the importance China gives to developing good ties with neighbours. There was emphasis on promoting the "community with a shared future in the new era as a new starting point", which was included in the individual joint statements.

The absence of warmth in India-Chna relations was evident in Xi Jinping not sending a message on the terrorist attack on innocent Indian tourists in Pahalgam. Only the Chinese Foreign Ministry spokesperson and China's Ambassador to India expressed condolences.

In fact, the Chinese Communist Party's official newspaper People's Daily too did not publish any report at least till April 24. It published that Pakistan had expressed condolences. This is in stark contrast to the messages pouring in from others, including the US and Russian presidents.A People's Daily article disclosed that the 'Central Conference on Neighbourhood Diplomacy', held on April 8-9 in Beijing, for the first time "proposed an Asian security model of sharing danger and security, seeking common ground while reserving differences, and dialogue and consultation." It said this will be based on China and its neighbs to India in the plethora of articles on China's neighbourhood policy, revealing Beijing's singular focus on economic interaction with India. Chinese leaders have notably avoided any mention of the clashes that took place between India and China in 2020 or the tensions that continue along the 4,057-km Line of Actual Control (LAC).

Meanwhile, reports show that China continues its military build-up across the Line of Actual Control and is constructing border defences, communication infrastructure, airports, etc. On March 21, a Henan-based Chinese think tank published an article captioned 'During the military reforms, the Tibet Military District, Joint Logistics Support Force, and the Tibet Corps of the Armed Police were all upgraded'. It cited a report published by China's prestigious National Defense University titled: '2024 Border Defense Construction Research Report'. The report said the Tibet Military District, the Joint Logistics Support Force and the Tibet Corps of the Armed Police had been upgraded to comprehensively enhance high-altitude combat capabilities and that their overall combat effectiveness of border defense had increased by 43.7 per cent. It said that after the upgrade of the Tibet Military District to a full Theatre command level, the Tibet Military District had greater decision-making power and resource allocation capabilities.It disclosed that the upgraded Tibet Military District now "oversees five high-altitude mechanized brigades, two mountain brigades, one special operations brigade, and multiple support units, representing a 28.5% increase in troop strength." A Special Operations Brigade had been newly established and equipped with the latest high-altitude special gear and high-precision strike weapons. The report added that there had been a qualitative leap in weapons and equipment and new systems tailored for high-altitude combat, including upgraded Type 15 light tanks, highland versions of the Z-20 helicopter and long-range rocket systems suited for cold conditions. It said the Tibet Detachment of the Joint Logistics Support Force was also upgraded from a full division level to a deputy corps level, and in early 2025, the upgraded detachment increased its personnel by 1,200.

The article also revealed that the personnel strength of the Tibet Corps of the Armed Police was increased by 32 per cent to a deputy corps level, overseeing six detachments, which now cover all seven prefecture-level cities in Tibet. It noted that by early 2025, the Corps had achieved 85 per cent modernisation, introduced a new highland unmanned reconnaissance system, expanded border patrol coverage by 3.7 times and greatly enhanced control over border areas. Saying that shifting geopolitics was the reason for the upgrade, it explained: "Tibet borders several countries and serves as a crucial defensive line in China's southwest. In recent years, the surrounding region has seen increasingly complex dynamics and new security challenges." With the upgradation, "a multidimensional and comprehensive border defense system has been formed — capable of effectively responding to all kinds of security threats."

It quoted a routine Chinese Defence Ministry press briefing of 2024, which stated: "Strengthening military forces in the Tibet region is a necessary measure to safeguard national sovereignty and territorial integrity." It added that the upgradation of military forces in Tibet sends a clear signal: China has both the resolve and capacity to defend every inch of its southwestern border. The report cited military analysts as noting that "China's comprehensive military upgrade in Tibet indicates a more proactive and assertive defensive posture in the plateau border regions." The article also revealed that in early 2025, China's Central Military Commission issued special instructions for strengthening the military in Tibet: "Further deepen reform achievements, enhance joint combat capabilities of the three forces, and provide strong guarantees for safeguarding national sovereignty, security, and development interests."

It is apparent from China's official media reporting on India and the developments along the LAC that the conciliatory statements by Chinese leaders are only intended to gain access to India's market. The tariff war with the US makes it imperative for China to seek new markets and India is the largest untapped market in the Indo-Pacific.

Employment In India Grown Faster Than Working-Age Population: World Bank Report

New Delhi. India is witnessing a positive trend in job growth, according to the latest World Bank report. Since the 2021-22 fiscal year, employment in the country has grown at a faster pace than the working-age population, the report highlighted. A significant aspect of this growth is the rising participation of women in the workforce."Employment growth has outpaced the working-age population since 2021-22. Employment rates, especially among women, are rising, and urban unemployment fell to 6.6 per cent in Q1 FY24/25, the lowest since 2017-18," the World Bank report said.aThe report also noted a sharp fall in urban unemployment. In the first quarter of the 2024-25 financial year, urban unemployment dropped to 6.6 per cent--the lowest level recorded since 2017-18. Another major trend observed is the shift in worker movement. For the first time since 2018-19, more men are migrating from rural areas to cities in search of

employment.At the same time, rural women are increasingly taking up jobs in agriculture, indicating a shift in employment patterns across the country. However, the report also flagged persisting challenges. Youth unemployment stands at 13.3 per cent, with the rate even higher among those who have completed higher education--29 per cent of them are still seeking jobs.

"Only 23 per cent of non-farm paid jobs are formal, and most agricultural employment remains informal," the World Bank report said. The report also highlighted a rise in self-employment, particularly among rural workers and women. A growing number of individuals are opting to work for themselves rather than taking on regular jobs.Despite the improvement in female employment, disparities remain. The female employment rate has reached 31 per cent, but there are still 234 million more men than women in paid jobs. "Despite a female employment rate of 31 per cent, gender disparities remain, with 234 million more men in paid work," the World Bank report said.

Addressing poverty, the report said that the five most populous states--Uttar Pradesh, Maharashtra, Bihar, West Bengal, and Madhya Pradesh--accounted for 65 per cent of India's extremely poor population in 2011-12.While these states have contributed to poverty reduction over time, in 2022-23, they still housed 54 per cent of the country's extreme poor and 51 per cent of the multidimensional poor.

Indian Stocks Did Not Correct More Than 2% During Previous Indo-Pak Tensions: Report

New Delhi: Indian stock markets have largely remained stable during periods of military or political tension with Pakistan, according to a new analysis by Anand Rathi Research. The report highlighted that, except during the Parliament attack in 2001, Indian equities did not fall more than 2 per cent during such high-risk events.

It said "Except during the Parliament attack in 2001, Indian equity markets did not correct more than 2% during periods of high tension with Pakistan". The only significant drop occurred after the Parliament attack in 2001-02, when the market corrected sharply. However, the report points out that this fall was likely influenced more by global factors, especially the 30 per cent decline in the U.S. S&P 500 index during the same period, rather than by the India-Pakistan conflict alone.On average, Indian stock markets corrected around 7 per cent during major geopolitical events, with a median correction of about 3 per cent. Even in a situation of major escalation, the report suggests that the Nifty 50 index is unlikely to fall more than 5-10 per cent, based on past data and current global risk pricing.The research comes at a time when tensions between India and Pakistan have increased following a recent terrorist attack in Pahalgam. The attack led to the tragic deaths of 26 civilian tourists and has raised fears of possible military retaliation. In light of this, Anand Rathi Research studied past market behavior to give investors a better understanding of potential market movements.

The analysis included four major India-Pakistan confrontations since the Kargil War in 1999. It also looked at 19 other wars or war-like situations involving G20 nations over the past 25 years. For each event, the study considered the performance of stock market indices from the day before the conflict began. In cases where conflicts lasted more than a year or are still ongoing, the lowest market point in the first six months was taken into account. For shorter conflicts, the lowest point during the event period was studied.

Gross direct tax kitty swells 16%, crosses Rs 27L crore in Fy25

NEW DELHI. Gross direct tax collections rose 15.6% to top Rs 27 lakh crore during the last fiscal year, while refunds went up 26% to an all-time high of a little under Rs 4.8 lakh crore, provisional data released by the finance ministry showed.

The provisional net direct tax collection, which was up 13.6% to just under Rs 22.3 lakh crore, was in line with the target set for the 2024-25 financial year. The provisional net direct tax collections are 100.8% of the budget target and 99.5% of the revised estimate presented in Feb.The tax numbers, both direct and indirect, as well as the savings expected on the expenditure front during the last financial year, indicate that govt may end up closing the year with a better-than-budgeted fiscal deficit. The revised estimates presented by Union finance minister Nirmala Sitharaman pegged the fiscal deficit at 4.8% of GDP, asagainst the budget estimate of 4.9%.

On a gross basis, income tax collections rose 17.6% to Rs 13.7 lakh crore, while corporation tax mop-up was 12.4% higher at Rs 12.7 lakh crore. The gap between the two main sources of direct taxes widened as a result.

Housing.com reports surge in real estate engagement with 'housing chat' feature

NEW DELHI. Housing.com has reported surge in user engagement after launching its interactive technology solution, 'Housing Chat', marking a major leap in the Indian PropTech space.

The platform, which enables direct buyer-seller conversations via chat, is now used by over 400,000 users and facilitates more than 1 million engagement sessions per month — a massive growth from just 20,000 users and 25,000 sessions a year ago.With this innovation, Housing.com remains the only player in the Indian real estate market offering real-time chat-based interactions, enhancing transparency, trust, and consumer experience."Buying or renting a home is a deeply personal journey" said chief product officer Simon Hope. "Our personalised chat feature is a key part of making that journey seamless and user-centric."

Echoing the sentiment, chief technology officer Abhishekh Makkar added, "By integrating chat capabilities, we have created an intuitive and responsive platform that meets modern homebuyers' expectations. Our focus has always been on enhancing the consumer journey."

As GenAI continues to reshape user interaction in the digital space, Housing.com is expanding the capabilities of 'Housing Chat' to include multilingual support and deeper personalization, ensuring inclusivity and relevance across India's diverse user base.The chat feature has become a critical touchpoint for users engaged in buying, selling, or renting properties, providing fast, seamless, and disturbance-free interactions, aligning with the demands of a digital-first audience.Founded in 2012 and acquired by REA India (formerly Elara Technologies) in 2017, Housing.com is a premier full-stack PropTech platform in India. It offers listings for a wide range of property types including new homes, resale properties, rentals, plots, commercial spaces, and co-living accommodations.The platform also delivers services like **virtual viewings, AR/VR content, home loans, online rent agreements, and end-to-end transaction support, through its Housing Edge brand.

India Suspends Visas For Pakistani Nationals With Immediate Effect After Pahalgam Terror Attack

New Delhi. In the wake of the recent terror attack in Jammu and Kashmir's Pahalgam, India has suspended visa services for Pakistani nationals with immediate effect. The move comes shortly after Prime Minister Narendra Modi vowed to identify and punish all those behind the attack.India has taken a strong step in the wake of the recent Pahalgam terror attack by revoking most visas issued to Pakistani nationals. In a statement, the Ministry of Home Affairs said, "The Government of India has revoked all existing Visas issued to Pakistani nationals, except Long Term Visas, Diplomatic and Official visas, with immediate effect from 27th April 2025. Medical Visas issued to Pakistani nationals will be valid only till 29th April 2025."Meanwhile, Union Home Secretary Govind Mohan held a video conference with state chief secretaries, directing them to take necessary steps in light of the new visa rules. The latest move by the Ministry of Home Affairs signals a

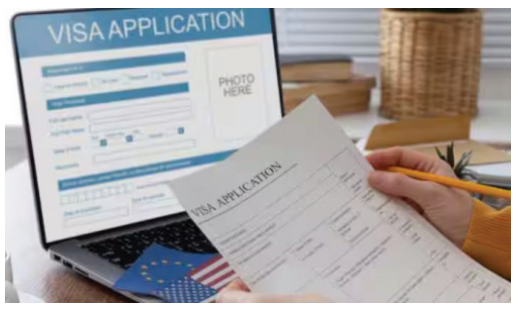

major policy shift focused on strengthening border security and monitoring the presence of Pakistani nationals in India after the April 22 Pahalgam terror attack that claimed 26 lives.The ministry has urged Indian citizens to stay away from Pakistan, stressing safety concerns in the current situation. "Those Indian nationals currently in Pakistan are also advised to return to India at the earliest," it said. Authorities have also released sketches of three Pakistani terrorists—Asif Fauji, Suleman Shah, and Abu Talha—along with two local operatives from the Valley, identified as Adil Guri and Ahsan.In view of the seriousness of the case, the Ministry of Home Affairs is likely to hand over the investigation to the National Investigation Agency (NIA) soon. However, an official decision on this is still awaited.As part of other measures, India has suspended the Indus Water Treaty and decided to close the integrated check post at Attari. India will also be withdrawing its defence, navy, and air advisors from the Indian High Commission in Islamabad.

Lower EMIs! Indian Bank reduces Home & Vehicle Loan interest rates

Chennai. Indian Bank has reduced the interest rates on home loans to 7.90 per cent and vehicle loans to 8.25 percent, the public sector bank announced on Friday. The bank slashed the loan rates after the Reserve Bank of India's Monetary Policy Committee reduced the repo rate by 25 basis points to 6 percent on April 9, 2025. The RBI had announced a similar short-term lending rate cut in February.

After RBI's announcement of MPC meeting details, Finance Ministry stated, "The Monetary Policy Committee (MPC) unanimously decided to reduce the policy repo rate by 25 basis points, bringing it down to 6 per cent with immediate effect. The repo rate is the rate at which the RBI lends money to commercial banks."In light of the recent policy move by the Monetary Policy Committee of the Reserve Bank of India, Indian Bank has lowered its home loan interest rates from the existing 8.15 per cent per annum to 7.90 per cent per annum and vehicle loan interest rates from the existing 8.50 per cent to 8.25 per cent per annum," city-headquartered bank stated in a press release.Indian Bank's decision to cut the

home and vehicle loan interest rates would provide relief to borrowers by lowering EMIs and promoting affordable access to credit.

The public sector lender will levy discounted processing fees and zero documentation charges on customers applying for loans."In addition to the reduced interest rates, Indian Bank is also offering benefits such as discounted processing fees and zero documentation charges. This initiative reflects Indian Bank's commitment to providing its customers with accessible and user-friendly financing options," the statement added.

Alpha Wave Global, IHC seek CCI nod to acquire minority stakes in Haldiram

New Delhi. Alpha Wave Global, and IHC (International Holding Company) have sought the Competition Commission of India's approval to acquire minority stakes in Haldiram Snacks Food.Alpha Wave is a global investment company and United Arab Emirates-based IHC is one of the world's largest investment companies having a USD 250 billion market valuation and listed on Abu Dhabi Securities Exchange."The proposed transaction entails the acquisition of less than 10 per cent of the issued and paid-up equity share capital of the target (Haldiram Snacks Food Pvt Ltd)," said a notice filed with the Competition Commission of India (CCI).The proposed combination, classified as an acquisition of shares and voting rights, falls under specific clauses of the Competition Act, it added.In its submission to the CCI, Alpha Wave Ventures II LP and Alpha Wave IHC CI, LP (acquirers) said that the exact delineation of the relevant market may be left open as the proposed transaction does not give rise to any competition law concerns, irrespective of the manner in which the markets are defined.However, for the assessment of the proposed transaction the relevant markets may be considered either broadly -- as the market for manufacturing and sale of packaged food products in India -- or more narrowly, segmented into specific categories such as snacks, sweets, ready-to-eat meals, and bakery products, the notice said.Last month, Haldiram Snacks Food, the country's leading snack and food brand, announced that it is selling its stake to two new investors -- IHC and Alpha Wave Global.The announcement came a day after Haldiram confirmed the acquisition of a minority stake by Singapore-based global investment firm Temasek.According to industry sources, IHC and Alpha Wave are collectively acquiring a minority stake of about 6 per cent stake in Haldiram Snacks Food at a valuation of USD 10 billion (around Rs 85,000 crore), which is considered to be the largest for the Indian packaged food industry.

Earlier, the National Company Law Tribunal had approved the process of the merger of the two sides and other regulatory approvals are awaited.Established in 1937 as a retail sweets and namkeen shop in Bikaner, Rajasthan, by Ganga Bhishen Agarwal, Haldiram products are sold in over 80 countries.In 2022, it was announced that the packaged snacks businesses of Delhi-based Haldiram Snacks and Nagpur-based Haldiram Foods International would be first demerged and then merged into an entity named Haldiram Snacks Food.

China plans more support for its economy amid trade tensions

These additional steps could include, extra government spending (fiscal stimulus), easier access to money and loans (monetary easing), and new efforts to boost consumer spending.

CHENNAI. China is expected to unveil a new round of stimulus measures—including increased fiscal support, targeted monetary easing, and enhanced initiatives to boost consumer spending—in an effort to strengthen the foundation of its economic growth.

Quoting several analysts, China Daily reported on Friday that this likely policy shift may coincide with a high-level leadership meeting traditionally held at the end of April to address key economic priorities.As previously reported by The New Indian Express, China's Finance Ministry—through its latest public fund expenditure report released last week—revealed that a significant portion of the annual budget has already been spent to support the economy and stimulate domestic market activity. This move comes in response to weakening exports caused by the ongoing tariff war with the United States.According to China Daily's Friday report, further government support is expected soon, with new economic stimulus measures likely to be announced by the end of April. These additional steps may include increased government spending (fiscal stimulus), easier access to credit and loans (monetary easing), and enhanced initiatives to boost consumer demand.This announcement may come during an important upcoming leadership meeting focused on economic policy.The meeting is seen as a chance for leaders to respond to the recent escalation in the US-China trade conflict. Experts quoted in the report believe that US tariffs are starting to affect China's economy, and the effects will likely grow in the second quarter.China's economy grew 5.4% in the first quarter of 2025, which is solid. However, some indicators show that consumer and business demand at home

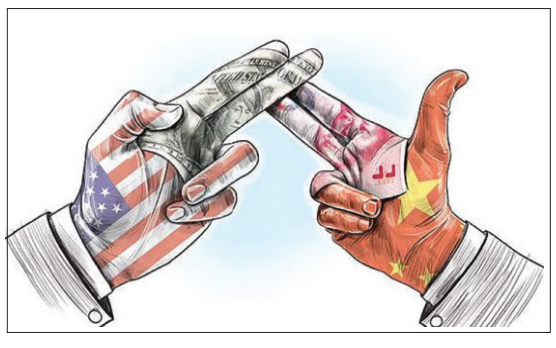

is still weak.Hence, the analysts expect a significant stimulus package. Estimates suggest it could be worth 1.5 to 2 trillion yuan (roughly $206 to $275 billion)

A big part of this money may go toward boosting consumer spending, not just infrastructure investment.Since China exports about $500 billion worth of goods to the US every year, the government wants to strengthen domestic consumption to make up for any lost sales abroad.Before COVID-19, retail sales in China typically grew 8–9% each year. Officials hope to return to that level by supporting consumer demand.Since any new government spending must be approved by China's top lawmakers, a key meeting of the National People's Congress Standing Committee will take place soon, and approval might be given then.Even if the plan is approved, officials will decide later exactly how and when to roll out the measures, depending on how the economy performs, says the news report.Additionally, China's central bank is expected to cut the reserve requirement ratio (making it easier for banks to lend), and possibly lower interest rates by June.

The country will also use targeted tools to support exports, consumer spending, and tech innovation. The media reports also suggests that China plans to stay focused on high-quality, sustainable growth rather than taking drastic measures.

Arogya Mandirs to hire salaried doctors with fixed pay, replacing AAP's Mohalla Clinic model

New health centres in Delhi will offer stable employment and relocate to permanent government facilities for improved care

NEW DELHI. The Centre's Urban Aarogya Mandirs, which is set to replace Mohalla Clinics in the capital, would comprise a staff of salaried medical professionals including doctors employed on a contractual basis.Unlike the previous AAP government's model where doctors were paid on a per-patient basis, Arogya Mandirs will hire healthcare professionals on a contractual basis with fixed pay scales similar to those under the National Rural Health Mission (NRHM), said officials privy to the development.Officials said the new health centres will not recruit from existing hospitals, nor will they follow the 'daily-wage model' previously in place. Instead, dedicated recruitment will be held for these positions.

Work has already begun for establishing 80 Arogya Mandirs in the first phase. These centres aim to provide sustainable and high-quality diagnostic and treatment services.Existing mohalla clinics operating in rented accommodations or unsuitable locations, like in vicinity of garbage sites, will be shut down and relocated to permanent government facilities such as those managed by the Delhi Urban Shelter Improvement Board.The upcoming Arogya Mandirs will also be developed solely on government lands, such as primary health centre plots.

In a parallel initiative, the distribution of Ayushman Bharat health cards for senior citizens will commence soon, officials added. The Ministry of Health & Family Welfare's online portal for applications will go live on April 25."For those preferring offline assistance, ASHA workers will conduct door-to-door visits to help elderly citizens complete applications and deliver the cards directly to their homes. Distribution is scheduled to begin on April 28. If necessary, hospitals will also facilitate card delivery," officials said.

They emphasised that there will be no need for elderly citizens to travel or make arrangements to receive the benefits of the Ayushman Bharat scheme.

Delhi to block End-of-Life Vehicles at borders: ANPR cameras to enforce rule

Number plates to be scanned real time; minister says move a technology-led intervention to improve air quality

NEW DELHI. In a move to tackle vehicular pollution at its source, the Delhi government will soon install Automated Number Plate Recognition (ANPR) cameras at all border entry points to restrict the entry of End-of-Life Vehicles (ELVs) into the city.

Announcing the initiative, Environment Minister Manjinder Singh Sirsa said the step is part of a broader push under the state's upcoming Environment Action Plan 2025-26, which will focus on technology-led, data-driven interventions to improve air quality and reduce emissions. "Through data, automation, and inter-state communication, we are creating a pollution shield around the capital," Sirsa said after a high-level meeting with officials from the Environment and Transport Departments, as well as the Delhi Traffic Police.

The ANPR camera network will scan vehicle number plates in real time, cross-check them with the VAHAN database, and flag ELVs attempting to enter Delhi. If identified, the vehicle's details will flash on LED screens at the border, accompanied by a warning message. Simultaneously, automated SMS and WhatsApp alerts will be sent to the registered owner, informing them of the violation and possible penalties.

"This is more than just enforcement," Sirsa said. "It's about protecting the health of our people. The system will also build awareness among transporters and vehicle owners in neighbouring states," he added. The cameras will serve both as a surveillance and educational tool. The Transport Department has been directed to issue periodic alerts to vehicle owners, particularly those nearing the ELV threshold, to encourage timely compliance. A 12-month SMS notification calendar is being prepared to ensure sustained inter-state outreach.

Officials said this initiative would be one of several tech-based interventions in the forthcoming Environment Action Plan. The minister reviewed various components of the plan at the meeting held at the Delhi Secretariat, including measures to control vehicular emissions, dust management, C&D waste regulation, electric mobility promotion, and Yamuna rejuvenation.

Departments including DPCC, MCD, NDMC, DJB, and Delhi Traffic Police have been asked to streamline their implementation schedules and submit revised targets. Anti-smog guns and water sprinklers are also scheduled to be deployed across key pollution hotspots starting June 1.A related report was carried by in its April 23 edition.

JNU students' polls see 5% decline in turnout

NEW DELHI. The Jawaharlal Nehru University Students' Union (JNUSU) elections held on Friday witnessed a turnout of 68.3%, a decline of 5% from the turnout record previous year.In the 2024 students' body polls, the university saw 73% voting, the highest in the past 12 years. However this year, out of the 7,906 registered votes, 5,400 were polled on Friday.The polling was held in two sessions – between 9 am and 1 pm and between 2.30 pm and 5.30 pm. The counting of votes is scheduled to begin late on Friday night, and the results are expected by April 28.

This year, 57% of total voters were male while 43% were female votes. The contest is apparently intense and sharply polarised, with new alliances redrawing old battle lines on the JNU campus. The students' union polls this time witnessed major realignments with the long-standing Left alliance getting splintered.

The All India Students Association (AISA) had allied with Democratic Students' Federation (DSF), while the Students' Federation of India (SFI) had joined hands with the Birsa Ambedkar Phule Students' Association (BAPSA), All India Students' Federation (AISF), and Progressive Students' Association to form a bloc.The Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad (ABVP) had fielded a full panel comprising Shikha Swaraj for president, Nittu Goutham for vice-president, Kunal Rai for general secretary, and Vaibhav Meena for joint secretary.

Polling began around 9 am at the 17 polling stations set up across the campus at different centres of specialised studies and continued till 6 pm.Supporters of different outfits chanted slogans and touted their candidates as students queued up to cast their votes at respective booths. 'Jai Bheem', Bharat Mata Ki Jai', and 'Lal Salam' along with beats of drum rented the air as a large number of students flocked the polling booths after 11 am.

No blanket ban on bail in dowry death cases: Delhi HC

NEW DELHI. The Delhi High Court recently held that while dowry death is a grave offence that deeply affects the dignity and justice of domestic life, there is no absolute bar on granting bail in such cases. "This court remains fully conscious of the societal gravity and enduring prevalence of dowry deaths. Such offences strike at the foundations of dignity, equality, and justice in domestic life," Justice Sanjeev Narula said.The court noted, while the Supreme Court in the Shabeen Ahmad v State of UP stated that bail should not be granted mechanically in dowry death cases, the verdict cannot be taken to mean that bail must be denied in all cases under Section 304B of the IPC. "Rather, the court reaffirmed that bail decisions must rest on individual facts and circumstances of each case, nature and weight of evidence, and the overall context in which allegations are situated," the court said.

The remarks came while granting bail to a man accused in dowry death of his wife. The woman had allegedly suffered both physical and mental abuse at the hands of her husband and his family. Her relatives claimed she was forced to stay in a room without a door, also alleging that dowry demands were made.The court noted, at first glance, the material on record "lacked specificity" required under Section 304B. "There is no complaint by the deceased, her parents, or any other relative during her lifetime alleging harassment or demand for dowry," the court said in its April 22 order.

The Link Between A Student Visa To Pakistan And Pahalgam Attack

New Delhi. Adil Ahmed Thoker, one of the terrorists involved in the Pahalgam massacre of April 22, which saw 26 people gunned down, went to Pakistan in 2018 and returned six years later with three to four terrorists, sources said. Adil Ahmed Thokar, a native of Gurre village in Bijbehara in Anantnag district of Jammu and Kashmir, is believed to be one of the principal architects of the terror attack in Pahalgam's Baisaran.

From J&K Village to Pakistan

In 2018, Adil Ahmed Thoker left his home in Gurre and travelled to Pakistan on a student visa. According to intelligence officials, Thoker had already shown signs of radicalisation before his departure. Intelligence sources say he was in contact with individuals linked to banned terrorist organisations operating from across the border, even before leaving India.

Once in Pakistan, Thoker disappeared from public view. He severed communication with his family, and no trace of his presence could be established for nearly eight months. Intelligence agencies monitoring his digital footprint lost him. A parallel surveillance operation focused on his home in Bijbehara did not yield any major breakthroughs either.

According to intelligence sources, Thoker was undergoing ideological and paramilitary training during this time.

He came under the influence of handlers associated with Lashkar-e-Taiba (LeT), the terrorist organisation based in Pakistan.

Re-entry Into India

By late 2024, Adil Ahmed Thoker resurfaced in intelligence assessments - but this time inside India.According to intelligence sources, Thoker crossed the Line of Control (LoC) in October 2024 through the rugged and remote Poonch-Rajouri sector. The terrain in this area is notoriously difficult to patrol, with steep hills, dense forests and a border that has historically been exploited for illegal crossings.Thoker was accompanied by a small group of three to four individuals, one of whom was a Pakistani national identified as Hashim Musa, another prime accused in the Pahalgam terror attack also known by his alias Suleman. It is now believed that Thoker was instrumental in facilitating Musa's entry into Indian territory.

After crossing into Jammu and Kashmir, Thoker avoided detection by staying off grid and using forested and mountainous routes. He was tracked briefly in Kishtwar before making his way to Anantnag, possibly through the hilly belts of Tral or via interior tracks used by terrorists in the past, sources said.

Tahawwur Rana Not Cooperating, Giving Evasive Replies: Mumbai Police

New Delhi. Mumbai Police on Saturday said that the key conspirator of the 26/11 Mumbai terror attacks, Tahawwur Rana was not cooperating with the investigating agencies and giving evasive replies.The Crime Branch of Mumbai Police has been interrogating Rana in connection with the terror attack that claimed over 166 lives.A National Investigation Agency (NIA) official said that a team of the Mumbai Police Crime Branch reached its Delhi office, where Rana has been lodged.Mumbai Police quizzed Rana for around eight hours.The NIA was interrogating Rana to know about the over three-year groundwork and planning undertaken by the Lashkar-e-Taiba (LeT) and Pakistan spy agency Inter-Services Intelligence (ISI) to execute the Mumbai attack on November 26, 2008.

Rana is being asked about people whose names cropped up in intercepted conversations between the terrorists, their handlers and some ISI functionaries and Harkat-ul Jihadi Islami (HuJI) operatives including Abdur Rehman Hashim Syed, Sajjid Majid, Illyas Kashmiri and Zaki-ur-Rehman Lakhvi.Notably, Rana, a former Pakistan Army Medical Corps officer, has expressed his inability to recall issues related to the 17-year-old attack.Rana is accused of conspiring with David Coleman Headley and operatives of designated terrorist organisations, the LeT and the HuJI, along with other Pakistan-based co-conspirators, to carry out the devastating terror attacks in Mumbai in 2008.

Rana, 64, a Canadian national of Pakistani origin who had been residing in Chicago, was extradited to India and flown to New Delhi's Indira Gandhi International Airport on a special flight from Los Angeles.

Aviation Watchdog Advises Airlines On Passenger Services Amid Airspace Closure

Pakistan has closed its airspace for Indian airlines, resulting in longer flying hours for their international flights, especially those flying out from north Indian cities, including Delhi.

New Delhi. Aviation watchdog DGCA on Saturday issued an advisory to airlines on providing proper communication and in-flight catering services to passengers as international flights are having longer flying time due to the Pakistan airspace closure.Pakistan has closed its airspace for Indian airlines, resulting in longer flying hours for their international flights, especially those flying out from north Indian cities, including Delhi.

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has issued an advisory on passenger handling measures in view of airspace restrictions resulting in extended flight durations and technical stops.The advisory focuses on five main areas -- pre-flight passenger communication, in-flight catering and comfort, medical preparedness and alternate aerodromes, customer service and support readiness, and intra-departmental coordination.

DGCA said that due to recent developments involving international airspace closures and overflight restrictions, airline operations have been impacted. There are significant rerouting of international and regional flights, increased block times compared to scheduled durations, and possibility of technical halts enroute for operational or fuel requirements.

Generally, block time refers to the duration of a flight from the origin to the destination.Airlines have to ensure that all passengers are proactively informed about the change in routing due to airspace restrictions and revised total expected travel time (departure to arrival), the regulator said.

Also, the possibility of a technical stop at an intermediate airport should be informed to the passengers.

According to the watchdog, carriers have to clarify to the passengers that the technical stop is operational in nature and that they will generally remain onboard during such stops.The information must be communicated at check-in, boarding gates, and where feasible, through SMS/e-mail alerts, it added.According to DGCA, airlines must ensure that catering uplift is revised based on actual expected block time (including technical halt) so that adequate meals and beverages are available for the full duration.

Among others, carriers need to make sure that there are sufficient medical kits and first aid resources.On the customer service side, DGCA said that airlines should brief call center/reservations teams on likely delays and schedule disruptions as well as establish processes for managing missed onward connections and delay-related assistance.Amid escalating tensions between India and Pakistan in the wake of the Pahalgam terror attack that killed at least 26 people, Pakistan on Thursday barred Indian airlines from using its airspace.On Friday, IndiGo said that around 50 international routes operated by it will require longer sectors and hence may be subject to some schedule adjustments.

NEWS BOX

Pakistan Seeks International Probe Of Pahalgam Attack That Killed 26: Report

WORLD. Pakistan believes an international investigation is needed into the killing of 26 men at a tourist spot in Indian Kashmir this week and is willing to work with international investigators, the New York Times reported on Friday, quoting Pakistani Defence Minister Khawaja Muhammad Asif.Asif told the newspaper in an interview that Pakistan was "ready to cooperate" with "any investigation which is conducted by international inspectors."India has said there were Pakistani elements to the attack on Tuesday, but Islamabad has denied any involvement. The two countries both claim the mountainous region but each controls only part of it.Since the attack, the nuclear-armed nations have unleashed a raft of measures against each other, with India putting the critical Indus Waters Treaty in abeyance and Pakistan closing its airspace to Indian airlines.

Asif told the newspaper that India had used the aftermath of the terrorist attack as a pretext to suspend the water treaty and for domestic political purposes.India, was taking steps to punish Pakistan "without any proof, without any investigation," he added."We do not want this war to flare up, because flaring up of this war can cause disaster for this region," Asif told the newspaper.Kashmir Resistance has claimed responsibility for the attack in a social media message.Indian security agencies say Kashmr Resistance, also known as The Resistance Front, is a front for Pakistan-based terrorist organisations such as Lashkar-e-Taiba and Hizbul Mujahideen.Asif disputed that allegation in the interview. He said Lashkar-e-Taiba was "defunct" and had no ability to plan or conduct attacks from Pakistan-controlled territory."They don't have any setup in Pakistan," he said, according to the newspaper."Those people, whatever is left of them, they are contained. Some of them are under house arrest, some of them are in custody. They are not at all active," the official said.

TikTok Astrologer, 21, Arrested For Causing Panic By Predicting New Myanmar Earthquake

WORLD. A 21-year-old Myanmar astrologer was arrested after his TikTok video warning of another major earthquake triggered public panic. According to the BBC, the astrologer, identified as John Moe The, posted his prediction on April 9, just two weeks after a 7.7 magnitude earthquake killed 3,500 people and destroyed historic temples in the Southeast Asian country. He warned that an earthquake would "hit every city in Myanmar" on April 21. He also urged people to evacuate buildings during tremors and "take important things with you and run away from buildings during the shaking". The caption of the video, which got more than 3 million views, further warned, "People should not stay in tall buildings during the day."The 21-year-old astrology content creator was arrested on Tuesday for making "false statements with the intention of causing public panic", Myanmar's information ministry said, per the BBC. Experts have since reiterated that earthquakes cannot be predicted, given the complex factors involved in such disasters. However, before his arrest, the astrologer's prediction had already triggered a panic among residents. A Yongon resident reportedly said that many in her neighbourhood believed the video and chose to camp outdoors rather than stay in their homes on April 21 - the day John Moe The said the earthquake would happen. According to the BBC, John Moe The was arrested during a raid on his home in Sagaing, central Myanmar. His TikTok account, which had more than 300,000 followers, has since vanished from the platform. His controversial predictions included claims about future American airstrikes and the potential release of ousted leader Aung San Suu Kyi.

UN Security Council calls J&K attack 'reprehensible', seeks action on sponsors

WORLD. The UN Security Council has condemned in the strongest terms the terror attack in Jammu and Kashmir's Pahalgam, underlining the need to hold the perpetrators, organisers and the sponsors of "this reprehensible act of terrorism" accountable and bring them to justice.The 15-nation UN Security Council (UNSC) issued a press statement on Friday in which it reaffirmed that terrorism in all its forms and manifestations constituted one of the most serious threats to international peace and security."The members of the Security Council condemned in the strongest terms the terrorist attack in Jammu and Kashmir on April 22, during which at least 26 people were killed and many more injured," it said in the press statement.A press statement is a declaration to the media made by the UNSC president on behalf of all 15 members. Pakistan currently sits in the UNSC as a non-permanent member.

The UNSC members expressed their deepest sympathy and condolences to the families of the victims and the governments of India and Nepal, and wished a speedy and full recovery to the injured.

They also underlined the need to hold the perpetrators, organisers, financiers and the sponsors of "this reprehensible act of terrorism" accountable and bring them to justice.The UNSC stressed that those responsible for the killings should be held accountable and urged all States, in accordance with their obligations under international law and relevant Security Council resolutions, to cooperate actively with all relevant authorities in this regard.The members reiterated that any acts of terrorism were criminal and unjustifiable, regardless of their motivation, wherever, whenever and by whomsoever committed.

"Worsening Climate Of Fear" For Pak Minorities: US Religious Freedom Body

New York.Finding "a worsening religious and political climate of fear, intolerance, and violence" for minorities in Pakistan, the US Commission on International Religious Freedom (USCIRF) has asked President Donald Trump's administration to take strong measures against the Islamic RepublicIt urged the US government to impose sanctions on Pakistani officials and agencies responsible for the "serious violations of religious freedoms" in that country, freezing their assets and barring them from entering the US.

"Religious minority communities -- particularly Christians, Hindus, and Shia and Ahmadiyya Muslims -- continued to bear the brunt of persecution and prosecutions under Pakistan's strict blasphemy law and to suffer violence from both the police and mobs," the religious freedom body said in its annual report.

"Those responsible for such violence rarely faced legal consequences," it said.To counter these recurring developments, the commission asked the government to "redesignate Pakistan as a 'country of particular concern (CPC)'," for its "systematic, ongoing, and egregious violations of religious freedom."

It urged the government to lift the existing waiver for Pakistan so that it can take the legally mandated actions due to its designation as a CPC.

The State Department has in the past issued Islamabad waivers citing what it stated was the need to maintain a "constructive relationship for broader strategic goals."

The USCIRF found that the blasphemy laws were responsible for much of the violence against minorities and suggested several steps the US should take to ensure minorities in Pakistan are protected.

"Accusations of blasphemy and subsequent mob violence continued to severely impact religious minority communities," it said.

It asked the US government to "enter into a binding agreement with the Pakistani government" to protect minorities that would require Islamabad to repeal blasphemy laws and release prisoners held under the blasphemy laws or for their religious beliefs.Till the laws are repealed, according to the USCIRF, the accused should be eligible for bail, and those making false accusations should be prosecuted under the country's penal code.

Pakistan should also be made to hold "accountable individuals who incite or participate in vigilante violence, targeted killings, forced conversion, and other religiously based crimes," it said.

Citing a report by a United Nations expert group, the USCIRF said that there was a 'worsening pattern of forced conversions among Pakistan's minority Christian and Hindu women and girls."The experts found that "local authorities often dismiss forced marriages.

Video: Pak official makes throat-slitting gesture at Indian protesters in London

WORLD. A senior Pakistan Army official added fuel to the fire by making a throat-slitting gesture at hundreds of protesters gathered outside the Pakistan High Commission in London, who were peacefully protesting against the terror attack in Pahalgam.Holding celebrated Indian Airforce Group Captain Abhinandan Varthaman's poster, the senior official mocked Indians protesting against the killing of 26 tourists by Pakistani-backed terrorists on Tuesday - drawing ire from netizens, with many calling the act "sick," "disgusting" and a "stark reminder of the lack of civility among Pakistan's military and diplomatic figures."Abhinandan was captured by the Pakistani Army after his jet crashed in a village in 2019. He was released two days later.Video clippings of the Pakistani official's throat-slitting gesture went viral today morning, barely a week after the terror incident. Several social media users identified the official in the video as Taimur Rahat, Defence Attache at Pakistan High Commission.More than 500 members from the Indian and Jewish communities were outside the Pakistan High Commission in London, raising voices against the brutal killings."We support India because we face the same enemy: Islamist radicalisation. What happened in Pahalgam reminded us of the Hamas attack on Israel," an Indo-Jewish protester, who was present at the protest site, told news agency ANI.The attack drew widespread condemnation across the globe. According to survivors and eyewitnesses, the terrorists had singled out Hindu male tourists and shot them dead.Condemning the alleged action, Delhi Minister Manjinder Singh warned Pakistan to "save your necks first."

Strong Message From UN Security Council After Pahalgam Terror Attack

United Nations. The UNSC has "condemned in the strongest terms" the terrorist attack in Jammu and Kashmir, stressing that those responsible should be held accountable and the organisers and sponsors of this "reprehensible act of terrorism" should be brought to justice.The 15-nation Council issued a Press Statement on 'terrorist attack in Jammu and Kashmir' in which the members "condemned in the strongest terms the terrorist attack in Jammu and Kashmir" on April 22, during which at least 26 people were killed and many more injured."The members of the Security Council underlined the need to hold perpetrators, organisers, financiers and sponsors of this reprehensible act of terrorism accountable and bring them to justice," the press statement said."They stressed that those responsible for these killings should be held accountable, and urged all States, in accordance with their obligations under international law and relevant Security Council resolutions, to cooperate actively with all relevant authorities in this regard," it said.

A press statement is a declaration to the media made by the President of the Security Council on behalf of all 15 Members.France is President of the Council for the month of April and the press statement was issued by Council President Permanent Representative of France to the UN Ambassador Jerome Bonnafont.

It is learnt that the US had floated the draft statement, which was then discussed by Council members.

Pakistan currently sits in the UN Security Council as a non-permanent member. A press statement requires agreement from all Council members and is a negotiated text.The members of the Security Council expressed their deepest sympathy and condolences to the families of the victims and to the Government of India and the Government of Nepal, and wished a speedy and full recovery to those who were injured. In the April 22 terror attack in Pahalgam, 25 Indians and one Nepali citizen were killed. The victims were mostly tourists from all across India.The UNSC members reaffirmed that terrorism in all its forms and manifestations constitutes one of the most serious threats to international peace and security. They reiterated that any acts of terrorism are criminal and unjustifiable, regardless of their motivation, wherever, whenever and by whomever committed.They reaffirmed the need for all States to combat by all means, in accordance with the Charter of the United Nations and other obligations under international law, including international human rights law, international refugee law and international humanitarian law, threats to international peace and security caused by terrorist acts.

Meanwhile, Stephane Dujarric, Spokesman for Secretary-General Antonio Guterres, responding to a question on the situation between India and Pakistan at the daily press briefing Friday, said that "we continue to follow the situation with very deep concern".And we, of course, reiterate our condemnation of the attacks in Jammu and Kashmir, which, as you know, killed about 26 civilians. And we again urge both the Government of India and the Government of Pakistan to exercise maximum restraint to ensure the situation does not deteriorate further."

Virginia Giuffre, Accuser In Jeffrey Epstein Case, Dies By Suicide

Canberra. Virginia Giuffre, a central figure in the efforts to expose Jeffrey Epstein's network of abuse and trafficking, has died by suicide at the age of 41. Her passing was confirmed by her family on Friday, who said she died in Neergabby, Australia.

Giuffre was widely recognised for her bravery in coming forward with allegations that not only implicated Epstein but also powerful individuals within his orbit. Over the years, she became a leading advocate for survivors of sexual abuse and trafficking, using her voice to push for accountability and justice. Born and raised in Florida, Giuffre faced trauma from a young age, including sexual abuse by a family acquaintance.These early experiences led to instability in her teenage years, eventually resulting in her becoming homeless. It was during this vulnerable period that she encountered Ghislaine Maxwell, Epstein's longtime associate, who allegedly groomed her for exploitation.Between 1999 and 2002, Giuffre was allegedly trafficked by Epstein to several high-profile individuals. Among those she named were Britain's Prince Andrew and French modelling agent Jean-Luc Brunel, both of whom have denied any wrongdoing.Giuffre's detailed testimony and persistent advocacy played a pivotal role in the legal proceedings that culminated in the 2021 conviction of Ghislaine Maxwell for sex trafficking and other related crimes. Maxwell is currently serving a prison sentence for recruiting and grooming underage girls for Epstein.Epstein, who faced numerous charges of sex trafficking, died in jail in 2019 in what was officially ruled a suicide. In a statement, Giuffre's family remembered her as "a fierce warrior in the fight against sexual abuse and sex trafficking." They also acknowledged the emotional toll her experiences had taken, stating that "the burden became too heavy for her to bear."

Kim Jong-un unveils 5,000-tonne 'multipurpose destroyer' warship

Kim Jong-un launched a 5,000-tonne destroyer equipped with advanced weapons, calling it a key step in strengthening North Korea's navy.

SEOUL North Korean leader Kim Jong-un attended a ceremony for the launch of a "new multipurpose destroyer," state media KCNA reported on Saturday.The 5,000-tonne warship was equipped with the "most powerful weapons" and built "within 400-odd days perfectly with our own strength and technology," Jo Chun Ryong, a secretary in the ruling Workers' Party, was quoted as saying.Kim, in a speech from the launch reported by KCNA, said the warship would be handed over to the navy and go into service early next year.

STORIES YOU MAY LIKE

Lost Rs 1 lakh on tickets: Indian woman married to Pakistani on deadline to leave

As Pak sweats over India action, its citizens have a field day mocking themselves

Why Pak army chief Asim Munir is desperate for a mini-war with India

The launch took place on Friday at the military shipbuilding dockyard of Nampho, and marked a new era of the "great Kim Jong Un-style fleet building," KCNA said quoting Vice-Admiral Pak Kwang Sop. The ship was graded as the "Choe Hyon-class" named after anti-Japanese revolutionary fighter Choe Hyon, the report added.Earlier this month,

Reuters reported that North Korea's new class of warship was able to accommodate dozens of vertical launch cells to carry missiles its military has already developed, citing analysis of a satellite image.Kim also said strong pre-emptive attack capabilities were the most "convincing war deterrent" and that there was no limit to the scope of such attacks."The security environment of our country is very serious right now," the leader was quoted as saying.He also thanked the workers and technicians for building the new destroyer, which was "true to the party's line of strengthening the naval forces," according to KCNA.Kim also said that the United States was deploying strategic assets in the Korean Peninsula on a regular basis.The B-1B was used in a joint military drill between South Korea and the US earlier this month alongside fighter jets, according to Seoul's defence ministry.B-1B bombers have featured regularly in joint military exercises in recent years. North Korea has long condemned the drills as a rehearsal for war. Seoul says they are purely defensive.

NEWS BOX

CSK need to build for future, with only 5 games left in IPL 2025: Anil Kumble

New Delhi. Chennai Super Kings are all but out of the playoffs race, and it is about time that they started figuring out their personnel for the next season, said former India captain Anil Kumble. Speaking after CSK's loss at home against SunRisers Hyderabad, Kumble said that CSK only have 5 matches left in the tournament and they needed to start planning for their future.Nothing has gone right for CSK in the ongoing edition of the tournament. After winning their first game of the season against Mumbai Indians, CSK have lost 7 out of their next 8 games and are firmly placed at the bottom of the points table.All experienced players at CSK have failed to inspire the side to a win this season, and that has resulted in the poor run for the side in IPL 2025. The likes of Shivam Dube, Ravindra Jadeja, and R. Ashwin have not been able to perform at their potential.Speaking on JioStar after the match, Kumble said that Rachin Ravindra was a fine young talent and the inclusions of Dewald Brevis and Ayush Mhatre have been a positive for the franchise this season. Brevis played his first match against SRH on Friday, April 25, and scored an impressive 42 off 25 balls before getting dismissed by a sensational catch from Kamindu Mendis."Rachin Ravindra is a fantastic young talent, but in this format, he seems rushed—perhaps number three would've suited him better. The middle order lacked power outside of Shivam Dube. With Brevis and Mhatre now getting games, that's a positive," Kumble said.

"But they need to start thinking beyond Pathirana. Nathan Ellis is an experienced death bowler who has delivered before, yet hasn't found a place after the first match. With five games left, it's the perfect time to give youngsters a decent run and start building for the future," he added.

MS Dhoni was not involved in auction: Raina blames CSK management for IPL 2025 woes

Royal Challengers Bengaluru (RCB) will lock horns with Rajasthan Royals (RR) as they look to win their first home fixture of the Indian Premier League 2025 (IPL 2025) and rise higher on the points table.

New Delhi. Former India batter Suresh Raina blamed Chennai Super Kings management for the team's woes in IPL 2025, saying that MS Dhoni had little involvement in CSK's auction strategy, which has left the team scrambling for form this season.CSK's IPL 2025 campaign has been nothing short of disappointing, with the team all but out of playoff contention following a string of poor performances. On Saturday, CSK suffered their seventh defeat of the season, going down to Sunrisers Hyderabad by five wickets. The loss marked their fourth consecutive defeat at Chepauk in IPL 2025. Desperate to find a winning combination, CSK have used 20 out of their 27-player squad so far. In their most recent outing, they handed a debut to Dewald Brevis and promoted Ayush Mhatre, their youngest-ever player, to open the innings. The move, however, did little to change their fortunes."Kashi sir - I think he has been handling the administration for almost 30 to 40 years now. And Rupa Ma'am is managing all the cricket administration - buying the players, maintaining the core group. But everyone knows that the players bought this time weren't selected properly," Suresh Raina said while speaking on Star Sports.Raina dispelled the popular belief that Dhoni is the mastermind behind every CSK auction decision."They always say MS Dhoni makes the final call. But to be very honest, I never attended any of the auctions. I was never a part of those discussions. I always talked about the players who were retained. MS might get a call about whether to go ahead with a player or not - but he's not that involved."Raina didn't hold back in highlighting the contrast between Dhoni's commitment and the lackluster efforts of others."The core group handles the auction - you can imagine, Dhoni can't have this type of auction. He would maybe name four or five players he wants, and out of them, a few would be retained. Even if an uncapped player is working hard, look at MS Dhoni—being a 43-year-old captain, still giving everything.""He's playing just for the brand, for his name, for the fandom - and still putting in the effort. At 43, he's doing wicketkeeping, captaining, carrying the entire team on his shoulders

But what are the other ten players doing?""Those who are paid Rs 18 crores, Rs 17 crores, Rs 12 crores - they're not responding to the captain. Especially when you've never lost to certain teams before - that needs to be rectified. You have to identify - is this player a match-winner?""Can I trust this player in the next match? There are players who've been playing there for years - even the older ones. But what are the results? You're losing. The same mistakes are happening every time."

Raina concluded by suggesting that a major shake-up could be on the horizon, possibly led by Dhoni himself.I think MS Dhoni will now sit down - he won't want anyone around him. He must have made up his mind. "After the toss, when they lost, the way he walked - and both of them were standing there - it's clear there's going to be a meeting today," Raina added.

Josh Hazlewood should start in WTC final: Shastri likens Australia pacer to McGrath

New Delhi. Former India coach Ravi Shastri has likened Josh Hazlewood to bowling great Glenn McGrath ahead of the World Test Championship (WTC) final against South Africa at Lord's. Shastri also stated that Hazlewood should be selected ahead of Scott Boland to complete Australia's bowling attack alongside Pat Cummins, Mitchell Starc, and spinner Nathan Lyon for the WTC final.Hazlewood was forced to miss three of the five Tests in the recent Border-Gavaskar Trophy match against India, as well as Australia's tour of Sri Lanka and the ICC Men's Champions Trophy 2025 earlier this year, due to calf concerns.However, the 34-year-old has returned to competitive cricket in the Indian Premier League and has looked in good form for Royal Challengers Bengaluru, taking 16 wickets in his first nine outings.While Shastri has long admired Boland, the former India coach believes the conditions at Lord's are better suited to Hazlewood's line and length. "It will be a very tough choice, but if Hazelwood is fit, then he gets the nod ahead of Boland," Shastri told The ICC Review.

"If Hazlewood is fit to do that, he will definitely get the nod for two reasons. One, the English conditions, two, Lord's with the slope," he said."And the reason I say Lord's slope is Hazlewood is most likened to Glenn McGrath. And you've got to just check Glenn McGrath's record at Lord's, with the slope around and bowling from the Commentary Box end.McGrath, one of the all-time greats, took 26 wickets in three Tests at Lord's, including the best figures of 8/38 in the second Test of Australia's 1997 tour of England and Scotland."He (McGrath) could be lethal with the ball either seaming back or going away and from either end, to be honest and I think Hazlewood can do something similar with his height," Shastri said, when comparing Hazlewood to former Australia seamer McGrath."The pitches aren't as quick as in Australia. So you need that extra bit of height and bounce, which he will get as opposed to Scott Boland, though I'm a big fan of Scott Boland."

Venkatesh Iyer underperforming in IPL 2025 due to price tag pressure: RP Singh

New Delhi. RP Singh feels that Venkatesh Iyer is failing to perform regularly because he is trying to justify the hefty price tag in IPL 2025 for KKR. The defending champions surprised everyone by shelling out Rs. 23.75 crore rupees for Venkatesh during the IPL 2025 auction. However, the southpaw has struggled during the tournament as he has scored just 135 runs in 8 matches at an average of 22.5 and a strike-rate of 139.17.

Venkatesh was slammed by fans for his lack of intent during the chase against GT in KKR's last game. Speaking exclusively to India Today ahead of the TATA IPL 2025 'Revenge Week' clash between Kolkata Knight Riders and Punjab Kings, JioStar expert Singh said that KKR made a bit of a misjudgement during the auction with the bid for Venkatesh.

The former pacer feels that it wouldn't be best for KKR to drop the MP batter right now and

feels he can come into form slowly with each game. Singh feels that the price tag is playing on Venkatesh's mind at the moment and he may be overthinking that he needs to single-handedly win the championship for his side."This is a slightly tough question because when a player is picked at such a high price in the auction, somewhere in your thoughts, you're considering him either as your main player or as a potential captaincy material. But here, he has turned out to be neither. So I feel that there has been a bit of a misjudgement from KKR during the auction, at the table during selection.""You let go of your best captain, and now he's doing well captaining another team. So I don't think it's a great option to drop this player now. Because you've already given him a good number of matches. Form issues can happen with any player, but usually, the more matches you play, the better your form gets gradually.

Hyderabad rise to the occasion to post first-ever win at Chepauk

CHENNAI. Ishan Kishan's breezy 44 and Kamindu Mendis' undefeated 32 proved to be pivotal as Sunrisers Hyderabad beat Chennai Super Kings for the first time in the IPL at the MA Chidambaram Stadium on Friday. The five-wicket win means SRH keep their slim hopes of qualifying for the play-offs. On the other hand, this was CSK's seventh defeat of the season and the five-time champs remained at the bottom of the standings. Barring a miracle, their chances of making the play-offs is all but over.Needing 28 runs off four overs, Hyderabad happily took extras, all thanks to a poor over from CSK pacer Matheesha Pathirana. He gave away 15 runs in the 17th over, an over that proved to seal their fate. It could be regarded as a lapse in judgement from stand-in captain MS Dhoni as the likes of Khaleel Ahmed, Anshul Kamboj had one over left to bowl. Chasing a target of 155, Hyderabad didn't have the best of starts, losing Abhishek Sharma in the second ball of their innings to Khaleel. A little while later, Anshul castled the dangerous Travis Head with his trademark delivery. Put under pressure, Heinrich Klaasen was caught by Deepak Hooda off Ravindra Jadeja.It seemed like CSK were back on track. When Ishan was sent back by Noor Ahmad in the 12th over, CSK had a real opportunity to make in-roads and take the game away from SRH. However, Kamindu, along with Nitish Kumar Reddy, held firm to get SRH over the line. Earlier, Dewald Brevis, who was drafted into the CSK squad recently, had made an instant impact, scoring 42 off just 25 deliveries to help the home side reach 154 in 19.5 overs. CSK were reeling at 47/3 in the sixth over when the South African walked in to bat. Brevis was picking the length early and his powerful bat swing enabled him to effortlessly clear the ropes as many as four times during his entertaining knock. Brevis struck Mendis for three sixes in an over to show his potential and also exhibit his understanding of the shortest format of the game. Apart from Brevis, Ayush Mhatre (30, 19b) was the only other batter who showed some real spark.

Fleming admits that CSK might have got it wrong at auction table

CHENNAI. Half the IPL battle is normally won at auction table but in case of Chennai Super Kings, the seeds of their struggles this season were sown on that very evening in Jeddah many months ago, when they failed to get the best assortment of players.Long-time head coach Stephen Fleming admitted that it has led to an unmitigated disaster in the ongoing edition of the league.

The CSK's template of going for the tried and tested players have backfired with the team languishing at the bottom of the points table having lost seven out of nine games."It's hard to say. We got it completely right with the performances that we've had. So we have been looking over that in detail, just around our style of play. Also looking at how the game is evolving, and it's not easy."And that's why we're proud of our record today, that we've been able to be consistent for so long. And it doesn't take much for it to go another way," Fleming said after losing to Sunrisers Hyderabad here on Friday, initially trying hard to defend the team.But then there was acceptance that they might have missed a trick or two."Other teams have got better, and that's the point of the auction. But we just haven't been able to get it right. So you take responsibility from the top down, and you just ask a little bit more of the players.Players like Rahul Tripathi, Deepak Hooda, Vijay Shankar have been super flops and CSK's reluctance to try out new talents at the start of the tournament cost them dear.IPL 2025 | SRH all but end CSK's chances with five-wicket win"But yeah, that has to be an area where we need to reflect and say it wasn't as good as what it could have been, or it hasn't worked out how we wanted."But it's also not a perfect science. The auction is a very fluid beast. It's like buying 25 houses, so you come away at the end of it mentally and sometimes physically exhausted. And to be fair, I still think we've got a good squad. We're not far away," he said, puttig up a brave front.Players like Rahul Tripathi, Deepak Hooda, Vijay Shankar have been super flops and CSK's reluctance to try out new talents at the start of the tournament cost them dear.At the back end, youngsters such as Ayush Mhatre, Shaik Rasheed and Dewald Brevis are showing promi for the next season.Fleming also agreed that they probably need to have a closer look at their style of play, after his initial reluctance.

Injury to skipper Ruturaj Gaikwad and trying out as many as 19 players to get the right combination also contributed to their dismal show.Being the team's key strategist, Fleming admitted that the buck stops at him.

KKR can still qualify for IPL 2025 playoffs: Moeen Ali wants team to take MI mindset

Moeen Ali said that KKR can still make it to the playoffs of the IPL 2025 season. The all-rounder feels that the defending champions need to adopt the mindset that MI are using in their current winning run.

Kolkata. Moeen Ali feels that KKR can still make it to the playoffs of IPL 2025 and wants the team to adopt the same mindset that MI has shown in the past few weeks. After a slow start to their campaign, Mumbai are now on a 4-match winning streak that has seen them climb into the top four. KKR, on the other hand, have had a hot and cold season and lost their last two games.The defending champions will need to win most of their remaining games to retain a chance of making it to the playoffs. Speaking at the pre-match press conference before the PBKS game, Moeen said that KKR cannot be written off just yet and the team has shown enough this season to go on a winning run.

However, the all-rounder said that it will take a lot of determination and belief from the team to get the job done and go on a winning run."Yes, definitely if you look at history, even if you look at Mumbai, for example, now they had a bit of a bad start and now they've won, I think 4 in a row, 5 in a row, and they're flying. So we also need to have that same mindset and do the same thing where we have, we're at the halfway stage now, we have to win most of our games. But this squad and team have played well enough so far, I think, to show that we can go on a run and win games.""But it's gonna take a lot of determination, a lot of belief for us to do that, and it's one of those things and competitions where you can go on a run and win 4 or 5 games in a row," said Moeen.

'Happy with my role'

Moeen has played 4 matches so far in the campaign and has been in and out of the squad mostly. However, the all-rounder, who retired from international cricket, doesn't feel he has any difficulty adjusting to it."To be honest, if you look at where I'm at in my career, it's not as difficult as if I was younger and a bit more, playing like international cricket and things like that, then it would be a lot harder.""But now at my age, it depends on my own mindset. So my mindset is to come and whenever the game requires or the team requires me to play, to be ready and I prepare like I'm playing every game, and then I get told if I'm playing or not. 5–10 years ago it would have been difficult, but now it's not so difficult," said Moeen.

Shivangi Joshi

Sports Gajra In Leaked Video With Harshad Chopda From Bade Achhe Lagte Hain

It is no secret that the popular romantic drama, Bade Achhe Lagte Hain, will soon return to our television screens. This time, Ekta Kapoor's show will star Shivangi Joshi and Harshad Chopda in the lead. While fans have been eagerly waiting for the much-loved show, a behind-the-scenes video of the two actors has surfaced on social media.In the viral clip, Shivangi Joshi and Harshad Chopda are seen shooting for Bade Achhe Lagte Hain. The former is seen sporting a gajra as she looks the prettiest. Harshad is also seen standing by her side. Watch the video here:

The video has left Bade Achhe Lagte Hain fans excited, who cannot wait to watch Shivangi and Harshad's chemistry on screen. "We are waiting and very excited to see u Harshad ," one of the fans wrote while reacting to the BTS clip.

Produced by Balaji Telefilms, Bade Achhe Lagte Hain: Naya Season has been generating significant buzz online, even before its official premiere. In this new season, Shivangi Joshi will be seen portraying the role of Bhagyashree.

This will mark her third collaboration with producer Ekta Kapoor after Bekaboo and Barsatein: Mausam Pyaar Ka.Harshad Chopda, on the other hand, will essay the character of Rishab. This show marks a highly anticipated comeback of the actor to television after a two-year hiatus following his exit from the popular show Yeh Rishta Kya Kehlata Hai.Shivangi and Harshad will also be joined by Mansi Srivastava, Divyangana Jain, Yash Pandit, Khushbu Thakkar, Gaurav S Bajaj, Nitin Bhatia, Rishi Deshmukh, Rohit Choudhary, Arushi Handa, Pyumori Mehta, and Avirath Parekh in this new season of Bade Achhe Lagte Hain.

Dancer Shooting for Riteish Deshmukh's Film Drowns In River; Body Found After 2 Days

A 26-year-old dancer, who was part of the choreography team of actor-director Riteish Deshmukh's movie 'Raja Shivaji', drowned in the Krishna river in Maharashtra's Satara district just after finishing the shooting of a song, police said on Thursday.The deceased dancer was identified as Saurabh Sharma, whose body was found on Thursday morning, two days after he went missing, an official said.

The incident occurred on Tuesday evening at Sangam Mahuli, a village located at the confluence of the rivers Krishna and Venna in Satara district, around 250km from Mumbai, where the shooting of 'Raja Shivaji' was going on, he said.After finishing the shooting of a song in which colours were thrown around, Sharma went to wash his hands in the Krishna river. After washing his hands, he entered deep into the river for a swim, but got swept away by strong water currents, he said.Police and district administration were alerted about the missing dancer, following which disaster response and rescue teams, including members from local private organisations, rushed to the spot and launched a search operation.

The search and rescue operation was stopped on Tuesday night due to darkness and it resumed on Wednesday morning and went on for the entire day, but the dancer could not be traced, said the official.

Sharma's body was finally recovered from the river by police and rescue teams on Thursday at around 7.30 am, he said.

An accidental death case has been registered with the Satara police and further probe was underway, the official added.

Kesari 2 Director Says Sardar Udham Was His 'Guiding Light': 'Vicky Lent So Much Seriousness'

Kesari Chapter 2 has already crossed Rs 40 crore and continues to hold well at the box office. The depiction of the Jallianwala Bagh massacre in the film has given way to a dialogue on the treatment the British meted out to the Sikhs. It has also given an impetus to the conversation Caroline Dyer, the great-granddaughter of the then Viceroy of India General Dyer, was seen having in a video with a relative of one of the massacre's victims, wherein she referred to Indians as 'looters'. Kesari Chapter 2, in fact, opens with a sequence of the tragedy that took place on April 13, 1919.In 2021, Shoojit Sircar's heart-wrenching portrayal of the massacre in Sardar Udham, a biopic of Udham Singh who assassinated Michael O'Dwyer, gained a lot of attention. Vicky Kaushal, who played the title character, had revealed that the recreation of the incident in the film left him emotionally numb. Now, speaking exclusively to News18 Showsha, Kesari Chapter 2 director Karan Singh Tyagi, says that Sardar Udham was indeed a reference point for him.

He tells us, "I've loved Sardar Udham. In fact, I've watched all the movies that depicted the Jallianwala Bagh massacre. I've studied all of them. Before Sardar Udham, it was Gandhi, which depicted the tragedy in painstaking detail and in a gut-wrenching manner. The last 20-minutes of Sardar Udham is one of the best pieces of art that I've watched in life. It was a guiding light for me. I love Shoojit Sircar and his work."And interestingly, Vicky has received a special thanks for his contribution to Kesari Chapter 2 as he took on the role of the narrator of the film. However, that decision didn't stem from his association with Sardar Udham. "Vicky has a voiceover in the beginning and sets the stage for the story. We didn't rope him in because of his connection with Sardar Udham. I'm a huge admirer of his work and of the gravitas that his voice holds. The connection just helped. We wanted him because he's such a fantastic actor. He lent so much gravity and seriousness to the proceedings," says Karan.

Talking about the depiction of the massacre in his own film, Karan explains, "Pretty early on, we had decided that we wanted to showcase the episode from a boy's point of view and how his family was blown up right in front of his eyes. We didn't want to show you the scale of the tragedy. We wanted the audience to feel what it would be like had they been there and had their sister been killed in front of their eyes. We wanted them to have a very visceral experience."He further adds, "Around the second time of the depiction, we wanted to show the contrast between Shankar Nair and the boy's lives. We juxtaposed Shankar Nair receiving knighthood – his crowning moment of glory – with the boy losing it all. These are the two powerful forces that were going to collide in the film and portraying that was key."

Malaika Arora

Goes Bold In Fiery Red Plunging Dress, Flaunts Stretch Marks In Hot Pics From NYC

Malaika Arora continues to own the internet, this time with a bold fashion statement straight from the streets of New York City. The actress and fitness icon took to Instagram to share a series of stunning photos from her NYC vacation, and they've quickly gone viral.Dressed in a fiery red bodycon dress with a plunging neckline, Malaika looked every bit the diva. Her confident pose and striking outfit lit up social media, with fans flooding the comments section with admiration. "Red dress, red lips, red-hot attitude!!" wrote one fan. Another added, "Goodness gracious," while someone simply called her "Beauty."

What truly set this post apart, however, was Malaika's candid display of her stretch marks. In one of the selfies, she confidently flaunted the marks on her midriff, drawing praise for embracing natural beauty. Malaika captioned the post with a simple, "NYC ," letting the photos do all the talking.

The move has been hailed by fans as empowering, especially in an age where social media often promotes unrealistic standards of perfection. Malaika has previously addressed this issue in interviews, including a candid chat with Pinkvilla where she said, "If I'm trolled because I have stretch marks, so be it. People have far deeper insecurities in life… I have my own share."Speaking about aging and insecurities, she added, "The older you get, the more your insecurities come to the forefront… I felt my insecurities when I was

18, in my 20s, in my 30s, and also in my 40s… What is more important is how much of it I let it affect me."

Currently, Malaika is judging Hip Hop India 2 alongside choreographer Remo D'Souza. She has long been a fixture on various dance reality shows. Malaika was previously married to actor Arbaaz Khan, with whom she shares a son, Arhaan Khan. She was also in a high-profile relationship with Arjun Kapoor until their recent breakup.